आईपीओ से पहले शेयरों की हो सकेगी खरीद-बिक्री - 12

जल्द ही कोई हमारी धरती से, हमारे रॉकेट से अंतरिक्ष की यात्रा करेगा : शुभांशु शुक्ला - 12

शांति की कोशिशों के बीच रूस का यूक्रेन पर साल का सबसे बड़ा हमला - 13

सारा ईरानी एंड्रिया वावसोरी फिर बने मिश्रित युगल चैंपियन - 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.44
सूर्यास्त 06.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 11:56 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 22 अगस्त 2025, वर्ष 5, अंक 181, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

हल्द्वानी में बुजुर्ग दंपती ने खाया जहर

हल्द्वानी। हल्द्वानी में बुधवार रात एक बुजुर्ग दंपती ने जहर खा लिया जिससे महिला की मौत हो गई। गौलापार के लखनपुर गांव निवासी हरिदत्त पांडे (71) पेशे से काश्तकार हैं। वह पत्नी मुन्नी देवी (65) और बेटे व बहू के साथ रहते हैं। बुधवार रात दंपती ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। परिजनों की ओर से दोनों को एसटीएच में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान मुन्नी देवी की मौत हो गई जबकि हरिदत्त पांडे गंभीर हालत में भर्ती हैं। (विस्तृत पेज-3)

आयोग ने 15 सियासी दलों को भेजा नोटिस

पटना। भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार के 15 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सितंबर तक बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल के समक्ष पेश होने का आदेश जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2019 से पिछले छह वर्षों में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने के कारण इन दलों की मान्यता पर सवाल उठ रहे हैं।

मीठी नदी गाद घोटाले में एक और गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र में मीठी नदी से गाद निकालने में हुए 65 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मामले में आरोपी शेरसिंह राठौड़ की भूमिका सामने आने के बाद उसे हिरासत में लिया। यह गाद से जुड़े कथित घोटाले में तीसरी गिरफ्तारी है। एजेंसी ने मामले में बॉलीवुड अभिनेता डीनो मोरिया और उनके भाई से भी पूछताछ की थी। पुलिस ने मई में 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

आईआईआईटी के छात्र ने की आत्महत्या

ओंगोल। आंध्र प्रदेश में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) ओंगोल के 17 वर्षीय छात्र ने छात्रावास में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र का शव छात्रावास की छत से लटका मिला था। पुलिस को एक सुसाइड नोट और फोन पर उसकी मां को संबोधित एक संदेश मिला, जिसमें अवसाद का जिक्र करते हुए आत्महत्या से पहले माफी मांगी थी।

फार्मा कंपनी में नाइट्रोजन गैस का रिसाव, 4 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले के तारापुर एमआईडीसी में स्थित एक दवा कंपनी में गुरुवार को नाइट्रोजन गैस का रिसाव होने से चार कर्मियों की मौत हो गई। दो अन्य कर्मी गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बोईसर के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित मेडले फार्मा में दोपहर को हुई।

बोईसर मुंबई से करीब 130 किलोमीटर दूर है। पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा कि अपराह्न ढाई से तीन बजे के बीच कंपनी की एक इकाई में नाइट्रोजन गैस का रिसाव हुआ जिससे वहां काम कर रहे कर्मचारी प्रभावित हुए। छह कर्मियों को अस्पताल ले जाया गया जहां शाम को चार कर्मियों की मौत हो गई। कदम ने कहा कि दो अन्य को एक अस्पताल की आईसीयू में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान कल्पेश राउत, बंगाली ठाकुर, धीरज प्रजापति और कमलेश यादव के रूप में हुई है, रोहन शिंदे और नीलेश हडाल का इलाज किया जा रहा है।

संवैधानिक पदाधिकारी कर्तव्य न निभाएं, तो क्या अदालतें बैठी रहें

राष्ट्रपति का संदर्भ मामला

- सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से पूछा कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन न करें या राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर राज्यपाल की ओर से निष्क्रियता दिखाई जाए, तो क्या संवैधानिक अदालतें हाथ पर हाथ धरे रह सकती हैं।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर कुछ राज्यपाल विधानसभा में पारित विधेयकों को लंबित रखते हैं, तो न्यायिक समाधान के बजाय राज्यों को राजनीतिक समाधान तलाशने चाहिए। संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। पीठ राष्ट्रपति के उस संदर्भ पर सुनवाई कर रही है, जिसके तहत उन्होंने यह जानने का प्रयास किया है कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकती हैं। पीठ ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है, तो उसका समाधान होना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने मेहता से सवाल किया कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी बिना किसी कारण के अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करते हैं, तो क्या एक संवैधानिक न्यायालय हाथ पर हाथ धरे रह सकता है?

सभी समस्याओं का समाधान अदालत से नहीं होगा

मेहता ने कहा कि सभी समस्याओं के लिए अदालतें समाधान नहीं हो सकतीं और लोकतंत्र में बातचीत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अगर किसी राज्यपाल की ओर से कोई निष्क्रियता दिखाई जा रही है, और अगर कोई असंतुष्ट राज्य इस संबंध में अदालत का रुख करता है, तो क्या ऐसी निष्क्रियता की न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह रोका जा सकता है। हमें बताइए, इसका समाधान क्या हो सकता है? मेहता ने कुछ 'लचीलापन' अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मान लीजिए कि राज्यपाल विधेयक को रोके बैठे हैं, तो ऐसे में कुछ राजनीतिक समाधान हैं, जिन्हें अपनाया जा सकता है। हर जगह ऐसा नहीं होता कि मुख्यमंत्री सीधे अदालत पहुंच जाएं। मेहता ने दलील दी कि संविधान में कहीं भी राज्यपाल या राष्ट्रपति के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के वास्ते कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने मेहता से कहा कि अगर कुछ गलत हुआ है, तो उसका समाधान भी होना चाहिए।

न्यायिक सक्रियता को अतिवादी नहीं होना चाहिए

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि न्यायिक सक्रियता (ज्यूडिशल एक्टिविज्म) कभी न्यायिक अतिवाद (ज्यूडिशियल टैररिज्म) नहीं बननी चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी तब की, जब मेहता ने कहा कि निर्वाचित लोगों के पास काफी अनुभव होता है और उन्हें कभी भी कमतर नहीं आंकना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने मेहता से कहा कि हमने निर्वाचित लोगों के बारे में कभी कुछ नहीं कहा।

जीएसटी के 5 और 18 प्रतिशत स्लैब को मंत्री समूह की मंजूरी

राजस्व नुकसान को लेकर विपक्ष शासित राज्य आशंकित

- कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत नए कर का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

विभिन्न राज्यों के मंत्रियों के एक समूह ने गुरुवार को केंद्र के जीएसटी दरों में कटौती के माध्यम से अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में व्यापक सुधारों को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी, लेकिन कुछ विपक्षी दल शासित राज्य यह जानना चाहते हैं कि इस कदम से होने वाले राजस्व नुकसान और उसकी भरपाई कैसे की जाएगी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता वाले मंत्री समूह ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत स्लैब की संख्या चार (5, 12, 18 और 28 प्रतिशत) से घटाकर दो (5 और 18 प्रतिशत) करने के केंद्र के प्रस्ताव पर चर्चा की।

केंद्र ने पांच-सात चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाने का भी प्रस्ताव रखा है। मंत्री समूह दर और स्लैब में बदलाव के पक्ष में है, लेकिन कुछ सदस्य चाहते थे कि महंगी कारों जैसी विलासिता वाली वस्तुओं पर विशेष 40 प्रतिशत कर के अलावा एक अतिरिक्त कर लगाया जाए। छह सदस्यीय मंत्री समूह की सिफारिशें उच्चस्तरीय जीएसटी परिषद को भेजी जाएंगी, जो सुधारों पर अंतिम निर्णय लेगी। मंत्री समूह में भाजपा शासित राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से तीन-तीन सदस्य और विपक्षी शासित राज्यों कर्नाटक (कांग्रेस), केरल (वाम मोर्चा) और पश्चिम बंगाल (तृणमूल कांग्रेस) से समान संख्या में सदस्य शामिल हैं।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मंत्री समूह ने केंद्र के दोनों प्रस्तावों को स्वीकार करने का फैसला किया है। केंद्र के 12 और 28 प्रतिशत के स्लैब हटाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सभी राज्यों ने केंद्र के प्रस्ताव का स्वागत किया है और कहा है कि यह आम आदमी के हित में है।

ये होंगे सस्ते, लगेगा 5 से 12% टैक्स

सूखे मेवे, ब्रांडेड नमकीन, टूथ पाउडर, टूथपेस्ट, साबुन, हेयर ऑयल, सामान्य एंटीबायोटिक्स, पेनकिलर दवाएं, प्रोसेस्ड फूड, स्नैक्स, फ्रोजन सब्जियां, कंडेंस्ड मिल्क, कुछ मोबाइल, कुछ कंप्यूटर, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर, गीजर जैसी चीजें सस्ती होंगी। बिजली वाले पानी के फिल्टर, इलेक्ट्रिक आयरन, वैक्यूम क्लीनर, 1000 रुपये से ज्यादा के रेडीमेड कपड़े, 500-1000 रुपये की रेंज वाले जूते, वैक्सीन, साइकिल, बर्तन पर भी कम टैक्स लगेगा।

इन सामानों पर देना होगा 18% टैक्स

सीमेंट, ब्यूटी प्रोडक्ट, चॉकलेट, रेडी-मिक्स कंक्रीट, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एसी, डिशवॉशर, निजी विमान, प्रोटीन कॉन्सेंट्रेट, चीनी सिरप, कॉफी कॉन्सेंट्रेट, प्लास्टिक प्रोडक्ट, रबर टायर, एल्युमिनियम फॉयल, टेम्पर्ड ग्लास, प्रिंटर, रेजर, मैनिक्योर किट, डेंटल फ्लॉस।

दरों को युक्तिसंगत बनाया जाए : विपक्ष

पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि दरों को युक्तिसंगत बनाने पर मंत्रिसमूह के समक्ष प्रस्तुत केंद्र के प्रस्ताव में दरों और स्लैब में बदलाव के कारण होने वाले राजस्व नुकसान को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने कहा है कि हम दर को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव के साथ सहमत हैं, जो लोगों के हित में हो। लेकिन हमें यह भी पता होना चाहिए कि इससे हमें कितना राजस्व नुकसान होगा। क्योंकि, अंतत:, यदि किसी राज्य को कोई नुकसान होता है, तो इसका असर आम आदमी पर पड़ता है। जीएसटी परिषद दर को युक्तिसंगत बनाने प्रस्ताव पर हर मद में चर्चा करेगी। भट्टाचार्य ने कहा कि उन्होंने सुझाव दिया है कि जीएसटी अधिनियम की धारा (1) में संशोधन किया जाए ताकि 40 प्रतिशत की अधिकतम स्वीकार्य दर से ऊपर एक शुल्क लगाया जा सके।

पौड़ी में युवक ने की आत्महत्या, भाजयुमो नेता गिरफ्तार

- वीडियो वायरल, 35 लाख रुपये ऐंठने का आरोप

देहरादून। पौड़ी जिले में एक युवक ने भाजयुमो नेता पर बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पौड़ी के तलसारी गांव के जितेंद्र सिंह (32) ने तड़के चार बजे अपने घर के पास अपनी कार में कथित रूप से स्वयं को गोली मार ली।

आत्महत्या करने से पहले उसने सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी हिमांशु चमोली को जिम्मेदार बताया। इस वीडियो में जितेंद्र ने मुख्य रूप से हिमांशु चमोली पर 35 लाख रुपये ऐंठने और उसका जमीन से संबंधित काम नहीं कराने का आरोप लगाया है। एसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि इस मामले में अभियोग दर्ज कर गहन जांच की जा रही है। हिमांशु को देहरादून से गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक रावत ने बताया कि सोशल मीडिया पर चल रहे भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री हिमांशु चमोली से संबंधित वीडियो का पार्टी संगठन व नेतृत्व ने संज्ञान लिया है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र भट्ट के निर्देश पर हिमांशु चमोली को पदमुक्त कर दिया गया है।

सीएम ने केंद्र से मांगी खेल की विश्वस्तरीय सुविधाएं

- नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से की मुलाकात

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से भेंट कर राज्य में खेलों के व्यापक विकास, उच्चस्तरीय खेल अवस्थापना के निर्माण तथा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की और केंद्र सरकार से सहयोग का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन में केंद्र सरकार से प्राप्त सहयोग के लिए प्रदेशवासियों की ओर से आभार जताते कहा कि इस खेल महाकुंभ ने उत्तराखंड को एक नई पहचान दिलाई है। इस आयोजन के माध्यम से उत्तराखंड ने स्वयं को एक खेलभूमि के रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से जिला अल्मोड़ा के डीनापानी में उच्चस्तरीय खेल सुविधा की स्थापना, देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में आईस स्केटिंग रिंग का संचालन, जिला नई टिहरी में साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र का उच्चीकरण,

चंपावत के महिला स्पोर्ट्स कॉलेज में इंडोर आर्टिफिशियल रॉक क्लाइम्बिंग की सुविधा और राज्य के 95 विकासखंडों में बहुउद्देशीय क्रीड़ाहॉल के निर्माण के प्रस्ताव स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि उत्तराखंड में राज्य का प्रथम खेल विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है, जो राज्य एवं देश के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल से संबंधित शैक्षणिक कोर्सेज़ की सुविधा भी प्रदान करेगा। उन्होंने इस विश्वविद्यालय को एक अग्रणी खेल संस्थान के रूप में विकसित करने हेतु केंद्र सरकार से आवश्यक सहयोग और यथासंभव आर्थिक सहायता/अनुदान प्रदान करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने हरसम्भव सहयोग के प्रति मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया।

श्रीअन्न पर शोध कर नए उत्पाद करें विकसित

पंत विवि में श्रीअन्न महोत्सव का शुभारंभ करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

- पंत विवि में राज्यपाल ने किया वैज्ञानिक-शिक्षाविदों से आह्वान

संवाददाता, पंत नगर

अमृत विचार : राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष घोषित कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। बार-बार कहा है कि श्रीअन्न केवल अनाज नहीं, बल्कि यह भारत की सॉफ्ट पावर और भविष्य की ऊर्जा है। राज्यपाल ने वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों से आग्रह किया कि वे श्रीअन्न पर और शोध कर नए उत्पाद विकसित करें।

जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में गुरुवार को श्रीअन्न महोत्सव में राज्यपाल ने कहा कि, इस स्वतंत्रता दिवस पर भी प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य पर बल देते हुए मोटापा कम करने और संतुलित जीवन शैली अपनाने की अपील की है। महत्वपूर्ण सुझाव दिया कि हर परिवार यह संकल्प ले कि जब घर में खाना पकाने का तेल आए तो वह सामान्य से 10 प्रतिशत कम हो और उसका उपयोग भी 10 प्रतिशत कम हो। ऐसा करके, हम मोटापे के खिलाफ लड़ाई जीतने में योगदान दे सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आज जब हम विकसित भारत 2047 का सपना देखते हैं तो उसमें केवल तकनीक या आर्थिक प्रगति ही नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त नागरिक भी आवश्यक हैं। योग, आयुर्वेद, श्रीअन्न और जैविक खेती, यही हमारी धरोहर हैं और यही भविष्य का समाधान है। भारत का भविष्य तकनीकी शक्ति के साथ स्वस्थ, सशक्त और संतुलित जीवन शैली से तय होगा। इस दिशा में श्रीअन्न हमारे लिए वरदान है। उन्होंने बच्चों और युवाओं से अपने भोजन में श्रीअन्न को नियमित रूप से शामिल करने के साथ कहा कि, किसानों को श्रीअन्न की खेती के लिए प्रेरित करना चाहिए।

दिसंबर में लांच होगा गगनयान मानव रहित मिशन

- इसरो प्रमुख ने कहा-2027 में जाएंगे अंतरिक्ष यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अपने अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है और इस साल के अंत तक पहला मानव रहित मिशन लॉन्च किया जाएगा जबकि साल 2027 के आरंभ में अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा जाएगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने गुरुवार को यहां बताया कि गगनयान मिशन की तैयारी का काम जोरशोर से चल रहा है। व्हीकल हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम, क्रू इस्केप सिस्टम और पैराशूट का विकास आदि समेत 80 प्रतिशत तैयारी पूरी कर ली गई है। शेष 20 प्रतिशत काम भी मार्च 2026 तक पूरे कर लिए जाएंगे।

डॉ. नारायणन ने कहा कि इस साल की अंतिम तिमाही में, संभवतः दिसंबर के आसपास, पहला मानव रहित मिशन जी-1 लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद साल 2027 में इसरो पहली बार मावन मिशन अंतरिक्ष में भेजेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले पहले भारतीय बने। वह एक्सिओम-4 मिशन में पायलट के तौर पर आईएसएस पर गए थे।

उन्होंने वहां अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष में खेती जैसे क्षेत्रों में सात प्रयोग किए और उनके इस अनुभव से गगनयान मिशन में काफी मदद मिलेगी।

रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

- हमले के बाद केंद्र ने बढ़ाई दिल्ली सीएम की सुरक्षा

केंद्र सरकार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद उन्हें जेड श्रेणी की वीआईपी सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि गुप्ता को उनके आधिकारिक आवास, राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइंस क्षेत्र में राज निवास मार्ग स्थित उनके कार्यालय को भी अर्द्धसैनिक बल के वीआईपी सुरक्षा समूह (वीएसजी) द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी, जो विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है। यह समूह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस पार्टी के गांधी परिवार को भी सुरक्षा प्रदान करता है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर सीआरपीएफ ने गुरुवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली।

उपराष्ट्रपति चुनाव

विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने किया नामांकन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को नामांकन दाखिल किया और कहा कि यह चुनाव एक ऐसे भारत की अवधारणा की अभिपुष्टि के लिए है, जहां संसद निष्ठापूर्वक कार्य करे, असहमति का सम्मान किया जाए।

रेड्डी ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी, राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार, सपा नेता रामगोपाल यादव, द्रमुक नेता तिरुचि शिवा, तृणमूल कांग्रेस की सांसद शताब्दी रॉय, शिवसेना (उबाठा) के संजय राउत, माकपा सांसद जॉन ब्रिटास सहित कई विपक्षी नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया।

अहम टिप्पणी | पति-पत्नी यह नहीं कह सकते कि अपने जीवनसाथी से स्वतंत्र होना चाहते हैं : सुप्रीम कोर्ट

वैवाहिक संबंध में एक-दूसरे पर निर्भर रहना ही होगा

- अलग रह रहे एक दंपती के मामले की सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि ऐसा असंभव है कि विवाह के बाद पति या पत्नी यह कह सकें कि वे अपने जीवनसाथी से स्वतंत्र होना चाहते हैं। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने आगाह करते हुए कहा कि यदि कोई स्वतंत्र रहना चाहता है तो उसे विवाह नहीं करना चाहिए।

पीठ ने कहा कि हम बिल्कुल स्पष्ट हैं। कोई भी पति या पत्नी यह नहीं कह सकता कि जब तक हमारा वैवाहिक संबंध है, मैं दूसरे जीवनसाथी से स्वतंत्र रहना चाहता/

चाहती हूं। यह असंभव है। विवाह का मतलब क्या है, दो दिलों, व्यक्तियों का एक साथ आना। आप स्वतंत्र कैसे हो सकते हैं?

शीर्ष अदालत एक दूसरे से अलग रह रहे एक दंपती के मामले की सुनवाई कर रही है। उनके दो बच्चे भी हैं। पीठ ने कहा कि अगर वे (दंपती) साथ आ जाते हैं, तो हमें खुशी होगी क्योंकि बच्चे बहुत छोटे हैं। उन्हें घर टूटा हुआ देखने को न मिले। उनका क्या कसूर है कि उनका टूटा हुआ घर हो। दोनों पक्षों को अपने मतभेद सुलझाने का निर्देश देते हुए, पीठ ने कहा कि हर पति-पत्नी का आपस में कोई न कोई विवाद होता ही है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश हुई पत्नी ने कहा कि एक हाथ से ताली नहीं बज सकती। इस पर पीठ ने उससे कहा कि हम आप दोनों से कह रहे हैं, सिर्फ आपको नहीं। महिला ने दावा किया कि उसका पति, जो सिंगापुर में रह रहा था और वर्तमान में भारत में है, इस मामले को सुलझाने के लिए तैयार नहीं है और केवल मुलाकात का अधिकार तथा बच्चों की अभिरक्षा चाहता है।

पति को करना होगा बच्चों व पत्नी का भरण-पोषण

पीठ ने हैदराबाद में रह रही महिला से पूछा, लेकिन आप सिंगापुर क्यों नहीं लौट सकतीं? बच्चों के साथ सिंगापुर लौटने में आपको क्या दिक्कत है? महिला ने कुछ कठिनाइयों का हवाला देते हुए कहा कि सिंगापुर में पति की हरकतों के कारण उसके लिए वापस लौटना बेहद मुश्किल हो गया है। एकल मां होने के नाते आजीविका के लिए नौकरी की जरूरत पर जोर देते हुए महिला ने दावा किया कि उसे अलग रह रहे पति से कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला है। महिला के पति के वकील ने कहा कि दोनों की ही सिंगापुर में काफी अच्छी नौकरी है, लेकिन पत्नी ने बच्चों के साथ सिंगापुर लौटने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि आपको (पत्नी को) नौकरी मिल सकती है, हो सकता है न मिले, लेकिन पति को आपका और बच्चों का भरण-पोषण करना होगा। साथ ही अदालत ने पति को पत्नी और बच्चों के लिए कुछ राशि जमा करने का सुझाव दिया। पत्नी ने कहा कि वह किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहती।

भाजपा-कांग्रेस में वाकयुद्ध, एक-दूसरे पर शब्द बाण

गैरसैंण विधानसभा में आहूत चार दिवसीय मानसून सत्र महज डेढ़ दिन में ही निपट गया। इस सीमित सत्र में न तो प्रश्न काल हो पाया और न ही जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस हो पाई। हालांकि विपक्ष के भारी शोरगुल के बीच अनुपूरक बजट और नौ अध्यादेश पारित हो गए। मानसून सत्र निपटने के बाद से भाजपा और कांग्रेस में वाकयुद्ध तेज हो गया और दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर शब्दों के बाण छोड़ रहे हैं। गुरुवार को भी दोनों दलों के नेताओं ने प्रेस वार्ता कर एक-दूसरे पर निशाना साधा।

कांग्रेस के विधायकों ने सदन में ब्रांडेड कंबलों में भरे खर्राटे

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने तंज कसा है कि सदन में जनहित पर चर्चा के बजाय कांग्रेसी विधायकों को ब्रांडेड कंबलों में सदन के अंदर खर्राटे लेते सबने देखा है।

गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता में प्रवक्ता जोशी ने गैरसैंण सत्र में कांग्रेस पर असंवेदनशील और गैरजिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाते कहा कि, जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में मानसून सत्र बुलाया गया था जिसमें कई महत्वपूर्ण विधेयक भी पारित हुए। चर्चा के बजाए कांग्रेस विधायक हंगामा करते रहे।

उन्होंने कहा कि कोई भी इस पक्ष में नहीं होगा कि विधानसभा सत्र चर्चाहीन, हंगामेदार रहे और जिस उद्देश्य से जनता ने अपने प्रतिनिधि सदन में चुनकर भेजे हैं, वे जनहित के मुद्दे न उठाएं, लेकिन जिस तरह का हंगामा, तोड़फोड़, शोरशराबा, अभद्र भाषा का प्रयोग कांग्रेस विधायकों ने सदन में किया, वह दुर्भाग्यपूर्ण, असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा था।

विधायकों को तैयार करने में असफल रहे

प्रवक्ता जोशी ने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और वरिष्ठ विधायक प्रीतम सिंह के कार्यमंत्रणा समिति से इस्तीफे को उनकी नाकामी छिपाने की कोशिश बताते कहा कि, कार्यमंत्रणा बैठक में उनके द्वारा भी सत्र की कार्यवाही का एजेंडा निर्धारित किया गया था लेकिन उस पर चर्चा व सदन की व्यवस्था बनाने के लिए वह अपनी पार्टी के विधायकों को तैयार करने में असफल रहे। नाकामी को छिपाने के लिए वह अब इस्तीफे का ड्रामा कर रहे हैं। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान, सह मीडिया प्रभारी राजेंद्र नेगी, प्रदेश प्रवक्ता कमलेश रमन, मीडिया समन्वयक राजीव मौजूद रहे।

इन वजह से किया कांग्रेस ने सदन में हंगामा

जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शुरुआत से ही गैरसैण में सत्र कराने और उसमें सार्थक चर्चा के पक्ष में नहीं थी। उनका मकसद और रणनीति केवल हंगामा करना और मीडिया की सुर्खियां बटोरना रहा क्योंकि सत्र में धर्मांतरण विरोधी कानून, मदरसों के सुधार पर लाए जाने वाले कानूनों पर विरोध वाली उनकी राय जगजाहिर है। इन मुद्दों पर अपना सनातन विरोधी रवैया, उनका सदन में स्वीकारना असंभव था। यही वजह है कि उन्होंने हंगामा किया और अराजकता फैलाई। दूसरी वजह, पूर्व के चुनावों की तरह इस बार पंचायत चुनाव में भी कांग्रेस की करारी हार है, इस पराजय को स्वीकार करते हुए, सदन की चर्चा का सामना करना भी उनके लिए असंभव था। कहा कि, प्रदेश आपदा के दंश का साहस से सामना कर रहा है लेकिन विपक्ष का बेहद शर्मनाक और असंवेदनशील रवैया रहा, जिन्होंने इस पूरे विषय पर गंभीर चर्चा तक सदन में नहीं होने दी।

ज्वलंत सवालों से घबराई भाजपा सरकार मैदान छोड़कर भाग गई

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मात्र तीन दिनों के गैरसैंण सत्र में सरकार विपक्ष के द्वारा जन सरोकारों के मुद्दों को उठाए जाने से घबराकर सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दूसरे ही दिन गैरसैंण से उल्टे पांव भाग खड़ी हुई। यह आरोप उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने गुरुवार को प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में लगाए।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, तीन दिन का सत्र प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नाकाफी था, फिर पीठ द्वारा कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष की नियम 310 के अंतर्गत प्रदेश की ध्वस्त पड़ी कानून व्यवस्था और प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा पर बहस की मांग अग्राह्य करना सरकार की अक्षमता को दर्शाता है। धस्माना ने आरोप लगाया कि, पूरे राज्य में कानून व्यवस्था चौपट है, प्रदेश में पंचायत चुनावों में जिस तरह से नैनीताल में जहां उच्च न्यायालय है और वरिष्ठ न्यायाधीश रहते हैं और कमिश्नर, आईजी बैठते हैं, उनकी नाक के नीचे जिला पंचायत सदस्यों का हथियारबंद लोग अपहरण करते हैं और बेतालघाट में प्रमुख चुनावों में पुलिस के सामने गोलियां चलती हैं और दोनों मामलों में पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है, यह प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का सबसे बड़ा उदाहरण है।

दो मुद्दों पर थी चर्चा की मांग: कांग्रेस नेता धस्माना ने आरोप लगाते कहा कि, प्रदेश के हर हिस्से में महिलाओं के खिलाफ घटनाओं की बाढ़ आई हुई है और पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। राज्य के सभी पर्वतीय जिले भयंकर आपदा की चपेट में हैं। धराली, हर्षिल में अभी तक सरकार जान-माल की हानि का आकलन नहीं कर पाई है, बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। धराली बर्बाद हो गया है लेकिन आज की तारीख तक कोई भी केंद्रीय दल आपदा का जायजा लेने नहीं आया। राज्य के इन दो मुद्दों पर विपक्ष नियम 310 के तहत चर्चा की मांग कर रहा था किंतु सत्ताधारी दल जवाब देने की जगह अपना बोरिया बिस्तर बांध कर उल्टे पांव गैरसैंण से देहरादून भाग गया, जो निंदनीय है। आरोप लगाया कि आज भाजपा विधानसभा सत्र के स्थगन का आरोप कांग्रेस पर मढ़ने की कोशिश कर रही है जबकि पूरा देश-प्रदेश जानता है कि सदन को आहूत करने का अधिकार किसका होता है। कांग्रेस के विधायक मंडल दल ने सत्र की पहली रात विधानसभा में ही गुजारी इस उम्मीद से कि क्या पता रात को सरकार चर्चा कराने का मन बनाए किंतु सरकार अगले दिन ही बिना विपक्ष के अपने नौ बिल पास करवा कर देहरादून भाग गई। यह राज्य की जनता के साथ सरासर अन्याय है और इससे सरकार गैरसैण के प्रति गंभीरता भी पता चलती है।

महिला संबंधी अपराधों पर गंभीरता से हो कार्रवाई

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: एडीजी अपराध एवं कानून व्यवस्था वी. मुरुगेशन ने गुरुवार को नैनीताल पुलिस लाइन सभागार में कुमाऊं परिक्षेत्र के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न अपराधों की स्थिति, लंबित मामलों के खुलासे और गिरफ्तारी करने के सख्त निर्देश दिए। कुमाऊं रेंज के सभी जिलों में हाल ही में घटित अपराधों और उनकी विवेचना पर चर्चा की गई। एडीजी ने पुलिस कप्तानों को चेतावनी देते हुए कहा कि अपराधों के अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एडीजी ने विशेष रूप से महिला अपहरण व अन्य महिला संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की विवेचना संवेदनशीलता के साथ की जाए और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। चोरी और नकबजनी के मामलों में त्वरित निस्तारण करने तथा आरोपियों की शत-प्रतिशत गिरफ्तारी कर संपत्ति की बरामदगी पर जोर दिया। आर्म्स एक्ट के अंतर्गत सख्त कार्रवाई करने व अवैध हथियारों की सप्लाई चैन पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए। अवैध नशे की सप्लाई चेन को तोड़ना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी जिलों को सक्रिय रहते हुए एंट्री प्वॉइंट्स, बैरियरों और संदिग्ध स्थलों पर लगातार चेकिंग करने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों को बढ़ती चुनौती बताते हुए एडीजी ने 1930 हेल्पलाइन की कार्यक्षमता को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले बख्शे नहीं जाएंगे

बैठक में लंबित विवेचनाओं को समय पर पूरा करने, विवेचनात्मक कार्यवाहियों में पारदर्शिता लाने और विभागीय कार्यवाहियों को तय समयसीमा में निस्तारित करने के निर्देश दिए। कहा कि अज्ञात शवों की शिनाख्त के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए जनपद स्तर पर प्रभावी कार्ययोजना बनाकर तेजी से कार्रवाई की जाए। बैठक में आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल, एसएसपी नैनीताल प्रहलाद नारायण मीणा आदि मौजूद रहे। एडीजी अपराध एवं कानून वी मुरुगेशन ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि चुनावी माहौल में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। नैनीताल प्रकरण की जांच सीबीसीआईडी के माध्यम से कराई जा रही है। तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होगी।

बद्रीनाथ में जनांदोलन का मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

संवाददाता, चमोली

अमृत विचार: चमोली जिले में स्थित बद्रीनाथ में स्थानीय जनता के द्वारा चलाए जा रहे आन्दोलन को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गम्भीरता से लिया है तथा संबंधित अधिकारियों को इस मामले में तुरंत आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

बद्रीनाथ में मास्टर प्लान के संबंध में स्थानीय जनता की ओर से उठाई जा रही समस्याओं पर सीएम धामी ने संज्ञान लेते हुए आवास विभाग के प्रमुख सचिव एवं चमोली के जिलाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने शासन और जिला प्रशासन के समन्वय से हितधारकों से संवाद स्थापित कर आ रही समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। चमोली के जिलाधिकारी डॉ. संदीप तिवारी ने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में आगामी 29 अगस्त को देहरादून में हितधारकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गई है।

इस बैठक में प्रमुख सचिव आवास, जिलाधिकारी चमोली सहित विभिन्न हितधारक और संबंधित पक्ष सम्मिलित होंगे। बैठक का उद्देश्य हितधारकों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन एवं सुझावों पर सकारात्मक विचार-विमर्श करना और जनहित में निर्णय लेना है।

स्पीड पोस्ट से मिलेगा बदरी-केदार का प्रसाद

चमोली: आस्था के धाम बदरीनाथ व केदारनाथ का प्रसाद श्रद्धालुओं को उनके घर तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से भी मिल सकेगा। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने औपचारिक रूप से एमओयू के तहत स्पीड पोस्ट से श्रद्धालुओं को प्रसाद भेजने की सेवा शुरू कर दी है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने गुरुवार को भगवान बदरी विशाल व भगवान केदारनाथ के प्रसाद के पैकेट भारतीय पोस्ट आफिस उप मंडल अधिकारियों को सौंपे। बताया कि श्रद्धालुओं को धामों का प्रसाद पहुंचना सुनिश्चित करने के लिए बीकेटीसी ने डाक विभाग के साथ अनुबंध किया है। पोस्ट आफिस के प्रतिनिधि बीकेटीसी के केनाल रोड कार्यालय से प्रसाद के पैकेट स्पीड पोस्ट हेतु प्राप्त करेंगे।

उत्तरकाशी में आपदा का प्रकोप, यमुना में बनी झील

संवाददाता, उत्तरकाशी

बैठक करते सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन।

अमृत विचार: उत्तरकाशी जिले में आपदा का प्रकोप रुकने में नहीं आ रहा। गुरुवार को तहसील बड़कोट के अंतर्गत, स्यानाचट्टी के पास शाम को गढ़गाड़ नाले से अधिक मलबा और पानी आने के कारण यमुना नदी में झील बन गई। सड़क से नीचे की ओर सभी होटलो और घरों में जलभराव हो गया। पुल के ऊपर तक पानी भर गया है। सभी घरों को खाली करवा दिया गया है। साथ ही, वहां से 150 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि यमुनोत्री हाईवे पर स्थित इस स्थान पर नदी में गढ़गाड़ नाला से बड़े बोल्डर, मलबा और पानी आने से यह हालात उत्पन्न हुए हैं।

- **यमुना में नाले से आया भारी मलबा, होटल, घरों में घुसा पानी**

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, फायर सर्विस, सिंचाई विभाग, राजस्व टीम सहित उप जिलाधिकारी, बड़कोट मौके पर मौजूद है। ग्राम ओजरी, पूजारगांव, पाली गांव, खरादी, कुथनोर और स्यानाचट्टी ग्रामों को अलर्ट कर दिया गया है।

उधर, मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए पिथौरागढ़ में शुक्रवार के लिए अलर्ट घोषित किया गया है। अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि इस दिन राज्य के कुछ हिस्सों खासकर पिथौरागढ़ में भारी बारिश, जलभराव के साथ ही बाढ़ के खतरे का पूर्वानुमान जारी किया गया है। जिले में अलर्ट घोषित कर अधिकारियों से प्रत्येक स्तर पर तत्परता बनाये रखने और किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

आपदा में मृत्यु होने के 72 घंटे में मिलेगी आर्थिक सहायता

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपदों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आपदा के दौरान किसी भी व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात अनुग्रह राशि का वितरण 72 घंटे में प्रभावित परिवार/मृतक आश्रित को अनिवार्य रूप से कर दिया जाए। इसमें किसी भी प्रकार देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि मृतक की शिनाख्त या अन्य किसी कारण से कुछ विलंब हो रहा हो तो एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से अनुग्रह राशि मृतक के आश्रित को हर हाल में उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। गुरुवार को सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री के इन निर्देशों से अवगत कराया। उन्होंने जनहानि, पशुहानि, भवनों को हुई क्षति के अलावा आपदा प्रभावितों को वितरित धनराशि की जानकारी लेते कहा कि अहेतुक सहायता वितरण में बिल्कुल भी विलंब न किया जाए। उन्होंने बताया कि, जल्द ही भारत सरकार की सात सदस्यीय टीम प्रदेश में अतिवृष्टि तथा आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए आने वाली है।

30 तक बीमा सुनिश्चित करें

पिथौरागढ़: पिथौरागढ़ में संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में डीडीएम नाबार्ड, मुख्य कृषि अधिकारी व बैंकों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि बैंकर्स 30 अगस्त तक बीमा की अंतिम तिथि के अंतर्गत किसानों की धान एवं मंडुवा की फसलों का अनिवार्य रूप से बीमा सुनिश्चित करें। उन्होंने बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की।

गंगा कॉरिडोर में भूमिगत होंगी एचटी-एलटी लाइनें

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: केंद्र सरकार ने यूपीसीएल, उत्तराखंड द्वारा ऋषिकेश के गंगा कॉरिडोर में एचटी/एलटी लाइनों के भूमिगतकरण एवं एससीएडीए ऑटोमेशन हेतु कुल परियोजना लागत 547.73 करोड़ (समानांतर जीबीएस 493.05 करोड़ सहित) तथा पीएमए शुल्क 1.5 प्रतिशत परियोजना लागत (8.22 करोड़, जिसमें जीबीएस 7.39 करोड़) के साथ योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस परियोजना के अंतर्गत ऋषिकेश के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एचटी/एलटी विद्युत लाइनों को भूमिगत किया जाएगा, साथ ही स्काडा ऑटोमेशन प्रणाली भी लागू की जाएगी।

सीएम ने ऋषिकेश के गंगा कॉरिडोर क्षेत्र में विद्युत लाइनों के भूमिगतकरण एवं ऑटोमेशन के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 547.73 करोड़ रुपये की परियोजना को अनुमोदित किए जाने पर प्रधानमंत्री व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

खनन सचिव हाईकोर्ट में तलब

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने ऊधमसिंह नगर के खनन अधिकारी द्वारा काशीपुर के ग्राम दभोड़ा के किसान दुनी चंद पर अवैध खनन के आरोप में 1.91 करोड़ के जुर्माने को माफ करने संबंधी याचिका पर सुनवाई की।

सुनवाई पर जिला खनन अधिकारी, सीडीओ व तहसीलदार के जवाब से सन्तुष्ट न होकर कोर्ट ने सचिव खनन को सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से पेश होने को कहा है। अब सुनवाई सोमवार को होगी। वहीं, कोर्ट मामले में सुनवाई के दौरान समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लेते कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था क्यों चरमरा गई है। हाल के एक सप्ताह में पहले पंचायत सदस्यों का अपहरण, चुनाव के दिन गोलीकांड, ऊधमसिंह नगर में चुनाव को लेकर गोलीकांड और अब काशीपुर में कक्षा नौ के छात्र ने शिक्षक को गोली मार दी, जो शॉकिंग है।

बार काउंसिल ने समितियों का गठन किया

नैनीताल: बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने उत्तराखंड बार काउंसिल के सुचारू संचालन और प्रभावी प्रशासन के लिए नई समितियों का गठन किया है। इन समितियों का कार्यकाल 15 नवम्बर तक होगा। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए आदेश के अनुसार, ये समितियां अधिवक्ताओं के सत्यापन प्रक्रिया की कड़ी निगरानी करेंगी और बार काउंसिल ऑफ इंडिया वेरिफिकेशन रूल्स, 2015 के नियम 32 के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि काउंसिल आवश्यकता पड़ने पर इन समितियों को संशोधित, भंग अथवा पुनर्गठित कर सकती है।

भराड़ीसैंण में चाय की चुस्की : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार प्रात : काल भ्रमण के दौरान भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में चंद्र सिंह नेगी के प्रतिष्ठान पर चाय की चुस्कियों का आनन्द लिया। इस दौरान जनता से सरकार द्वारा संचालित विकासपरक और जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक भी लिया।

अच्छी खबर

केंद्र और राज्य सरकार की उत्तराखंड के किसानों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की पहल

गढ़वाली सेब की पहली खेप देहरादून से दुबई रवाना

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: देश से कृषि निर्यात बढ़ाने के प्रयास में भारत ने पहली बार देहरादून से दुबई के लिए गढ़वाली सेब (किंग रोट किस्म) की परीक्षण खेप भेजी है। केंद्रीय वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने गुरुवार को देहरादून से दुबई के लिए 1.2 टन गढ़वाली सेब की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई।

गढ़वाली सेब का अवलोकन करते वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल व अधिकारी। ● अमृत विचार

इसका संचालन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने किया। इस परीक्षण से प्राप्त अनुभव, शीत श्रृंखला प्रबंधन, फसल-उपरांत संचालन तथा लॉजिस्टिक ढांचे को और बेहतर बनाने में मदद करेंगे। एपीडा और उत्तराखंड सरकार के संयुक्त प्रयासों से अधिक किसानों के समूह लाभान्वित होंगे तथा आने वाले वर्षों में निर्यात गंतव्य दक्षिण-पूर्व एशिया और यूरोप तक भी विस्तारित होने की संभावना है। दरअसल, इन सेबों की विशिष्टता के बावजूद, उत्पादकों को बुनियादी ढांचे, संपर्क और कटाई के बाद की रखरखाव की सीमाओं के कारण अक्सर लाभदायक अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिसे समझते हुए एपीडा स्थायी निर्यात मार्ग बनाने का काम कर रहा है।

दून में बनेगा क्षेत्रीय कार्यालय : प्राधिकरण ने उत्पादकों को अच्छी कृषि पद्धतियों (जीएपी), अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के पालन और कटाई-पश्चात प्रबंधन तकनीकों के प्रति संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। एपीडा किसानों और निर्यातकों को बेहतर सहायता प्रदान करने के लिए देहरादून में क्षेत्रीय कार्यालय बनाने पर भी काम कर रहा है। एपीडा उत्तराखंड-विशिष्ट उत्पादों के लिए जैविक प्रमाणीकरण और जीआई टैगिंग की सुविधा दे रहा है ताकि वैश्विक बाजारों में उनकी पहचान, पता लगाने की क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाई जा सके। सचिव बर्थवाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार जैविक खेती और जैविक निर्यात को बढ़ावा देकर, कृषि उत्पादों में मूल्यवर्धन और विकसित एवं उच्च मूल्य वाले बाजारों में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। इस दौरान एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव, अपर सचिव झरना कमठान, निदेशक डॉ. नृपेंद्र चौहान मौजूद रहे।

नहीं रहे खगोल वैज्ञानिक प्रो. कपूर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने में अहम योगदान देने वाले प्रसिद्ध खगोलशास्त्री प्रो. रमेश चन्द्र कपूर (76) नहीं रहे। गुरुवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से अस्वस्थ थे।

प्रो. कपूर वर्ष 1971-74 के बीच एरीज, नैनीताल (तत्कालीन उत्तर प्रदेश ऑब्जर्वेटरी) में रहे। एरीज के अलावा उन्होंने भारतीय तारा भौतिकी संस्थान, बंगलुरू में सेवाएं दीं। उन्होंने एरीज से ब्रह्मांड के अध्ययन का सफर शुरू किया और संपूर्ण जीवन खगोल विज्ञान के प्रति समर्पित रहा। वर्ष 1974 से 2010 तक सापेक्षतावादी खगोल भौतिकी, ब्लैक होल, व्हाइट होल, क्वासर और पल्सर आदि में महत्वपूर्ण अध्ययन कर खगोलीय रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने जीवन का महत्वपूर्ण समय खगोल विज्ञान के अध्ययन में लगाया, जो उन्होंने भारतीय तारा भौतिकी संस्थान, बंगलुरू को दिया। सूर्यग्रहण अभियानों में पर्यवेक्षक और आयोजक के रूप में अनेकों बार अहम भागीदारी निभाई। भारतीय मान्यताओं के ग्रह नक्षत्रों के बीच के संबंधों पर कई अध्ययन किए। महाभारत के दौरान ग्रहण की मान्यताओं पर रिसर्च की। साथ ही, गुरुनानक देव और खगोल विज्ञान पर भी उन्होंने रिसर्च की। इनके अलावा मुगलकालीन खगोल विज्ञान पर भी अध्ययन किया। धूमकेतुओं के दर्शन और उनकी वास्तविकता पर प्रकाश डाला। भारतीय चिकित्सा पद्धति पर भी अध्ययन किया।

18वीं सदी में स्ट्रीट स्टार गेजिंग की शुरुआत

प्रो. कपूर इन दिनों प्राचीन यूरोपियन एस्ट्रोटूरिज्म पर रिसर्च कर रहे थे। कुछ दिन पहले उन्होंने बताया था कि यूरोपीय देशों में लगभग 18वीं सदी में स्ट्रीट स्टार गेजिंग की शुरुआत हुई थी। तब वहां छोटी दूरबीन लेकर यूरोपियन शौकिया विज्ञानी लोगों को ग्रह नक्षत्रों को दिखाया करते थे। वह कहते थे कि खगोल विज्ञान के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है जिसके चलते वह देश-विदेश में होने वाले खगोल विज्ञान कार्यक्रमों में भाग लेते थे। उनके आकस्मिक निधन को विज्ञान जगत के लिए अपूर्णीय क्षति बताते हुए एरीज के निदेशक डॉ. मनीष नाजा, पूर्व निदेशक प्रो. दीपांकर बनर्जी व डॉ. वहबाउद्दीन, डॉ. शशिभूषण पांडेय, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. बृजेश कुमार, डॉ. नरेंद्र सिंह, रवैल सिंह, डॉ. वीरेंद्र यादव, डॉ. सौरव श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, मोहित जोशी ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

प्रो. रमेश चन्द्र कपूर। (फाइल)

सिटी ब्रीफ

गौलापार नृशंस हत्याकांड : सांसद ने गृहमंत्री को लिखा पत्र

हल्द्वानी : गौलापार में हुए 10 वर्षीय किशोर की नृशंस हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब इस मामले में परिवार को न्याय दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश के आंवला सांसद नीरज मौर्य आगे आए हैं। बता दें कि पिछले दिनों बरेली शाही थाना क्षेत्र के अमर गांव निवासी 10 साल के किशोर की हत्या सिर और हाथ काट कर काठगोदाम में की गई थी। इस निर्मम हत्या के विरोध में जनता में काफी रोष रहा। पीड़ित परिवार का कहना है कि उसके बच्चे की हत्या बलि देने के लिए की गई है, जो इस पूरे मामले को और भी ज्यादा गंभीर बनता है। पीड़ित को इंसाफ दिलाने के लिए आंवला सांसद नीरज मौर्य ने भारत सरकार के गृहमंत्री को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की गंभीरता को दर्शाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है।

जिपं चुनाव की मतदान और मतगणना प्रक्रिया की सीसीटीवी फुटेज व वीडियो रिकॉर्डिंग का अवलोकन किया

अधिवक्ताओं की समिति ने जांची चुनाव प्रक्रिया की हकीकत

संवाददाता, नैनीताल

- आज हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ को वस्तुस्थिति से अवगत कराएगी आठ सदस्यीय समिति

अमृत विचारः उत्तराखंड उच्च न्यायालय के निर्देश पर गुरुवार को अधिवक्ताओं की आठ सदस्यीय समिति ने जिला पंचायत चुनाव के दौरान हुई मतदान और मतगणना प्रक्रिया की सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकार्डिंग का अवलोकन किया। कमेटी आज उच्च न्यायालय को वस्तुस्थिति से अवगत कराएगी।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र की अगुवाई वाली पीठ ने कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्य पूनम बिष्ट की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए बीते बुधवार को अधिवक्ताओं की एक कमेटी का गठन किया था। याचिकाकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया था कि मतपत्र में छेड़छाड़ की गयी है इसलिए अदालत को मतगणना प्रक्रिया का अवलोकन कर वस्तुस्थिति सामने लानी चाहिए। इसके बाद खंडपीठ ने आठ सदस्यीय समिति का गठन किया था। गुरुवार को अपर महाधिवक्ता अमरेन्द्र प्रताप सिंह, उप महाधिवक्ता जेएस विर्क और अपर महाधिवक्ता राजीव सिंह बिष्ट के साथ ही याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता एएस रावत,

जिलाधिकारी कार्यालय में वीडियो रूम में जाते प्रत्याशी और हाईकोर्ट की कमेटी।

अधिवक्ता डीएस पाटनी और त्रिभुवन फत्र्याल के साथ राज्य निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता संजय भट्ट और जिला पंचायत अध्यक्ष के दोनों प्रत्याशियों की ओर से मतदान और मतगणना की पूरी प्रक्रिया की सीसीटीवी और वीडियो रिकार्डिंग का परीक्षण किया गया। सुबह 11 बजे से यह प्रक्रिया शुरू हुई और दोपहर लगभग ढाई बजे तक चली। समिति अब खंडपीठ में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। हालांकि जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर नवनिर्वाचित उम्मीदवार दीपा दरम्वाल ने साफ कहा कि वह पूरी वीडियो रिकार्डिंग को देखने के चुनाव प्रक्रिया से संतुष्ट हैं।

गौरतलब है कि नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव पिछले 14 अगस्त से ही चर्चाओं में बना हुआ है। विगत 14 अगस्त को मतदान के दिन यहां कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी समर्थकों में कथित रूप से झड़प और मारपीट की घटना सामने आयी थी। यह भी आरोप लगाया गया कि भाजपा समर्थकों की ओर से पांच कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्यों का अपहरण कर लिया गया। हालांकि बाद में ये सभी सदस्य सामने आये और उन्होंने इस आरोप को गलत ठहराया।

इसी बीच मामला उच्च न्यायालय पहुंच गया था। उच्च न्यायालय ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका दायर कर ली थी। हालांकि अदालत ने साफ कर दिया था कि वह कानून व्यवस्था की स्थिति पर सुनवाई करेगी न कि चुनाव प्रक्रिया पर। इसके बाद जिला पंचायत सदस्य पूनम बिष्ट उच्च न्यायालय पहुंच गईं और पुनर्मतदान को लेकर याचिका दायर की गयी। इसके बाद याचिकाकर्ता की ओर से 20 अगस्त को एक प्रार्थना पत्र देकर मतपत्रों में छेड़छाड़ का संगीन आरोप लगाया गया था।

शिविर में विवाह पंजीकृत कराए

हल्द्वानीः यूसीसी के तहत अब विवाह पंजीकरण अनिवार्य है और इसके प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए अब सरकारी विभागों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। खास बात यह है कि पंजीकरण निशुल्क है और बुधवार को तहसील परिसर में नगर निगम ने शिविर का आयोजन किया। शिविर में बड़ी संख्या में आम लोगों के साथ तहसील कर्मियों और अधिकारियों ने विवाह का पंजीकरण कराया।

नगर निगम हल्द्वानी काठगोदाम ने समान नागरिक संहिता कानून के विवाह पंजीकरण का विशेष शिविर नगर निगम हल्द्वानी के अंतर्गत आने वाले समस्त सरकारी कार्यालयों में प्रारंभ किया है। नगर आयुक्त ॠचा सिंह ने बताया कि अब तक लगभग 8820 पंजीकरण कराए जा चुके हैं।

दमुवाढूंगावासियों को मिलेगा भूमि का मालिकाना हक

लागू की गई धारा 48, राजस्व ग्राम घोषित होने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम, लोगों ने इस निर्णय का किया स्वागत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः दमुवाढूंगा में राजस्व विभाग की ओर से धारा 48 लागू कर दी गई है। इसके बाद यहां पर जमीन के अभिलेख बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इससे दमुवाढूंगा के वार्ड 35 से 37 तक के लोगों को राहत मिली है।

दमुवाढूंगा को अब नगर निगम में शामिल कर दिया गया है। इस क्षेत्र को लंबे समय से राजस्व ग्राम घोषित किए जाने की मांग उठ रही है। पूर्व में साल 2016 में इस क्षेत्र को राजस्व ग्राम घोषित कर दिया गया था लेकिन बाद में लेखपाल की रिपोर्ट के बाद कहा गया है कि यह क्षेत्र काफी घनी बस्ती है। इसलिए यहां पर सर्वे और सीमांकन का काम नहीं हो सकता है। इसके बाद मामला फिर से अटक गया। कोविड-19 महामारी काल बीतने के बाद यह मामला फिर से तेजी के साथ उठा। इधर पिछले दिनों प्रशासन ने दमुवाढूंगा क्षेत्र में कई जगह खाली पड़ी जमीनों पर कब्जे के बोर्ड लगा दिए। इससे लोगों में भय पैदा हुआ कि यहां गैर राजस्व भूमि पर सरकार कब्जा कर रही है। आबादी की बात करें तो दमुवाढूंगा के तीन वार्डों में 20 से 25 हजार की आबादी रहती है। यहां दमुवाढूंगा बंदोबस्ती भी क्षेत्र है जो राजस्व इलाका है। इसके अलावा कुमाऊं कॉलोनी, जवाहर ज्योली, मित्रपुरम, मल्ला प्लॉट आदि क्षेत्र गैर राजस्व भूमि है। अब 21 अगस्त को शासन ने जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा में धारा 48 की अधिसूचना जारी कर दी है। क्षेत्रवासियों को अब उजाड़ जाने का डर भी समाप्त हो गया है। धारा 48 की अधिसूचना लागू होने का स्वागत स्थानीय लोगों ने किया है। वार्ड 37 की पार्षद विद्या देवी और 36 की पार्षद तनुजा जोशी के अलावा हृदयेश कुमार, महेश जोशी ने आदि इस निर्णय पर खुशी जताई है।

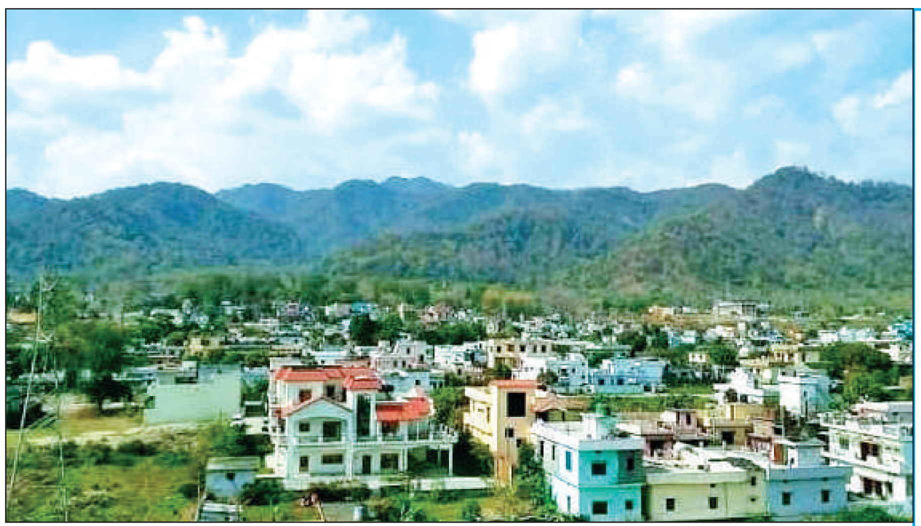

हल्द्वानी का ढमवाढूंगा क्षेत्र। ● अमृत विचार

जिलाधिकारी ने अप्रैल में भेजा था प्रस्ताव

हल्द्वानी : जिलाधिकारी वंदना ने 29 अप्रैल 2025 को शासन को भेजे प्रस्ताव में उल्लेख किया गया था कि इस क्षेत्र के निवासियों को भूमि का अधिकार उपलब्ध कराने और रिक्त भूमि को शासकीय प्रयोजन के लिए उपयोग करने के लिए सर्वेक्षण एवं अभिलेख क्रियाएं आवश्यक हैं। इस प्रस्ताव पर शासन ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के निर्देशों पर मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 484/2024 के अंतर्गत अनुमोदित किया। इसके बाद राजस्व परिषद ने 29 अप्रैल को अधिसूचना के लिए अभिलेख मांगे थे, जिन्हें जिलाधिकारी नैनीताल ने 28 जून 2025 को उपलब्ध करा दिया था। अधिसूचना जारी होने के साथ ही शीघ्र ही सर्वेक्षण और रिकॉर्ड ऑपरेशन की वास्तविक प्रक्रिया प्रारम्भ होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र के निवासियों को भूमि स्वामित्व के कानूनी अधिकार मिलेंगे और शासकीय योजनाओं के लिए भूमि का सुव्यवस्थित उपयोग संभव हो सकेगा। अधिक आबादी के कारण मैनुअल विधि/चैन पद्धति से भू-सर्वेक्षण की असंभवता के कारण रोक दिया गया था। अब इसको डीजीपीएस, सीओआरएस स्टेशन, इलेक्ट्रॉनिक टोटल स्टेशन, डिजिटल लेवलिंग मशीन, ड्रोन या एयरबोर्न आधारित आरओआर सर्वे का उपयोग किया जाएगा। इन तकनीकों से तैयार मानचित्र के आधार पर बंदोबस्ती विभाग द्वारा ग्राम के अभिलेख तैयार किए जाएंगे।

सरकार ने लोगों के नौ साल खराब किएः बल्यूटिया

हल्द्वानी : कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने साल 2016 में ही दमुवाढूंगा के लोगों को मालिकाना हक देने की घोषणा कर दी थी। हालांकि बाद में भाजपा सरकार ने इस पर रोक लगा दी। कहा कि हम उनके फैसले के खिलाफ न्यायालय गए। शुक्रवार को हाईकोर्ट में तारीख है, उससे पहले ही इस अधिसूचना को जारी किया गया। सरकार जानती थी कि न्यायालय में उसका पक्ष में कमजोर है। सरकार ने यहां के लोगों के नौ साल खराब कर दिए हैं। कहा कि मेरा सरकार और प्रशासन से अभी भी सवाल है कि दमुवाढूंगा में जो लाल निशान और बोर्ड लगाए गए वह प्रशासन ने क्यों लगाए।

वर्षों से मांग उठा रहे हैं दमुवाढूंगा के लोग

हल्द्वानी : दमुवाढूंगा में बसावट की बात करें तो यहां लोगों के साल 1950 से बसे होने के प्रमाण मिलते हैं। दमुवाढूंगा में गैर राजस्व क्षेत्र में साल 2000 तक सड़कें भी नहीं थीं। अलबत्ता को लोगों को पानी और बिजली के कनेक्शन मिले हुए थे। बाद में कांग्रेस की सरकार में दमुवाढूंगा का साल 2002 से 2007 तक अच्छा विकास हुआ। इसके बाद साल 2015 में दमुवाढूंगा को नगर निगम में शामिल कर दिया गया। दमुवाढूंगा अगर पूरी तरह से राजस्व ग्राम बन जाए तो यहां सरकार की कई योजनाओं पर काम हो सकता है। साथ ही यहां पर नियोजित विकास भी हो सकता है।

क्या है धारा -48

हल्द्वानी : अधिकारियों के अनुसार जब किसी क्षेत्र को राजस्व क्षेत्र के रूप में गठित किया जाता है तब भू अभिलेख (खतौनी) तैयार करने होते हैं। ऐसे में धारा-48 का प्रकाशन करना होता है। इसके बाद समूचे क्षेत्र का नक्शा बनाया जाएगा व लैंड रिकॉर्ड तैयार होगा। लोगों के कब्जे के आधार पर भूमि का रिकॉर्ड, फिर सरकारी प्रयोजन के लिए जितनी भूमि चाहिए उसको चिन्हित कर श्रेणीवार विभाजित किया जाएगा। फाइनल रिकॉर्ड तैयार होगा और मालिकाना हक मिलेगा।

पत्रकारों से वार्ता करते परिजन और पहाड़ी आर्मी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

ज्योति केसः खुलासे को बताया नाटकीय एपिसोड

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गौलापार नृशंस हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा भले ही कर दिया, लेकिन वह अपनी जांच का भरोसा नहीं दिला सकी। अब योगा ट्रेनर ज्योति मेर हत्याकांड को भी ज्योति के परिजनों और पहाड़ी आर्मी ने कटघरे में खड़ा कर दिया है। इस खुलासे को परिजनों ने नाटकीय एपिसोड करार दिया और कहा कि उनकी बेटी के चरित्र पर लांछन लगाकर पुलिस जनता का आक्रोश कम करना चाहती है। परिजनों ने पूरे मामले की एसआईटी जांच की मांग की है।

ज्योति मेर। (फाइल)

मामले में पत्रकारों से मुखातिब हुईं ज्योति मेर की मां दीपा मेर का कहना था कि पुलिस का खुलासा एक नाटकीय एपीसोड नजर आ रहा है। इस खुलासे से वह संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मेरी बेटी के चरित्र के पर लांछन लगाकर पुलिस ने जनता के आक्रोश को शांत करने का काम किया है। जबकि पूरे प्रकरण में शामिल अभय यदुवंशी के अलावा अजय यदुवंशी, शालिनी यदुवंशी और गुरमीत नाम के व्यक्तियों पर भी पुलिस कार्रवाई करें। पुलिस उन्हें क्यों बचाना चाहती है। उनको भी जेल के सलाखों के पीछे डालना होगा। इसके लिए उन्होंने एसआईटी जांच की मांग की, जिससे सारे पहलुओं पर जांच होगी और दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

पहाड़ी आर्मी के अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि जिस प्रकार से पुलिस ने सिर्फ एक दो प्वॉइंट पर फोकस करके हत्या का खुलासा किया है, वह वास्तव में अचंभित करने वाला है। इस हत्याकांड की गहराई से जांच की जाए तो इसमें कई रसूखदारों के होने की आशंका है। खुलासे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में की एक ही बिंदु पर बात हुई, जबकि जांच में अलग-अलग बातें निकल के सामने आ रही हैं। इस दौरान ज्योति मेर के परिजन हेमंत मेर, नवीन सिंह बिष्ट, आनद सिंह मेर, बलवंत सिंह बिष्ट, कविता जीना व पहाड़ी आर्मी के नगर अध्यक्ष भुवन पाण्डेय मौजूद रहे।

पुलिस के खुलासे पर परिजनों के सवाल

1 यदि हत्यारा अभय यदुवंशी उर्फ राजा की अपने बड़े भाई से लड़ाई हुई, उसका खाना-खर्चा बंद किया तो उसको ज्योति से नाराजगी क्यों?

2 यदि अजय यदुवंशी और ज्योति मेर के अवैध संबंध थे तो अजय यदुवंशी की पत्नी क्यों चुप थी? क्या इस मर्डर केस में वह शामिल नहीं होगी?

3 यदि अभय को अजय खर्चा नहीं दे रहा था तो इसमें ज्योति को मारने का क्या लाजिक है?

4 यदि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ज्योति मेर की मृत्यु सिर के अंदर रक्तस्राव से हुआ है, जबकि पुलिस ने अपने खुलासे सिर्फ दुपट्टे से गला दबाने की बात कही, आखिर उसने किस हथियार से वार किया, क्या वो बरामद हुआ?

5 22 दिनों से अपराधी फरार रहा, आखिर उसकी मदद कौन कर रहा था?

6 यदि मुख्य आरोपी नेपाल भाग गया था तो वापस नगला क्यों आ गया, जैसा पुलिस ने अपने खुलासे में कहा कि नगला से पकड़ा गया?

7 क्या पुलिस सिर्फ लड़की के चरित्र पर अंगुली उठाकर जनता के आक्रोश को दबाना चाहती है और लीपापोती कर केस को ढीला करना चाहती है?

हत्या के प्रयास में तीन आरोपी अदालत से बरी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हल्द्वानी की अदालत ने बुधवार को एक हत्या के प्रयास के मामले में तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।

मामला 17 अप्रैल 2019 का है, जब बनभूलपुरा पुलिस ने ललित सिंह रौतेला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था। उसने आरोप लगाया था कि मोटरसाइकिल सवार कुछ युवकों ने उस पर तमंचे से गोली चलाने की कोशिश की। इस मामले में अशोक गंगवार, चंदन सिंह उर्फ देव सिंह और आनंद राम उर्फ के खिलाफ धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 11 गवाह पेश किए। कई चश्मदीद गवाहों ने आरोपियों की मौजूदगी और हमले की बात कही, लेकिन जिरह में उनके बयान बदलते रहे। कुछ गवाहों ने खुद घटना देखने से इंकार कर दिया, जबकि कुछ ने पुलिस के तथ्यों से सहमति नहीं जताई। अदालत ने पाया कि घटना से जुड़ी तहरीर और गवाहों के बयान परस्पर विरोधाभासी हैं। अदालत ने कहा कि यह साबित नहीं हो सका कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता पर जानलेवा हमला किया था। न्यायाधीश सुजीत कुमार ने आदेश दिया कि सभी आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त किया जाता है।

हल्द्वानी-सितारगंज मार्ग पांच घंटे रहा बंद

हल्द्वानीः बारिश की वजह से गौलपार में शेरनाला उफान पर आ गया। गुरुवार की सुबह चोरगलिया में शेरनाला उफान पर आ गया। जिस कारण हल्द्वानी-सितारगंज नेशनल हाईवे पर यातायात ठप हो गया। नाला बंद होने की वजह से जिन लोगों को हल्द्वानी से सितारगंज, चोरगलिया, टनकपुर आदि जगह जाना था, वह लोग यहां पर ही फंस गए। पांच घंटे बाद हाईवे यातायात के लिए खुला। एसओ चोरगलिया राजेश जोशी ने बताया कि गुरुवार सुबह चार बजे के करीब शेरनाला उफान पर आ गया। इसके अलावा गर्जिया से बेतालघाट, रामनगर से अमगढ़ी और भुजान से बेतालघाट का मार्ग बंद हो गए थे। इन मार्गों को जेसीबी की मदद से शाम तक खोल दिया गया।

कलह से आजिज वृद्ध दंपती ने खाया जहर, पत्नी की मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- मंगलवार दोपहर सास-बहू के बीच कहासुनी की बात आ रही सामने
- वृद्धा की उपचार के दौरान हुई मौत, पति की हालत नाजुक

अमृत विचार : गौलापार में पारिवारिक कलह से आजिज आकर वृद्ध दंपति ने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर उन्हें फौरन डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। जबकि उसके पति की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

चोरगलिया थानाक्षेत्र के लखनपुर दौलतपुर गौलापार निवासी हरिदत्त पांडे (71 वर्ष) पुत्र बद्रीदत्त यहां अपनी 64 वर्षीय पत्नी मुन्नी देवी, बेटे नवीन, बहू हेमा, 9 व 15 वर्षीय दो नाती के साथ रहते हैं। बेटे नवीन के मुताबिक, बुधवार दोपहर उनकी मां मुन्नी अपने नातियों के साथ हंसी-ठिठोली कर रहीं थी। तभी पत्नी हेमा खेत से लौटी। मां ने बहू हेमा से भी हंसी-ठिठोली। इस बीच कुछ ऐसा हुआ कि दोनों में तकरार हो गई। यह बात मुन्नी ने अपनी पति हरिदत्त को बताई और शाम करीब साढ़े 7 बजे दोनों जहर खा लिया। हालत बिगड़ी तो जहर खाने का पता लगा। परिजन आनन-फानन में दोनों को डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां रात करीब 9 बजे मुन्नी की मौत हो गई।

नवीन ने बताया कि पिता हरिदत्त की हालत नाजुक बनी हुई है और वह आईसीयू में हैं। चोरगलिया थानाध्यक्ष राजेश जोशी का कहना है कि घटना के पीछे पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। मामले की जांच की जा रही है। नवीन ने बताया कि वह मूलरूप से अमृतपुर जमरानी के रहने वाले हैं। बड़ा भाई रमेश पांडे यहां परिवार के साथ रहता है।

अपहरण प्रकरण में आधा दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

संवाददाता, नैनीताल

- जिपं सदस्यों के अपरण का मामला, दो निलंबित किए

अमृत विचारः जिला पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव के दौरान पांच सदस्यों के अपहरण प्रकरण में पुलिस विभाग पर बड़ी कार्रवाई हुई है। मामले में आधा दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मियों पर गाज गिरी है। चुनाव की पूर्व रात्रि में लापरवाही बरतने पर एएसआई उदय सिंह राणा को निलंबित कर दिया गया है।

वहीं, सीओ प्रमोद साह का आईआरबी देहरादून और तल्लीताल एसओ रमेश सिंह बोहरा का अल्मोड़ा तबादला कर दिया गया है। इसके अलावा बवाल के दौरान मूकदर्शक बने कांस्टेबल अमित चौहान को भी निलंबित कर दिया गया है। जिला पंचायत रोड पर ड्यूटी दे रहे एक कांस्टेबल, एक महिला कांस्टेबल और एक अग्निशमन कर्मी को लाइन हाजिर किया गया है।

मौके पर तैनात पीएसी कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्यालय को पत्राचार किया गया है। एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया कि चुनाव के दौरान बिगड़ी कानून व्यवस्था से विभाग की छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी ने बताया कि तल्लीताल थाने में अब तक छह मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। आरोपितों की पहचान के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं और वीडियो फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रेनकोट गैंग हो या किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ा व्यक्ति, दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी के पास घटना से संबंधित वीडियो या अन्य साक्ष्य हों तो उसे तत्काल उपलब्ध कराएं।

लापरवाही

बहुद्देश्यीय नमो भवन के लिए रोडवेज समेत चार सरकारी दफ्तरों की शिफ्टिंग है प्रस्तावित

अभी कागजों में ही दौड़ रही रोडवेज स्टेशन की शिफ्टिंग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : रोडवेज स्टेशन को ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्ट करने का प्रस्ताव पिछले ढाई वर्षों से कागजों में ही दौड़ रहा है। अभी तक रोडवेज की शिफ्टिंग शुरू नहीं हो सकी है जबकि तहसील, कोषागार, निबंधन कार्यालय भी शिफ्ट होना है। जब तक इन कार्यालयों की शिफ्टिंग नहीं होती है तब तक नमो भवन प्रोजेक्ट भी आगे नहीं बढ़ सकेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2021 में हल्द्वानी को 2200 करोड़ से स्मार्ट सिटी की सौगात दी थी। इसी के अंतर्गत तहसील, बस अड्डा, कोषागार व निबंधन कार्यालय को मिलाकर एक बहुद्देश्यीय नमो भवन का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए प्रशासन ने लगभग ढाई वर्ष पूर्व टीपी नगर में 1.23 एकड़ भूमि को अस्थायी बस अड्डे के लिए चयनित किया गया था। इस भूमि पर नगर निगम के कूड़ा वाहन खड़े होते हैं। इस पर नगर निगम से एनओसी मांगी गई थी। साथ ही टीपी नगर प्रशासन से भी अनुमति मांगी गई थी। इधर, टीपी नगर प्रशासन ने अस्थायी बस अड्डे के लिए भूमि देने के लिए किराए की मांग की थी। जिसके बाद रोडवेज की ओर से यह प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। इस बात को भी लगभग छह माह से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

सभी प्रस्ताव कागजों में धूल फांक रहे हैं हालांकि यूयूएसडीए (उत्तराखंड अर्बन स्टेट डेवलपमेंट अथॉरिटी) का दावा है कि बस अड्डे की शिफ्टिंग के लिए निविदा प्रक्रिया लंबित है, अगले दो माह में निविदाएं होती है बस अड्डे की शिफ्टिंग वगैरह शुरू की जाएगी।

> रोडवेज शिफ्टिंग को लेकर अभी तक कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। आदेश प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। - **संजय पांडे**, एआरएम, हल्द्वानी डिपो।

> बस अड्डे की शिफ्टिंग के लिए पूर्व में टेंडर बिड किया था लेकिन तब नहीं हो पाया। अब फिर से निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है, अगले दो माह में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके बाद बस अड्डे की शिफ्टिंग शुरू होगी। -**कुलदीप सिंह**, प्रोजेक्ट मैनेजर यूयूएसडीएम

बोर्ड बैठक का 5 सभासदों ने किया बहिष्कार, हंगामा

नगर पालिका परिषद पर लगाए गंभीर आरोप, नहीं हुई बैठक

संवाददाता, भीमताल

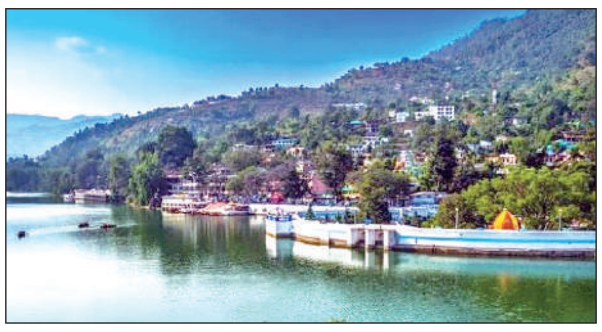

अमृत विचार: भीमताल नगर पालिका की बोर्ड बैठक से पहले हंगामा हो गया। पांच सभासदों ने पालिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए बोर्ड बैठक का बहिष्कार कर दिया। इनकी अधिशासी अधिकारी के साथ नोकझोंक भी हुई। चार सभासद बैठक में शामिल होने के लिए मौजूद थे, लेकिन कोरम पूरा न होने के कारण यह बैठक नहीं हो पाई।

बहिष्कार करने वाले सभासदों ने बताया कि बीते फरवरी माह में बोर्ड की पहली बैठक हुई थी। इसके 6 माह बाद भी जो कार्य बैठक में पारित कर गए थे, उन कार्यों में से कुछ भी कार्य पूर्ण नहीं हुए हैं। उन्होंने अधिशासी अधिकारी उदयवीर सिंह पर आरोप लगाया कि कई बार मौखिक और लिखित रूप से जानकारी मांगने पर भी सभासदों को जवाब नहीं दिया जा रहा है। आरोप है कि पूर्व की बैठक में जिन प्रस्तावों पर बोर्ड बैठक पर चर्चा नहीं हुई थी उन कार्यों को भी बाद में बिना बताए प्रस्ताव रजिस्टर में पारित कर भुगतान कर दिया गया है। निकाय द्वारा जो बोर्ड बैठक कराई जा रही है उसमें एजेंडे में लिए गए विषय न तो किसी सभासद से पूछा जा रहा है। निकाय की ओर से ऐसे कार्यों को भी लिया जा रहा है, जिसके लिए सरकार द्वारा विभाग बनाए गए हैं। उन कार्यों को भी निकाय पर थोपा जा रहा है। इन सभासदों में वार्ड नंबर 9 सभासद निरंजन रैकुनी, वार्ड नंबर 7 सभासद उमेश पाठक, वार्ड नंबर 1 सभासद शिप्रा जोशी, वार्ड संख्या 6 सभासद दीपक आर्य व वार्ड संख्या आठ सभासद शुभम नैनवाल शामिल हैं।

करोड़ों रुपये का भुगतान नगर पालिका परिषद द्वारा किया गया है, जिसकी जानकारी सभासदों को नहीं है। मेरे समेत अन्य चार सभासदों ने भी बोर्ड बैठक का बहिष्कार किया है। **-निरंजन रैकुनी**, सभासद वार्ड 9

मामला ऐसा है कि पिछली बोर्ड बैठक में प्रस्ताव को लेकर जो रजिस्टर तैयार किया गया था, उसमें अंतिम बिंदु बाकी कार्य नगर पालिका अध्यक्ष की स्वीकृति पर लिखा गया था। इसी के तहत कार्य किए गए हैं। **-उदयवीर सिंह**, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद

बौर नदी का तटबंध बहा सिंचाई व्यवस्था प्रभावित

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: बौर नदी में सिंचाई नहर के लिए बना तटबंध बह जाने से सिंचाई नहर का पानी बंद हो गया है। इससे कालाढूंगी-चकलुवा के 16 गांवों के किसानों की फसलों की सिंचाई प्रभावित हो गई है।

बारिश में बौर नदी के उफान पर आने से तटबंध बह गया था। जिससे बीते दस दिनों से कालाढूंगी नगर, बंदोबस्ती, झलुवाझाला, गुलजापुरबंकी, रतनपुर, पूरनपुर, हुडकियाचौड़ व विदारामपुर सहित कई गांवों में किसानों की धान, उड़द, सब्जी व चारा सूखने के कगार पर है। सिंचाई विभाग ने वीरवार को बौर नदी में तटबंध बांधने के लिए जेसीबी से कार्य किया, मगर पानी का बहाव अधिक होने से जेसीबी नदी में नहीं उतर सकी। जिस कारण तटबंध का कार्य नहीं हो पाया। किसान आनंद सिंह, कुंवर सिंह, अरविंद कुमार, जीवन जलाल, प्रताप सिंह, नर सिंह, विरेन्द्र कुमार ने बताया कि सिंचाई नहर में पानी नहीं मिलने से फसलें प्रभावित हो रही हैं। अधिकांश ग्रामीण जानवरों के लिए भी नहर का पानी प्रयोग करते हैं।

सिंचाई विभाग के जेई हरीश भट्ट ने बताया कि नहर के साइपन के सफाई का कार्य चल रहा था। विगत तेज बारिश में नदी के तेज बहाव में तटबंध बह गया। तेज बहाव के कारण कार्य नहीं हो पा रहे हैं। जल्द ही तटबंध कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा।

तटबंध बहने के बाद सूखी पड़ी सिंचाई नहर। ● अमृत विचार

दीक्षा नेगी ने उत्तीर्ण की नीट की परीक्षा

भीमताल, अमृत विचार : दूरस्थ क्षेत्र में विकास खंड ओखलकांडा के पीएम श्री अटल उत्कृष्ट शहीद बहादुर सिंह मटियाली राजकीय इंटर कॉलेज पतलोट नैनीताल से परिषदीय परीक्षा 2023 में उत्तीर्ण करने के बाद विद्यालय की छात्रा दीक्षा नेगी ने नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में प्रवेश प्राप्त किया।

यह छात्रा 2023 में सीबीएसई परीक्षा में 90 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रहीं थीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य आशुतोष साह ने छात्रा की इस उपलब्धि पर बताया कि विद्यालय के लिए व विकास खंड के लिए यह एक गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज पतलोट से डाक्टर बनने जा रही यह प्रथम छात्रा है। छात्रा दीक्षा बिष्ट ने इस उपलब्धि के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य आशुतोष साह, शिक्षक शेर सिंह बिष्ट, शिक्षिका बुशरा फिरदौस व अन्य शिक्षकों को दिया है। ग्राम प्रधान भद्रेठा पतलोट आशा मटियाली, ग्राम प्रधान मटेला लीला त्रिपाठी व समाज सेवी आन सिंह मटियाली आदि ने भी छात्रा को बधाई दी है।

कार्यशालाओं की जरूरत पर प्राचार्य ने दिया जोर

कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न विद्यालय के शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: लेक्स इंटरनेशनल स्कूल भीमताल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में इन्वायरमेंटल एजुकेशन एंड कन्जर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेस विषय पर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत कार्यशाला हुई।

विद्यालय के प्रधानाचार्य / निदेशक एसएस नेगी, रिसोर्स पर्सन अभिषेक मित्तल व मनमोहन जोशी ने इसकी शुरुआत की। कार्यशाला में लॉग व्यू पब्लिक स्कूल नैनीताल, नेंसी कॉन्वेंट ज्योलिकोट, ग्रीन माउंट ग्लोबल स्कूल भीमताल, डीविटो स्कूल भवाली, वुडब्रिज स्कूल भीमताल, हीरा कुंवर पब्लिक स्कूल हल्द्वानी, सैनिक स्कूल घोड़ाखाल, मोहन लाल साह बाल विद्या मंदिर नैनीताल, सरस्वती एकेडमी हल्दानी, सेंट लॉरेन्स स्कूल हल्द्वानी, जीडी गोइनका नौकुचियाताल, हरमन माईनर स्कूल भीमताल, इंसपायरेशन स्कूल हल्दानी, सेंट जेवियर स्कूल नैनीताल, पार्वती प्रेमा जनाति सरस्वती विहार नैनीताल, प्रसिसटेंड स्टूडेंट्स हायर सेकेंडरी स्कूल नैनीताल, बिड़ला विद्या मंदिर नैनीताल एवं लेक्स इंटरनेशल स्कूल भीमताल के कुल 40 से अधिक शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। एसएस नेगी ने इस प्रकार की कार्यशालाओं की आवश्यकताओं पर जोर दिया।

आंगनबाड़ी कर्मी बनकर ठगे 26 हजार

नैनीताल, अमृत विचार: मल्लीताल क्षेत्र में आंगनबाड़ी कर्मी बनकर साइबर ठगों ने एक महिला से 26 हजार ठग लिए। मल्लीताल निवासी रविता आर्या ने कोतवाली में तहरीर देकर कहा है कि बीते दिनों उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन आया। जिसने खुद को आंगनबाड़ी कर्मचारी बताते हुए सरकारी योजना की रकम का भुगतान करने की बात कही।

बातचीत के दौरान कर्मी ने गूगल पे नंबर मांग लिंक भेजकर भुगतान रिसीव करने को कहा। जब उन्होंने आए हुए मैसेज पर क्लिक किया तो भुगतान नहीं आया। इस दौरान उसकी बहन का गूगल पे नंबर भी दे दिया। कुछ ही देर बाद देखा तो उसके खाते से दो व बहन के खाते से 24 हजार रुपये कट गए। जिसके बाद उसको ठगी का अहसास हुआ। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि शिकायत को साइबर सेल को भेजने के साथ ही जांच की जा रही है।

टेंडर 55 लाख 21 हजार में प्रिंस ट्रेडिंग को मिला

संवाददाता, नैनीताल

- नंदा सुनंदा महोत्सव के लिए खोली गई निविदा

अमृत विचार: आगामी नंदा सुनंदा महोत्सव के दौरान फ्लैट्स मैदान में लगने वाली दुकानों का टेंडर 55 लाख 21 हजार में प्रिंस ट्रेडिंग के नाम रहा। वहीं, बिजली व सीसीटीवी का टेंडर 8 लाख में साईं लाईट हाउस को मिला।

28 अगस्त से आयोजित होने वाले नंदा सुनंदा महोत्सव में लगने वाली दुकानों की निविदा बृहस्पतिवार को पालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल की ओर से गठित कमेटी के सामने खोली गई। दुकानों के लिए प्रिंस ट्रेडिंग कंपनी चंबा हिमाचल, ठाकुर जी इंटरप्राइजेज तथा देव इंटरप्राइजेज कुल तीन निविदाएं आई थी। जिसमें प्रिंस ट्रेडिंग कंपनी ने 55 लाख 21 हजार सबसे ज्यादा राशि की निविदा डाली गई थी। जिसके बाद कमेटी ने मेले के आयोजन की निविदा प्रिंस ट्रेडिंग कंपनी के नाम कर दी।

दुकानों के टेंडर का बेस प्राइज 55 लाख रुपये रखा गया था। बिजली, ध्वनि व सीसीटीवी का टेंडर 8 लाख रुपये में साई लाइट हाउस भवाली के नाम हुआ। नगर में लाइट की व्यवस्था व सीसीटीवी व ध्वनि की व्यवस्था के लिए पालिका साईं लाइट हाउस को 8 लाख रुपये देगी।

इस दौरान ईओ रोहिताश शर्मा, मुख्य कोषाधिकारी कमलेश भंडारी, सहायक अभियंता सिंचाई खंड दीनदयाल सती समेत सभासद मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचीं मलिका गोयल

रामनगर, अमृत विचार: इनरव्हील क्लब इंडियन आइडियल प्रतियोगिता में रामनगर के इनरव्हील क्लब ऑफ कॉर्बेट पार्क की सदस्य मलिका गोयल ने फाइनल में जगह बनाई है। डिस्ट्रिक्ट-311 के अंतर्गत 113 क्लबों की सदस्यों ने प्रतिभागिता की। जिसमें से टॉप 10 में मलिका का चयन हुआ।

बीती 19 अगस्त को लाइव जूम पर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें इनर व्हील क्लब ऑफ कॉर्बेट पार्क की मालिका गोयल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चंडीगढ़ में होने वाली फाइनल प्रतियोगिता में जगह बनाई। क्लब की अध्यक्ष निधि जिंदल व सचिव दीप्ति गोयल ने मलिका को बधाई दी है।

हनुमानगढ़ी क्षेत्र में महिलाओं ने जब्त की कच्ची शराब, प्रदर्शन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: नई बस्ती हनुमानगढ़ी क्षेत्र में महिलाओं ने एकजुट होकर अवैध शराब बेचने वालों से कच्ची शराब जब्त कर ली। महिलाओं के तेवर देखते हुए अवैध शराब विक्रेता कच्ची शराब छोड़कर मौके से फरार हो गए। गुस्साईं महिलाओं ने अवैध शराब बेचने वाले कारोबारियों की गिरफ्तारी और अवैध शराब के धंधे को बंद कराने की मांग को लेकर पुलिस चौकी पर प्रदर्शन भी किया।

महिलाओं का आरोप है कि मालधन में अवैध शराब को रोकने में प्रशासन असमर्थ है। उन्होंने शराब नहीं रोजगार दो के नारे लगाते हुए मालधन क्षेत्र में अवैध रूप से जगह जगह बिक रही कच्ची व पक्की शराब को तत्काल रोकने की मांग की है। बाद में कच्ची शराब पुलिस के हवाले कर दी।

कच्ची शराब के साथ प्रदर्शन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

महिलाओं न कहा कि मालधन क्षेत्र में कच्ची शराब बेचने वाले लोगों के खिलाफ मुहिम चलाई जाएगी। इस दौरान प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिम्वाल, पार्वती देवी, लक्ष्मी देवी, बीना देवी, दीपा देवी, सावित्री देवी, सुनीता देवी मौजूद रहीं।

बल्दियाखान में गिरा पेड़, घर क्षतिग्रस्त होने से बचा

नैनीताल, अमृत विचार : नैनीताल क्षेत्र में बुधवार की रात मूसलाधार बारिश के चलते बल्दियाखान में एक पेड़ टूटकर सड़क और घर के पास बने गोदाम के ऊपर गिर गया। गनीमत रही कि पेड़ की चपेट में घर या कोई वाहन नहीं आया।

बुधवार की रात लगभग 10 बजे तेज बारिश के दौरान बल्दियाखान एक घर के समीप बड़ा पेड़ टूट गया। पेड़ टूटकर सड़क और घर के समीप बने एक गोदाम के ऊपर गिर गया। आवाज सुनकर जब घर में रहने वाले परिवार ने बाहर आकर देखा तो पेड़ उनके गोदाम की छत पर गिरा था। पेड़ का दूसरा सिरा टूटकर सड़क पर गिरा था। उन्होंने बताया कि उनका घर बाल- बाल बचा है। वन क्षेत्राधिकारी मुकुल शर्मा ने बताया कि पेड़ को सड़क व घर के समीप से हटाया जा रहा है।

परिश्रम से करें लक्ष्यों की प्राप्ति

संवाददाता, नैनीताल

कार्यक्रम में निदेशक को स्मृति चिन्ह देते विभागीय प्रोफेसर।

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के चार वर्षीय एकीकृत बीएड विभाग में शैक्षणिक सत्र के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को हुआ। डीएसबी परिसर की निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, शिक्षा संकाय अध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक उप्रेती ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, कुलगीत, कुमाऊनी लोकनृत्य और नाटक की प्रस्तुतियां देकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।

मुख्य अतिथि प्रो. नीता बोरा शर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि यह चरित्र, मूल्यों और दृष्टिकोण को आकार देने का मार्ग है। उन्होंने कहा कि भावी शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों की भूमिका समाज को सही दिशा दिखाने और सकारात्मक बदलाव लाने में अहम होगी। संकायाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी ने विद्यार्थियों से कहा कि यह संकाय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि ऐसा मंच है जहां विचारों को आकार और सपनों को उड़ान मिलती है। उन्होंने संतुलन, धैर्य और निरंतर परिश्रम से लक्ष्यों की प्राप्ति का आह्वान किया। विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक उप्रेती ने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने, सहयोग और नवाचार को अपनाने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। संचालन डॉ. दीपिका भट्ट एवं डॉ. तेज प्रकाश जोशी ने किया। समिति के संयोजक डॉ. भूपेंद्र सिंह कठायत व विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अंधविश्वास से दूर रहने के लिए संकल्प दोहराया

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: साइंस फॉर सोसाइटी (यूनाइटेड) की ओर से डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की स्मृति में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय वैज्ञानिक चेतना दिवस के मौके पर व्यापार भवन में आयोजित गोष्ठी की। इसमें समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर रहने का संकल्प दोहराया।

हेम चन्द्र आर्य के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि दाभोलकर ने महाराष्ट्र में अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति का गठन कर उसके माध्यम से अंधविश्वास, रूढ़िवादिता के खिलाफ व्यापक तर्कवादी आंदोलन चलाया। जिससे घबराकर चरमपंथियों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर कर दी। कैसर राणा ने कहा कि केंद्र सरकार स्कूली पाठ्यक्रम से डार्विन के इवोल्यूशन को हटाकर छात्रों को अंधविश्वासी बनाए रखना चाहती है। समाजवादी लोक मंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कहा कि समाज में अंतरधार्मिक तथा अंतर्जातीय विवाहों के बढ़ावा देकर ही दाभोलकर को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। इस दौरान सोसाइटी के प्रवक्ता गिरीश आर्य, जगमोहन रावत ,वीर सिंह, किशन शर्मा, मौ. आसिफ, मास्टर नंदराम, लालताप्रसाद श्रीवास्तव, उषा पटवाल, सौरभ आर्य, किरन आर्य, कीर्ति आदि मौजूद रहे।

फिटनेस न होने से भड़के ट्रांसपोर्टर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: वाहनों की फिटनेस रामनगर में नहीं होने से ट्रांसपोर्टरों में रोष व्याप्त हैं। इस मामले में विधायक प्रतिनिधि जगमोहन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एआरटीओ से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में ट्रांसपोर्टरों ने कहा कि ट्रांसपोर्टर मालिक अपने वाहनों की फिटनेस आरटीओ कार्यालय में ही कराते थे, लेकिन कुछ समय से यह फिटनेस सेवा बंद कर दी गई है। वाहनों की फिटनेस रामनगर में न हो पाने की वजह से वाहन स्वामियों को बहुत नुकसान हो रहा है। फिटनेस कराने के लिए वाहन को लेकर हल्द्वानी जाना पड़ रहा है। इसमें अनावश्यक पैसे और समय की बर्बादी हो रही है। एक दिन में फिटनेस न होने पर उन्हें हल्द्वानी के कई चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जो वाहन रामनगर में पंजीकृत हैं, उनकी फिटनेस रामनगर में ही कराई जानी चाहिए। चेताया कि जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। एआरटीओ संदीप वर्मा ने बताया कि इस मामले में उच्च अधिकारियों से वार्ता की जाएगी। इस दौरान भाजपा नेता अनवर मलिक, मनमोहन सिंह बिष्ट, मोहम्मद शादाब, मोहम्मद इम्तियाज, शहजाद, हरदीप, इंदर लाल, रईस अहमद, पूरन रावत, सुरेश व विपिन आदि शामिल थे।

एआरटीओ को ज्ञापन देते ट्रांसपोर्टर। ● अमृत विचार

ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल को स्मृति चिन्ह देते विहिप पदाधिकारी व अन्य।

क्षेत्र का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता: मनीषा

कालाढूंगी, अमृत विचार : कोटाबाग ब्लॉक की नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल को जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं व विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। ब्लॉक प्रमुख जंतवाल ने कहा कि जन समस्याओं का निदान व क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता रहेगा। गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल के आवास में पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों व विहिप पदाधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर जीत की बधाई दी। ब्लॉक प्रमुख जंतवाल ने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगी। इस दौरान विहिप के जिला मंत्री गिरीश पडलिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, तारा चंद्र, कमल जंतवाल, रामलीला कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र सिंह बिष्ट, ललित जंतवाल, कुंदन बसेडा, राजू जंतवाल, प्रवेश नेगी, विनोद बुढलाकोटी, भुवन कुमार, राम सिंह अटवाल, गोपाल सिंह बिष्ट, विनोद जोशी, कुंदन जंतवाल, रमेश जोशी, पुष्कर खनायत, गिरीश जोशी व गुड्डू चौहान आदि मौजूद रहे।

मुसीबत — नौकुचियाताल मोटर मार्ग में जगह-जगह जलभराव से हो रही आवाजाही में दिक्कत

सड़कें बन गईं झील, गड्ढों में हिचकोले खा रही जिंदगी

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: यदि आप भीमताल और नौकुचियाताल आने की सोच रहे हैं, तो दोपहिया वाहनों से यहां आने की कल्पना भी मत कीजिए। भीमताल नगर में बाईपास मार्ग और भीमताल से नौकुचिया ताल मोटर मार्ग में जगह-जगह जलभराव हो गया है। इस कारण कई मीटर लंबी झील जैसी संरचना बन गई है।

मोटर मार्ग में जगह-जगह गड्ढे होने की वजह से हजारों लीटर पानी सड़कों में जमा है। इतना ही नहीं इस पानी के अंदर जो सड़क है वह कितनी गहरी है इसकी भी जानकारी नहीं लग पा रही है। ऐसी स्थिति दुर्घटना होने की आशंका प्रबल हो गई है। लोक निर्माण विभाग भवाली के अंतर्गत आने वाली इस सड़क के पास कई प्रशासनिक अधिकारियों एवं शासन में उच्चाधिकारियों के आवास भी है। इसके बावजूद विभाग इस मोटर मार्ग की सुध लेने को तैयार नहीं है। स्थानीय कारोबारी की माने तो कई बार विभाग को कहने के बावजूद विभाग इस की ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

लोनिवि के सहायक अभियंता विष्णु मोहन गिरी ने बताया कि 3 साल पहले डामरीकरण हुआ था। अब कई जगह जलभराव और गड्ढे हो गए हैं। विभाग ने पैच वर्क करने के कार्य का ठेका कर दिया है। मौसम ठीक होने के बाद कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

खस्ताहाल मार्ग पर हुआ जलभराव। ● अमृत विचार

नौकुचियाताल मुख्य मार्ग की चौड़ाई प्रतिवर्ष कम होती जा रही है। अतिक्रमण पर प्रशासन और प्राधिकरण दोनों चुप हैं। सड़क के किनारे नाले और कलमट दोनों बंद हो गए हैं। विभाग को कई ईमेल किए हैं। सीएम पोर्टल पर भी शिकायत की है। भाजपा पदाधिकारियों से भी गुहार लगाई जा चुकी है। शीघ्र ही जन आंदोलन किया जाएगा। **-राहुल जोशी**, होटल कारोबारी

इस मोटर मार्ग के लिए कई बार विभाग के अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं। हालांकि अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। **-कार्तिक कर्नाटक**, सामाजिक कार्यकर्ता

शिविर में अधिकांश शिकायतें निस्तारित

हल्द्वानी, अमृत विचार : नगर निगम ने गुरुवार को वार्ड-49 एवं 50 में जन मिलन केंद्र में जनसुविधा शिविर लगाकर समस्याओं का समाधान किया। शिविर में प्राप्त अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि शिविर में 22 आधार कार्ड नए बनाए एवं संशोधित किए गए। विद्युत विभाग की 4, पूर्ति विभाग की राशन कार्ड बनाने व नाम जोड़ने की 3, जल संस्थान की पानी की नई लाइन बिछाने की 1 शिकायत मिली। अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए गए। शिविर में वार्ड 49 के पार्षद चन्दन मेहता तथा वार्ड 50 की पार्षद नीमा भट्ट रहे। शुक्रवार को वार्ड 47 में शिवकालीधाम मंदिर पुष्प विहार व वार्ड 48 में पलक बैंक्वेट हॉल में शिविर लगाया जाएगा।

सिटी ब्रीफ

खुशी ने बनाई स्टेट बास्केटबॉल में जगह

हल्द्वानी : एसकेएम स्कूल की छात्रा खुशी आर्या ने अपनी प्रतिभा के दम पर स्टेट लेवल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में जगह पक्की कर ली है। यह प्रतियोगिता 22 अगस्त से हरिद्वार में आयोजित होगी। खुशी की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधक यूसी जोशी, सचिव पुष्पा जोशी, प्रधानाचार्या मोनिका शर्मा, प्रशासक ऋषभ जोशी और उप प्रधानाचार्या भामिनी जोशी ने उन्हें बधाई दी है। विद्यालय प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि खुशी राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन करेगी।

करुणा का हुआ स्टेट चैंपियनशिप में चयन

हल्द्वानी : एसकेएम स्कूल की छात्रा करुणा लखेरा ने वुशु खेल में शानदार प्रदर्शन कर खेलो इंडिया स्टेट चैंपियनशिप में जगह बनाई है। देहरादून में आयोजित दो दिवसीय सिटी लीज ट्रायल में करुणा ने गोल्ड मेडल जीतकर उपलब्धि हासिल की। वह 23 व 24 अगस्त को महाराणा प्रताप स्टेडियम देहरादून में होने वाली स्टेट चैंपियनशिप में प्रतिभा दिखाएंगी। विद्यालय प्रबंधन व प्रधानाचार्या ने करुणा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वास जताया कि वह आगामी प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी।

घूसखोरों का गढ़ ऊधमसिंह नगर, नैनीताल दूसरे नंबर पर

डेढ़ साल के भीतर 15 विभागों के 23 रिश्वतखोर हुए गिरफ्तार

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : मोटी तनख्वाह के बाद भी घूस की आदत पाल चुके अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ धामी सरकार एक्शन में है। सरकार के निर्देश पर जाल बिछाकर शिकार करने वाली विजिलेंस कुमाऊ के छह जिलों में कार्रवाई कर रही है। पिछले लगभग डेढ़ साल की बात करें तो सबसे ज्यादा घूस लेने के आरोपी ऊधमसिंह नगर के पकड़े गए। नैनीताल जिले में भी विजिलेंस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है।

विजिलेंस कुमाऊं के सीओ अनिल मनराल ने बताया कि पिछले एक साल चार महीने के भीतर घूसखोरी में कड़ी कार्रवाई हुई है। इस दौरान 15 विभागों के 23 अधिकारी और कर्मचारियों को रंगेहाथ विजिलेंस ने रिश्वत लेते पकड़ा। सर्वाधिक ऊधमसिंह नगर के 14 लोग धरे गए। नैनीताल में सात, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में एक-एक अधिकारी-कर्मचारी घूस लेते गिरफ्तार किए गए। अल्मोड़ा और चम्पावत जिलों पर पिछले एक साल में रिश्वत का कलंक नहीं लगा। कुल पकड़े 23 अधिकारियों और कर्मचारियों में से पांच राजपत्रित अधिकारी तो 18 अपराजपत्रित थे। पिछले साल 2024 जनवरी में एक महीने के भीतर ही विजिलेंस ने चार अधिकारियों को रंगेहाथ पकड़ा था।

> रिश्वत लेना और देना दोनों ही संगीन अपराध है। किसी भी व्यक्ति से सरकारी कार्यालयों में अगर रिश्वत की मांग की जाती है तो टोल फ्री नंबर 1064 में शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। रिश्वत किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
> **-डॉ.वी.मुरुगेशन,** निदेशक विजिलेंस

सीएम का भ्रष्टाचार मुक्त अभियान ला रहा रंग

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड अभियान रंग ला रहा है। सीएम ने बीते दिनों ही कहा था कि जो भी भ्रष्टाचार में शामिल होगा, उस पर कठोर कार्रवाई होगी। आम लोगों को परेशान करने वाले भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आगे भी तेजी से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने रिश्वतखोरों को सीधे सलाखों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतों की के लिए राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त एप 1064 को शुरू किया है।

इन विभागों के रिश्वतखोर सलाखों तक गए

रिश्वत लेने के आरोप में विजिलेंस ने सिडकुल, मनरेगा, परिवहन, पुलिस, नगर निगम, शिक्षा, राजस्व, आवास विकास, खाद्य विभाग, लघु सिंचाई, आबकारी, पीडब्ल्यूडी, बांट-माप विभाग, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास व कोषागार कार्यालय में तैनात विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों को पकड़ा। सबसे ज्यादा राजस्व के चार, पुलिस के तीन अधिकारी और कर्मचारियों को विजिलेंस ने पकड़ा।

शिक्षकों का कार्य बहिष्कार जारी

रामनगर, अमृत विचारः राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर हाईस्कूल व इंटर कॉलेजों में शिक्षक-शिक्षिकाएं चौथे दिन भी शिक्षण बहिष्कार पर रहे।

रामनगर ब्लॉक में शिक्षक पदाधिकारियों नवेंदु मठपाल, ब्लॉक अध्यक्ष संजीव कुमार, मंत्री अनिल कड़ाकोटी के नेतृत्व में एक टीम ने विभिन्न विद्यालयों में जाकर शिक्षक-शिक्षिकाओं से संपर्क किया। शिक्षक प्रतिनिधियों ने कहा जब तक प्रधानाचार्य सीधी भर्ती प्रक्रिया पर रोक नहीं लगती, सभी स्तरों की पदोन्नति सूची निर्गत नहीं होती, स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरु नहीं होती और सभी प्रकार की वेतन विसंगति ठीक नहीं की जाती आंदोलन जारी रहेगा। 25 अगस्त को ब्लाक मुख्यालय पर होने वाले धरना प्रदर्शन को लेकर राजकीय इंटर कालेज में बैठक भी की गई। तय किया गया कि ब्लाक के सभी शिक्षक 25 अगस्त को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शत-प्रतिशत भागीदारी करेंगे। बैठक में अजय धस्माना, तिलक जोशी, नरेंद्र पटवाल रमेश चंद्र, बालकृष्ण चंद्र, संजीव कुमार, प्रदीप कुमार, आशीष भारती, रमेश चंद्र सत्यवली, शिवाकांत व गीता आदि शामिल थे।

भीमताल में कल शिक्षक करेंगे सीईओ का घेराव, ज्ञापन भेजा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः शिक्षकों पर हो रहे उत्पीड़न, मान्यता प्राप्त संगठनों की अनदेखी से आक्रोशित होकर जिले के तीन प्रमुख शिक्षक संगठन उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ, राजकीय शिक्षक संगठन और जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संगठन 23 अगस्त को भीमताल स्थित मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव करेंगे। इस संबंध में तीनों संगठनों ने अपर शिक्षा निदेशक कुमाऊं मंडल को ज्ञापन भेजा है।

शिक्षक संगठनों का आरोप है कि शिक्षा विभाग के एक बड़े अधिकारी विभाग को एक तानाशाह की तरह चला रहे हैं और शिक्षकों के साथ निजी फैक्ट्री जैसे व्यवहार कर रहे हैं। डेढ़ हजार शिक्षकों का वेतन मनमाने ढंग से बिना उचित प्रक्रिया के रोका गया, पंचायत चुनाव में भेदभावपूर्ण ढंग से शिक्षकों को ड्यूटी से मुक्त या संलग्न किया गया, और शिक्षकों के नाम अखबारों में छपवा कर उनकी छवि धूमिल की गई। इसके अतिरिक्त संगठन प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित न करना, कार्यालय में नियमित रूप से उपस्थित न रहना, महिला शिक्षिकाओं को आयोग के निर्देशों के बावजूद दूरस्थ विद्यालयों में तैनात करना जैसे गंभीर आरोप भी उक्त अधिकारी पर लगाए गए हैं।

संघों का कहना है कि पूर्व में भी 10 सूत्रीय मांगपत्र के माध्यम से समस्याओं के समाधान की मांग की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन भेजने वालों में मनोज तिवारी, जिलाध्यक्ष, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मनोज तिवारी, जिला महामंत्री बंशीधर कांडपाल, राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष गिरीश चंद्र जोशी, पंकज कुमार बुधानी, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, जिला महामंत्री देवकीनंदन भट्ट थे। उधर, शिक्षकों का कार्य बहिष्कार गुरुवार को भी जारी रहा। शिक्षकों ने नारेबाजी भी की।

कार्य बहिष्कार के दौरान नारेबाजी करतीं शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

संयुक्त संघर्ष मोर्चा की मुख्य मांगें

- शिक्षकों का रोका गया वेतन तत्काल जारी किया जाए।
- निर्वाचन ड्यूटी में भेदभाव की जांच हो।
- महिला शिक्षिकाओं को दूरस्थ तैनाती से मुक्त किया जाए।
- वर्षों से मुख्यालय में जमे शिक्षकों को मूल विद्यालयों में भेजा जाए।
- संगठनों के साथ संवाद व समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कार्रवाई पर बिफरे ट्रांसपोर्टर आरटीओ का घेराव किया

संवाददाता, हल्द्वानी

- प्रदर्शनकारियों ने बड़ा आंदोलन करने की दी चेतावनी

अमृत विचारः प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल और ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन ने गुरुवार को आरटीओ अधिकारियों की कार्रवाई के विरोध में आरटीओ कार्यालय में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता और युवा जिलाध्यक्ष प्रदीप सब्बरवाल के नेतृत्व में ट्रांसपोर्टरों ने आरटीओ सुनील शर्मा व आरटीओ परिवर्तन गुरुदेव सिंह का घेराव किया।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि ट्रांसपोर्ट नगर में वाहन खड़ा करने पर भी चालान किए जा रहे हैं। छोटे वाहनों में लदे सामान को जब्त करने, चाबी छीनने और वाहन सीज करने जैसी कार्यवाहियों पर व्यापारियों ने गहरी आपत्ति जताई। उनका कहना था कि यदि इसी तरह चालान होते रहे तो ट्रांसपोर्ट नगर का क्या औचित्य रह जाएगा।

व्यापारियों ने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में ऐसी कार्रवाई जारी रही तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छोटे व्यापारियों को लगातार परेशान किया जा रहा है, जबकि बड़े मामलों में कोई कार्रवाई नहीं होती। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अतुल प्रताप सिंह, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महामंत्री खीमानंद शर्मा, संरक्षक इंद्र भुटियानी, चंद्र शेखर पांडे, मंसूर खान, दिनेश बेलवाल, राजेश पूरी, कैनेडी सचदेवा सहित कई व्यापारी और ट्रांसपोर्टर मौजूद रहे।

महिला डिग्री कॉलेज में रक्तदान शिविर कल

हल्द्वानी, अमृत विचार : महिला डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा नमामि गंगे के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सुबह 10 बजे से रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है, एक यूनिट रक्तदान से तीन जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

यह शिविर न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाएगा बल्कि छात्र-छात्राओं को सेवा और सहयोग की भावना से भी जोड़ने का प्रयास है। एनसीसी प्रभारी डॉ. रेखा जोशी ने बताया एनसीसी सदैव अनुशासन और राष्ट्र सेवा के लिए तत्पर रहती है। इस शिविर के माध्यम से कैडेट्स समाज सेवा की भावना को और मजबूत करेंगे तथा रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

ग्रामीणों ने मांगा मालिकाना हक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला की आठ सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना चौथे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने भूमि के मालिकाना हक, मानसून सत्र में राजस्व गांव का प्रस्ताव पारित करने, पेयजल व सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, विकास कार्यों पर लगी रोक हटाने, जल जीवन मिशन शुरू करने और पंचायत प्रतिनिधि चुनने का अधिकार बहाल करने जैसी मांगें उठाईं। साथ ही वन व नजूल भूमि पर बसे सभी लोगों को मालिकाना हक देने की मांग भी प्रमुख रही।

धरना स्थल पर किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द सिंह नेगी ने कहा कि बागजाला को राजस्व गांव बनाने को 17 अगस्त को विधायक को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन विधानसभा में उनकी चुप्पी जनता के साथ वादाखिलाफी है। यह रवैया भाजपा सरकार की गरीबों के प्रति असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है। वहीं, भाकपा (माले) नैनीताल जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि सरकार ने मानसून सत्र चार दिन चलाने की घोषणा की थी, लेकिन सरकार ने उसे डेढ़ दिन में ही समाप्त कर जनता के साथ विश्वासघात किया। करोड़ों रुपये गैरसैंण में खर्च कर दिए गए, लेकिन आपदा, शिक्षा, स्वास्थ्य और विस्थापन जैसे मुद्दों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

धरने को समर्थन देने वालों में सामाजिक कार्यकर्ता शराफत खान, भीम आर्मी के मो. सुलेमान मलिक, लछी राम कलाकार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। आंदोलन में प्रमुख रूप से विमला देवी, वेद प्रकाश, हरिदित्ता सिंह, भूपाल दत्त आदि शामिल रहे।

बागजाला में विचार रखते वक्ता। ● अमृत विचार

नृत्य प्रतियोगिता में नीला सदन प्रथम स्थान पर रहा

संवाददाता, हल्द्वानी

- इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई प्रतियोगिता
- लाल सदन ने द्वितीय व पीला सदन ने प्राप्त किया तृतीय स्थान

अमृत विचारः इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए अंतरसदनीय नृत्य प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता देशभक्ति गीतों पर आधारित थी, जिसमें छात्रों ने चंद्रशेखर आजाद, तात्या टोपे, वासुदेव बलवंत फड़के और लचित बोरफुकन जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और समर्पण को भावपूर्ण नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में नीला सदन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि लाल सदन द्वितीय, पीला सदन तृतीय और हरा सदन चतुर्थ स्थान पर रहा। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. गीतिका बल्यूटिया, प्रधानाचार्य अनुराग माथुर, उपप्रधानाचार्या ममता तनेजा तथा कॉर्डिनेटर प्रियंका शर्मा ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन रिद्धिमा अग्रवाल एवं वंशिका जोशी ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में नीरू जोशी एवं आयुषी कनवाल शामिल रहीं।

इस दौरान पूजा जोशी, संतोष रावत, मुकेश कुमार, अंकिता चौधरी, ऋचा वर्मा, गरिमा मेवाड़ी, संजय गोस्वामी, मोहित पंत, गौरव कुमार सहित अनेक शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

लैंड यूज बदलने की वेबसाइट ठप

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सरकारी वेबसाइट्स की तकनीकी कमियां दूर होने का नाम नहीं ले रही हैं। लैंड यूज बदलने की वेबसाइट ठप है जिस वजह से लोग लैंड यूज बदलने के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, ऑनलाइन नंबर की अनिवार्यता की वजह से ऑफलाइन मोड में काम नहीं हो पा रहा है। इससे फरियादी तहसील से एसडीएम कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कृषि भूमि पर यदि आवासीय या व्यवसायिक उपयोग करना हो तो उसका लैंड यूज बदलना पड़ता है। सरकार ने जनता की सहूलियत के लिए landuse.uk.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना पड़ता है। साथ ही ऑनलाइन ही जरूरी दस्तावेज खसरा-खतौनी, आधार कार्ड वगैरह अपलोड करने होते हैं। फिर एक ऑनलाइन नंबर आवंटित होता है, उसी आधार पर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लैंडयूज बदल जाता है।

इधर, इस वेबसाइट में तकनीकी कमी की वजह से लोग ऑनलाइन आवेदन करते हैं लेकिन दस्तावेज ऑलाइन देते हैं। इधर, पिछले एक सप्ताह से यह वेबसाइट ठप पड़ी हुई है जिसकी वजह से ऑनलाइन आवेदन नहीं हो पा रहे हैं, वहीं जिन्होंने आवेदन तो कर दिया है लेकिन उनकी फाइल वेबसाइट के साथ ही ठप हो गई है।

> तकनीकी कमियों की वजह से वेबसाइट नहीं चल रही है। इस वजह से ऑनलाइन रिपोर्ट प्राप्त नहीं हो रही है। इस बारे में राजस्व बोर्ड को बता दिया गया है। वेबसाइट चलने के बाद ही भू प्रयोग बदलाव शुरू हो सकेगा।
> **-राहुल शाह,** एसडीएम हल्द्वानी

सहूलियत के लिए बनाई, बन गई मुसीबत

हल्द्वानी : सरकार ने जनता की सहूलियत के लिए वेबसाइट बनाई थी। इसका मकसद था ऑनलाइन आवेदन होने से फील्ड स्टाफ, तहसीलदार, एसडीएम की ऑनलाइन ही रिपोर्ट लगनी थी। वहीं ऑनलाइन होने से फाइल का स्टेटस भी जानकारी में रहता जिससे पता चलता कि फाइल किस स्तर पर लंबित है। इसका मकसद निर्धारित समयावधि में सेवा मुहैया कराना था लेकिन वेबसाइट की तकनीकी कमी से जनता को सहूलियत के बजाय मुसीबत हो रही है।

बिड़ला स्कूल में कार्यशाला को संबोधित करते प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा। ● अमृत विचार

होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड पर हुई कार्यशाला

हल्द्वानी, अमृत विचार : आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में गुरुवार को अभिभावकों के लिए आयोजित सत्र में होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (समग्र प्रगति पत्रक) की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व सीबीएसई के दिशा-निर्देशों में इस पहल का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास का आकलन करना है। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा और प्रधानाध्यापिका वंदना टम्टा ने मुख्य अतिथि सोनिया रिलिया का स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शैक्षिक परामर्शदाता सोनिया ने कार्यशाला में गतिविधि-आधारित अधिगम की महत्ता पर प्रकाश डाला और कई रोचक गतिविधियां भी करवाई, जिसमें अभिभावकों एवं प्राथमिक वर्ग की अध्यापिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभिभावकों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी और आनंददायक बताया। प्रधानाचार्य मेहरा ने कहा कि इस प्रकार के सत्र विद्यालय और अभिभावकों के बीच मजबूत सेतु का निर्माण करते हैं तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सकारात्मक कदम हैं।

70 हजार की आबादी पानी को तरसी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः पहाड़ों में लगातार हुई बारिश से गौला बैराज में सिल्ट और रेत का जमाव बढ़ गया है। सिल्ट हटाने के लिए गुरुवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक सिंचाई विभाग ने बैराज के गेट खोले। गेट खोलने के दौरान जल संस्थान को गौला से पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई। इसकी वजह से जल संस्थान के ओवरहेड टैंक भर नहीं सके और शहर के कई इलाकों में गुरुवार की शाम को पानी की सप्लाई प्रभावित रही।

जल संस्थान के सहायक अभियंता रविंद्र कुमार ने बताया कि नैनीताल रोड, रामपुर रोड, दमुवाढूंगा, ऊंचापुल, कटघरिया और बाजार क्षेत्र समेत आसपास के इलाकों में करीब 70 हजार उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि पानी का उपयोग सावधानी से करें। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार बैराज में सिल्ट और रेत का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में गेट खोलना जरूरी है।

गौला का जलस्तर 2234 क्यूसेक दर्ज

गुरुवार को गौला नदी का जलस्तर 2234 क्यूसेक दर्ज किया गया। लगातार बारिश के कारण नदी में पानी की मात्रा बढ़ गई है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही बैराज में सिल्ट और रेत का जमाव भी तेजी से बढ़ रहा है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सिल्ट और रेत हटाने का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। गेट खोलकर नदी की धारा को तेज किया जाता है, जिससे बैराज में जमा सिल्ट और रेत बहकर नीचे की ओर चली जाए। यह प्रक्रिया न केवल बैराज की सुरक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि पानी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए भी अहम है। अधिकारियों का कहना है कि मानसून के दिनों में यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि तेज बरसात के दौरान पहाड़ों से मिट्टी और मलबा बड़ी मात्रा में नदी में आता है।

वेतन को उपनल कर्मियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल और राजकीय मेडिकल कॉलेज में कार्यरत उपनल कर्मियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। पिछले पांच माह से वेतन न मिलने से नाराज कर्मचारियों ने गुरुवार को मेडिकल कॉलेज प्राचार्य के कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और वेतन भुगतान में हो रही देरी को लेकर गहरी नाराजगी जताई। कर्मियों का कहना है कि बार-बार निवेदन करने के बावजूद भी कॉलेज प्रशासन वेतन जारी नहीं करवा पा रहा है। बता दें कि मेडिकल कॉलेज और एसटीएच में कार्यरत 650 से अधिक उपनल कर्मी मार्च माह से वेतन न मिलने के चलते आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। इन कर्मियों को पहले से ही अल्प वेतन मिलता है और अब वो भी बंद हो गया है। इस बार वित्त विभाग ने वेतन इसलिए रोक दिया है क्योंकि इन कर्मचारियों के पद अब तक सृजित नहीं किए गए हैं। पूर्व में कॉलेज प्रशासन अन्य मदों से वेतन उपलब्ध कराता था। कर्मियों ने अस्पताल से रैली निकालकर प्राचार्य के कार्यालय के बाहर फिर से प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह शोषण की पराकाष्ठा है। सरकार को यह समझना चाहिए कि बिना वेतन के ये कर्मचारी कैसे अपना गुजारा कर रहे होंगे। प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने कर्मचारियों को जल्द समाधान का आश्वासन दिया। शंभू बुधानी, विनोद मौर्या, नीलम बिष्ट, पूरन भट्ट, कैलाश आदि मौजूद थे।

मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य और वित्त नियंत्रक का घेराव करते उपनल कर्मचारी। ● अमृत विचार

अतिक्रमण पर चला निगम का डंडा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। फुटपाथों पर किए गए कब्जों को हटाया और साथ ही जिन दुकानदारों ने रोड पर कब्जा किया था, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

नगर आयुक्त ऋचा सिंह के नेतृत्व में नगर निगम की टीम मुखानी क्षेत्र में पहुंची। यहां जेल रोड तिराहा, क्रियाशाला, नहर कवरिंग रोड व साई हास्पिटल के पास आदि जगहों पर लोगों ने अवैध कब्जा किया है। फुटपाथ पूरी तरह से कब्जेदारों के पास चले गए हैं। राहगीरों को सड़क पर चलना पड़ता है। यहां तक की कुछ दुकानदारों ने दुकानों को आगे बढ़ा रखा है। इसके अलावा कई जगह अवैध तरीके से फड़ और ठेले लगाए गए थे। इस वजह से शहर के इस व्यस्तम क्षेत्र में बार-बार जाम लगता है।

नगर आयुक्त के आदेश के बाद कई जगह से अतिक्रमण हटाया गया। फुटपाथ खाली कराए गए और साथ ही अवैध फड़ और ठेलों को हटाया गया। नगर आयुक्त ने चेतावनी दी कि अतिक्रमण न करें, अन्यथा आगे भी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा नगर निगम ने वार्ड 40, 47, 53, 60 में सफाई अभियान चलाया और साथ ही छह गोवंश पशुओं को रेस्क्यू किया।

अतिक्रमण हटाती नगर निगम की टीम। ● अमृत विचार

यूके-04 एआर सीरीज आज से

हल्द्वानी, अमृत विचारः नैनीताल जिले में वाहनों के पंजीकरण में दी जा रही सीरीज यूके 04-एक्यू को अब बंद किया जा रहा है। अब नई सीरीज के तहत ही वाहनों के पंजीकरण होंगे। नई सीरीज के तहत नंबर लेने के लिए परिवहन निगम की वेबसाइट पर लॉग इन करना होगा।

इस संबंध में सहायक परिवहन अधिकारी विपिन कुमार सिंह ने बताया कि निजी वाहनों के लिए मौजूदा सीरीज यूके 04-एक्यू अब समाप्त हो रही है। 22 अगस्त यानी शुक्रवार से वाहनों के लिए नई सीरीज यूके 04-एआर को जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नई सीरीज के तहत जो लोग नंबर लेना चाहते हैं वह परिवहन निगम की वेबसाइट पर लॉग इन कर सकते हैं।

मारपीट मामले में छह लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट

बाजपुर : घर के पीछे सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए सीसीटीवी कैमरे हटाने को लेकर करीब सात माह पहले हुई मारपीट मामले में केलाखेड़ा पुलिस ने कोर्ट के आदेशों पर छह लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की है।

वार्ड-6 फिदानगर केलाखेड़ा निवासी शायदा ने धारा-175(3) के अंतर्गत न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वर्ष 2019 में एक आवासीय प्लाट टांडा डालचंद निवासी लाल सिंह से क्रय किया था और तब से उसकी का कब्जा चला आ रहा है तथा प्लाट के कुछ हिस्से में कच्चा मकान बना लिया है, जिसमें वह अपने परिवार के साथ निवासरत है।

उसने अपने इसी घर के पीछे की तरफ लाल सिंह के खेत में खड़े पेड़ पर सुरक्षा के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरा लगा रखा है। आरोप है कि सीसीटीवी कैमरा हटाने को लेकर होमगार्ड के पद पर कार्यरत टांडा डालचंद निवासी चंद्रपाल आए दिन गाली-गलौज व झगड़ा करता रहता है, जबकि उसका इन पेड़ों व प्लाट से कोई मतलब नहीं है। आरोप है कि 30 जनवरी 2025 की सुबह करीब 10 बजे आरोपित अपने भतीजों एवं भाइयों के साथ जबरन घर में घुस गया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

स्वस्थ रहने के लिए कोई जिम जा रहा तो कोई कर रहा सैर

पंतनगर में आयोजित श्रीअन्न महोत्सव कार्यक्रम में बोले राज्यपाल-यह केवल कृषि का नहीं बल्कि जीवन दर्शन का भी उत्सव

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में आयोजित श्रीअन्न महोत्सव कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि दीप जलाकर शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान राज्यपाल ने प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। किसानों को पशु चिकित्सा प्राथमिक उपचार किट वितरित किए और मिलेट्स का लोगो एवं पुस्तिकाओं का विमोचन किया।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि आज का यह महोत्सव केवल कृषि का उत्सव नहीं है। यह हमारे आहार, स्वास्थ्य, संस्कृति और जीवन दर्शन का उत्सव है। आजकल स्वास्थ्य हर व्यक्ति के लिए एक प्रमुख मुद्दा है, हर व्यक्ति स्वस्थ एवं फिट रहना चाहता है, इसके लिए कोई जिम जा रहा है, कोई सुबह की सैर करता है कोई योग करता है। सभी लोग पहले के मुकाबले अधिक जागरूक हो गए है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हमारा खान-पान हमारे स्वास्थ्य पर कितना असर डालता है निःसंदेह 100 प्रतिशत।

उन्होंने कहा कि श्रीअन्न यानी मिलेट्स या सुपर ग्रेन्स इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और विटामिन होते हैं। ये ग्लूटेन-फ्री होते हैं, मधुमेह और मोटापे के लिए रामबाण हैं। पाचन को सुधारते हैं और शरीर में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा उत्तराखंड श्रीअन्न उत्पादन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है। यहां की जलवायु, मिट्टी और परंपराएं श्रीअन्न को प्राकृतिक वरदान प्रदान करती हैं। मंडुआ (रागी), झंगोरा, कोदा, कोणी, सांवा, रामदाना ये फसलें उत्तराखंड की पहचान है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे पर्व और त्योहार इन व्यंजनों से जुड़े हुए हैं। झंगोरे की खीर, मंडुए की बर्फी, मंडुए की रोटी, रामदाने के लड्डू ये केवल स्वाद ही नहीं, बल्कि परंपरा और पोषण का संगम है। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की फसल कम पानी में उगाए जा सकने, शुष्क और गर्म दोनों जलवायु में अच्छा उत्पादन देने, कम रख-रखाव लागत में अच्छी फसल देने के करण यह किसानों में भी लोकप्रिय हो रहे हैं, निश्चित ही इनके उत्पादन से किसानों की आय में भी गुणेत्तर वृद्धि होगी। वहीं कुलपति डॉ.मनमोहन सिंह चौहान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व महामहिम राज्यपाल ने श्री अन्न महोत्सव में लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया व गांधी हॉल जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया।

पंतनगर में आयोजित श्रीअन्न महोत्सव कार्यक्रम में स्टॉलों का निरीक्षण कर जानकारी लेते राज्यपाल। • अमृत विचार

श्रीअन्न की कई किस्में किसानों में लोकप्रिय

पंतनगर : राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ सैनिक ही सशक्त राष्ट्र के प्रहरी होते हैं। पंतनगर विश्वविद्यालय ने भारतीय सेना के साथ मिलकर सैनिकों के भोजन में श्रीअन्न शामिल करने का समझौता किया है। यह कदम हमारे सैनिकों की सेहत और उनके मनोबल को बढ़ाने वाला है। पंतनगर विश्वविद्यालय ने श्रीअन्न की कई किस्में विकसित की हैं जो आज भी किसानों के बीच लोकप्रिय हैं। हाल ही में जनरल बिपिन रावत पर्वतीय शोध निदेशालय की स्थापना हुई है, जिसका उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों में श्रीअन्न उत्पादन और शोध को बढ़ावा देना है। यह एक अत्यंत सराहनीय कदम है।

ये अधिकारी रहे मौजूद

जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, निदेशक शोध डॉ.अजीत सिंह नैन, डॉ.एएस जीना, डॉ.पीके सिंह, डॉ.एसके द्विवेदी, कर्नल ढिल्लन, कर्नल अजीत, सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल, एसडीएम बीएस चलाल सहित अनेक अधिकारी, डीम, डायरेक्टर, किसान, जवान, विद्यार्थी मौजूद थे।

देवभूमि उत्तराखंड योग और आयुर्वेद की जननी

पंतनगर : राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड योग और आयुर्वेद की जननी है। यहां से दुनिया ने संतुलित जीवन का संदेश पाया है। योग शरीर और मन को शुद्ध करता है। आयुर्वेद रोगों से रक्षा करता है और श्रीअन्न शरीर को पोषण देता है। स्वास्थ्य के महत्व के बारे में चरक संहिता में कहा गया है धर्मार्थकाममोक्षाणां आरोग्य मूलमुत्तमम्। आरोग्यं हीनता सर्वंनास्ति सुखमनुत्तममश् अर्थात-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चार पुरुषार्थों का मूल स्वास्थ्य है। स्वास्थ्य के बिना जीवन में कोई भी सुख या लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए यदि हमें फिट इंडिया और फिट उत्तराखंड का सपना साकार करना है तो योग, आयुर्वेद, श्रीअन्न और संतुलित जीवन शैली को अपनाना होगा।

लकड़ी तस्करी प्रकरण में आरोपी हुआ दोषमुक्त

- **2018 में वन विभाग ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनाया फैसला**

रुद्रपुर: वर्ष 2018 में लकड़ी तस्करी के प्रकरण में घिरे एक आरोपी को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

जानकारी के अनुसार 19 जून 2018 को तराई केंद्रीय वन प्रभाग के वन दरोगा दुर्गा दत्त मेलकानी ने मिली सूचना के आधार पर गदरपुर के गांव मुकुंदपुर में दबिश देकर ट्रेक्टर और बाइकों पर लदे 40 से अधिक खैर लकड़ी बरामद की थी। तफ्तीश में धीरेंद्र पाल सिंह नाम के व्यक्ति का नाम सामने आया और वन विभाग की टीम ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। प्रकरण की सुनवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयेंद्र सिंह की अदालत में हुई। जहां अभियुक्त पक्ष के अधिवक्ता ने अदालत के सामने कई गवाह पेश किए और दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने लकड़ी तस्करी के इल्जाम में फंसे अभियुक्त धीरेंद्र पाल सिंह को दोषमुक्त करने का

फाजलपुर महरौला के लोगों ने जताया हर्ष

विधायक अरोरा को बुके देकर आभार जताते फाजलपुर महरौला के लोग।

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: फाजलपुर महरौला क्षेत्र के लोगों ने विधायक शिव अरोरा के कार्यालय पहुंचकर उनका आभार जताया। वहीं विधायक अरोरा ने क्षेत्र के लोगों को अश्वस्त किया कि वह हर प्रकार से उनके साथ खड़े हैं। जो सभी मानक पूरे कर लम्बे अरसे से वहां निवास कर रहे हैं उनको सरकार शासन के स्तर से जो समाधान हो पायेगा उसके लिये पूर्ण प्रयास किये जाएंगे।

यहां बता दें कि फाजलपुर महरौला क्षेत्र में उच्च न्यायालय के 2017 के स्थगन आदेश के बाद से वहां भूमि खरीद बेच पर रोक लग गई। जिस कारण वहां के हजारों परिवार जिन्होंने सीलिंग के मानकों को पूरा कर अपने-अपने भूखंड पर भवन निर्माण किए तो वहीं न्यायालय के आदेश के बाद से वहां हर प्रकार की रोक लग गई। जिससे बाद से वहां ने तो बिजली कनेक्शन हो पा रहे हैं और न खरीद बेच हो पा रही है। जिसके बाद से हजारों परिवार पर एक संकट बना हुआ है।

इसी को लेकर विधायक अरोरा ने विगत दिवस गैरसैण विधानसभा सत्र के दौरान नियम 53 के तहत इस विषय को उठाया था, जिसके बाद से ही फाजलपुर महरौला क्षेत्र के लोगों में एक नई उम्मीद जगी है कि जल्द वर्षो से रह रहे लोगों की समस्या का समाधान हो जाएगा। इस अवसर पर गजेंद्र प्रजापति, पार्षद पति संतोष गुप्ता, जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, नवाब सिंह, हरजीत खुराना, कमवीर सिंह, राजबहादुर शर्मा, केबी सिंह, रजवीर विर्क, रोहित मित्तल, उपेंद्र गुप्ता, संजय चौधरी, योगेश यादव, मनोज सक्सेना आदि लोग मौजूद रहे।

खटीमा के कुटरी स्थित खाली भवन का निरीक्षण करते सीडीओ और अन्य।

सहकारी संघ के खाली पड़े भवन का सीडीओ ने किया निरीक्षण

खटीमा : मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने ग्राम पंचायत कुटरी का दौरा कर अनुसूचित जनजाति सहकारी संघ के खाली पड़े भवन का निरीक्षण कर उसमें लाइब्रेरी बनाने की संभावनाओं का जायजा लिया। ग्राम प्रधान दीपा देवी ने बताया कि इस भवन में पहले सहकारी संघ की सस्ता गल्ला की दुकान चलायी जाती थी लेकिन अब दुकान व्यक्तिगत होने से यह भवन खाली पड़ा है। इसमें लाइब्रेरी बनाना छात्र हित में लाभदायक होगा। इसके बगल में पंचायत घर व इंटर कॉलेज है और इसे चलाने के लिए ग्राम पंचायत भी अपना पूरा योगदान देगा। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र सिंह कन्याल, ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अमित भारती, लक्ष्मण सिंह, सुरजीत राणा आदि मौजूद थे।

दून जा रहे किसानों को रोकने पर गुस्सा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: अपनी मांगों को लेकर देहरादून जा रहे किसानों को बहादराबाद हरिद्वार टोल प्लाजा पर रोक कर लाठी चार्ज करने की जानकारी से यहां किसानों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित किसानों ने कोतवाली गेट के बाहर एक घंटे का सांकेतिक धरना-प्रदर्शन कर रोष व्यक्त किया।

गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे कुछ किसान भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा की अगुवाई में एकत्रित होकर कोतवाली गेट पर पहुंचे और धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी कर अपना रोष प्रकट किया। इस दौरान भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा ने कहा कि उत्तर-प्रदेश, पंजाब, हरियाणा की तरह उत्तराखंड में भी किसानों के बिजली के बिल माफ करने, स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया अविलंब रोकने एवं गन्ने का समर्थन मूल्य कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल करने समेत अपनी कई जायज मांगों को लेकर किसान देहरादून जा रहे थे, जिन्हें रास्ते में घेरकर पुलिस ने लाठी चार्ज किया है, जिसकी हम घोर निंदा करते हैं और इस बात बहुत बड़ा दुःख है। कहा कि किसानों पर इस तरह लाठी चार्ज व उत्पीड़न हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मौके पर भाकियू के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा, ज्येष्ठ ब्लाक प्रमुख रजनीत सिंह सोनू, हरप्रीत सिंह निज्जर, प्रताप सिंह संधू, प्रिंस ढिल्लो, राजेंद्र सिंह बेदी, बलविंदर सिंह, संदीप सिंह वर्क, प्रभशरण सिंह, गगन सरना, सुबेग सिंह, रिंकू, मंदीप, हरजिंदर सिंह, विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में कोतवाली गेट पर धरना देते किसान। • अमृत विचार

ट्रांजिट कैंप के नाले में मिला नवजात का शव

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक नाले से नवजात का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर नवजात को फेंकने वाली मां की तलाश शुरू कर दी है। गुरुवार की सुबह थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को नाले में एक नवजात का शव पड़ा होने की सूचना मिली। पुलिस ने जब मौका मुआयना किया तो पता चला कि शव वार्ड सात आजादनगर श्मशान घाट रोड स्थित एक नाले में पड़ा हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका है कि लोक लज्जा के कारण ही नवजात को नाले में फेंक दिया गया होगा। इसके बाद पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के इलाकों में भी पूछताछ की। थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में नवजात के पैदा होते ही लोक लज्जा के कारण फेंके जाने की संभावना है। बावजूद सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच जारी है। चिह्नित करने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

तमंचा लेकर टशन दिखाना पड़ा भारी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके में तमंचा लेकर टशन दिखाना एक युवक को भारी पड़ गया। जब युवक की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो पुलिस ने युवक को पकड़ कर पहले सबक सिखाया और फिर आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

बताते चलें कि कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें एक युवक स्कूटी पर बैठा हुआ है और खेड़ा बस्ती में खुलेआम एक तमंचा हाथ में लिए टशन दिखाता हुआ दिखाई दे रहा था। जिसकी भनक लगते ही रंपुरा चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार ने प्रकरण का संज्ञान लिया और खेड़ा बस्ती निवासी रवि चौहान को चिह्नित कर दबोच लिया।

पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा भी बरामद किया। पूछताछ में आरोपी का कहना था कि उसका पड़ोसी से झगड़ा हो गया था और वह तमंचा दिखाकर पड़ोसन को भयभीत कर रहा था। पुलिस ने अभियुक्त को पुलिसिया अंदाज में सबक सिखाते हुए आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

गिरफ्तार आरोपी के साथ पुलिस टीम।

विदेशी पिस्टल के साथ आरोपी गिरफ्तार

नानकमत्ता : पुलिस ने विदेशी पिस्टल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि रात्रि गस्त के दौरान चेकिंग करते समय सिद्धा नवदिया के समीप आरोपी लखविंदर सिंह उर्फ सोनू निवासी दहला थाना नानकमत्ता के कब्जे से एक विदेशी पिस्टल बरामद कर आरोपी के विरुद्ध 3/25 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पहले भी अनैतिक देह व्यापार अधिनियम में नानकमत्ता थाने में मुकदमा पंजीकृत हैं। टीम में उपनिरीक्षक नवल किशोर, हेड कांस्टेबल नवनीत कुमार आदि शामिल रहे।

श्री राम नाटक क्लब के विशाल अध्यक्ष

- **वार्षिक कार्यकारिणी घोषित गौरव बने महामंत्री, कार्यकारिणी के बाद शुरू होगा अभ्यास**

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : श्री रामलीला मंचन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शहर की मुख्य रामलीला मंचन को लेकर श्री राम नाटक क्लब की वार्षिक कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से विशाल को अध्यक्ष और गौरव को महामंत्री बनाया गया। काफी मंथन के बाद निर्णय लिया गया कि रामलीला मंचन की तैयारी प्रारंभ होगी और रामलीला के कलाकार भी अपना अभ्यास शुरू कर देंगे।

गुरुवार को रामलीला मैदान रोडवेज के समीप स्थित सभागार में रामलीला नाटक क्लब के कलाकारों की एक बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मति से विशाल भुड्डी को अध्यक्ष और गौरव तनेजा को महामंत्री बनाया गया। सचिन मुंजाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी का संरक्षक मोहन लाल भुड्डी को बनाया गया। सरपरस्त हरीश सुखीजा, प्रेम खुराना, राम कृष्ण कन्नौजिया, संजीव आनंद व गुरशरण बब्बर को मनोनीत किया गया। वहीं डायरेक्टर गौरव बेहड़, मनोज मुंजाल, आशीष ग्रोवर, अनिल तनेजा को बनाया गया। मीडिया प्रभारी का दायित्व सुशील गाबा और राजकुमार कक्कड़ व रमन अरोड़ा को सचिव बनाया गया। मंच व्यवस्था मनोज अरोड़ा, सुभाष तनेजा, सचिन आनंद और नरेश छाबड़ा को दिया गया। कमेटी के अध्यक्ष विशाल भुडडी ने बताया कि 22 अगस्त की रात्रि 9 बजे पांच मंदिर में श्री रामलीला के कलाकारों का चयन होगा। इसके बाद रिहर्सल प्रारंभ कर दी जाएगी।

बैठक करते श्रीराम नाटक क्लब के कलाकार। • अमृत विचार

बस की चपेट में आने से महिला की मौत

किच्छा: सड़क किनारे खड़ी महिला को अनियंत्रित बस ने कुचल दिया। घटना में गंभीर रूप से घायल महिला की मौके पर ही मौत हो गई। थाना पुलिस ने मृतका के पुत्र की शिकायत पर अज्ञात बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर 19, सिरौली कला, थाना पुलभट्टा निवासी शराफत शाह ने बताया कि 16 अगस्त की रात्रि करीब 11:30 बजे उसके चाचा का अचानक स्वास्थ्य खराब होने की सूचना पर वह अपनी माता अनीश बानो के साथ सिरौली कला जा रहे थे। इसी बीच किच्छा से पुलभट्टा की तरफ जा रही बस के चालक ने सड़क किनारे खड़ी अनीश बानो को टक्कर मार दी। घटना में पीड़ित की माता अनीश बानो की मौत हो गई।

अतिक्रमण के खिलाफ दिखाई गांधीगिरी

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : नगर को अतिक्रमण मुक्त एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर पंचायत चेयरमैन ने अनोखा कदम उठाया। नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने गांधीगिरी का रास्ता अपनाते हुए व्यापारियों को गुलाब का फूल देकर फुटपाथ एवं सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाने की अपील की।

अतिक्रमण के खिलाफ लगातार उठ रही आवाज के दृष्टिगत गुरुवार को नगर पंचायत शक्तिगढ़ की टीम ने शक्तिफार्म बाजार का निरीक्षण किया। फुटपाथ एवं सड़क तक कब्जा जमाए बैठे व्यापारियों से अतिक्रमण हटाने की अपील की। नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने व्यापारियों को गुलाब का फूल देकर अतिक्रमण हटाने की अपील की। उन्होंने कहा कि फुटपाथ आमजनों के चलने के लिए बनाया गया है। इस पर अतिक्रमण न करें ताकि नगर में जाम की स्थिति न बने। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुनील महर ने कहा कि जिन्होंने नाली से बाहर व सड़क तक अतिक्रमण कर बैठे हैं, वह स्वयं अतिक्रमण हटा लें। शुक्रवार से अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही चालानी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। उन्होंने वाहन स्वामियों एवं अतिक्रमणकारियों से नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने की अपील की।

व्यापारियों को गुलाब का फूल देते चेयरमैन सुमित मंडल।

बरा बाजार में चाचा भतीजे पर हमला

किच्छा : पुलभट्टा थाना अंतर्गत क्षेत्र में राशन का सामान लेने गए युवक तथा उसके भतीजे पर कुछ लोगों ने हमला कर दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में ग्राम तीन पानी फिरोजपुर, थाना पुलभट्टा निवासी विक्की नाथ ने बताया कि विगत 16 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे वह अपने भतीजे राहुल नाथ के साथ बरा बाजार में त्योहार पर मिठाई बनाने का सामान खरीदने गया था। बताया कि इसी दौरान ग्राम बरा निवासी अमित कश्यप, भानु एवं महेंद्र ने पीड़ित तथा उसके भतीजे को बरा बाजार में घेर लिया तथा अमित कश्यप ने धारदार पाटल तथा अन्य लोगों ने हॉकी एवं डंडे से दोनों के साथ बुरी तरह मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में भतीजे के सिर पर गहरी चोट लग गई तथा पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी बीच तमाम लोगों के पहुंचने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए।

मंत्री पुत्र गुरकीरत सिंह, जोराबर के विरुद्ध दायर अपहरण का केस निरस्त

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ब्लॉक प्रमुख चुनाव में उप्र के कृषि राज्य मंत्री बल्देव सिंह औलख के पुत्र गुरकीरत सिंह, ब्लॉक प्रमुख पति जोराबर सिंह भुल्लर व नगर पंचायत केलाखेड़ा के पूर्व अध्यक्ष हामिद अली के विरुद्ध थाना केलाखेड़ा में पंजीकृत प्राथमिकी को उच्च न्यायालय द्वारा निरस्त करने के आदेश दिए हैं। आदेश के पीछे प्राथमिकी करवाने वाले व्यक्ति द्वारा दबाव में प्राथमिकी लिखाने की बात कही गई है।

जोराबर सिंह भुल्लर।

मामले की जानकारी देते हुए ब्लॉक प्रमुख पति जोराबर सिंह भुल्लर ने बताया कि दस अगस्त को ग्राम भव्वानगला थाना केलाखेड़ा निवासी मोहम्मद रफीक ने अपने पुत्र बीडीसी मेंबर नफीस अली के अपहरण का आरोप तीन लोगों पर लगाया था, जिसमें पुलिस ने बीएनएस की धारा-140 के तहत उनके विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की थी जिसके विरुद्ध तीनों लोगों ने उच्च न्यायालय में अपील करते हुए केस निरस्त करने की मांग की थी। याचिका संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत मंत्री पुत्र गुरकीरत औलख पुत्र बल्देव सिंह औलख, जोराबर पुत्र दीन दयाल सिंह भुल्लर की ओर से दायर की गई है, जिसमें मोहम्मद रफीक द्वारा धारा-140 के अंतर्गत अपराध से संबंधित प्राथमिकी संख्या 112/2025 को दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने की मांग की गई थी, जिसमें वादी मोहम्मद रफीक ने न्यायालय में बयान दिया कि प्रतिवादी के पुत्र का याचिकाकर्ताओं द्वारा अपहरण नहीं किया गया था और कुछ लोगों के कहने पर याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दबाव में दर्ज कराई गई थी, वह तीनों याचिकाकर्ताओं पर कोई मुकदमा नहीं चाहता है। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी ने दोनों पक्षों का समझौतानामा स्वीकार कर लिया।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम शैलेन्द्र (पुराना नाम) से बदलकर शैलेन्द्र साह (नया नाम) कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे शैलेन्द्र साह (नया नाम) S/o स्व. श्याम लाल साह के नाम से जाना-पहचाना जाए। **वर्तमान पता रवि-दर्शन, सूखाताल, मल्लीताल, नैनीताल (उत्तराखण्ड)**

ब्रीफ न्यूज

उधारी के 72 हजार रुपयों को लेकर मारपीट

बाजपुर : उधारी के 72 हजार रुपयों को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई और बात बढ़ी तो मारपीट होने लगी। पुलिस ने एक पक्ष की ओर से तहरीर में नामजद पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है। ग्राम जामीनगंज स्वार रामपुर उप्र निवासी नूर अहमद ने पुलिस को बताया कि रतनपुरा निवासी यासीन ने उससे 72 हजार रुपये उधार लिए थे। 17 अगस्त को वह बरहैनी में डुवाल फार्म में पापुलर की लाट (पेड़) कटवा कर लकड़ियों को अपनी गाड़ी में भरवा रहा था। इसी बीच उसने यासीन को फोन करके अपने 72 हजार रुपये लौटाने को कहा तो वह गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि कुछ देर बाद आरोपित यासीन अपनी पत्नी सायेरून, राऊफ, जानेआलम निवासी रतनपुरा एवं रिजवान निवासी ग्राम दूंदावाला स्वार रामपुर उप्र व 5-6 हथियारबंद अज्ञात व्यक्तियों के साथ वहां आ पहुंचा और गाली-गलौज व मारपीट करने लगा, जिसमें उसे काफी चोटें आई हैं। चीख-पुकार सुनकर श्रमिकों एवं अन्य लोगों ने किसी तरह बचाया। वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद पांचों आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला करने का आरोप

बाजपुर : पुरानी रंजिश में गाली-गलौज करते हुए जानलेवा हमला करने का आरोप लगा पीड़ित ने पुलिस चौकी बन्नाखेड़ा में तहरीर दी है, जिसमें पुलिस ने नामजद दो लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है। ग्राम गोबरा निवासी रीना प्रजापति ने पुलिस को बताया कि 9 अगस्त को आरोपित ग्राम गोबरा हांडा घाट बाजपुर निवासी विकास एवं राजू ने उसके पति विनोद को फोन करके अपने घर बुलाया। आरोप है कि आरोपितों ने जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके पति के चोटें आई हैं। वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद दोनों आरोपितों पर प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत

बाजपुर : तेंदुए की लगातार मौजूदगी से टांडा गोरू विक्रमपुर में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने बन्नाखेड़ा वन चौकी पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए वन्यजीव तेंदुआ पकड़ने के लिए पिंजरा इत्यादि लगाने की मांग की है। बाजपुर विकासखंड क्षेत्र बन्नाखेड़ा, बरहैनी वन सीमा से सटा हुआ है, जिसके चलते आबादी क्षेत्र में वन्यजीवों का पहुंचना लगातार बना हुआ है। पिछले लंबे समय से आबादी क्षेत्र में एक-दो नहीं कई तेंदुआ परिवार घूम रहे हैं, जोकि लोगों के लिए दहशत का पर्याय बने हुए हैं। ग्राम टांडा गोरू विक्रमपुर में लगातार बनी तेंदुआ की मौजूदगी ने ग्रामीणों को खासा परेशान कर रखा है। लोगों ने देर-सबेर घरों से निकलना बंद कर दिया है।

आठ मकानों पर लगाया गया था नोटिस, विधायक-पूर्व विधायक भी मौके पर पहुंचे, कार्रवाई रुकवाई

श्याम होम्स में पहुंची जेसीबी, लोगों में मचा हड़कंप

संवाददाता, रुद्रपुर

टीम से बातचीत करते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

लोगों से जानकारी लेते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भूरारानी गांव से सटी कॉलोनी में जब भारी पुलिस फोर्स के साथ जेसीबी धड़धड़ाते हुए पहुंची तो वहां रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। इस दौरान चिह्नित मकान के वाशिंदे रोने बिलखने लगे। जिसके बाद टीम ने कोर्ट का नोटिस चस्पा किया और ध्वस्तीकरण कार्रवाई की शुरू ही करने वाले थे कि विधायक एवं पूर्व विधायक भी मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने कार्रवाई रोकी और टीम को वापस भेजा।

बताते चलें कि पिछले कुछ समय से भूरारानी गांव स्थित श्याम होम्स कॉलोनी पर विवाद चल रहा था और मामला कोर्ट में विचाराधीन था। जिसके तहत कॉलोनी के आठ मकानों को चिन्हित कर दिया गया। गुरुवार की दोपहर अचानक जब भारी पुलिस फोर्स और जेसीबी मशीनों के साथ नगर निगम की टीम पहुंची तो कॉलोनी के बाशिंदों में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलते ही विधायक शिव अरोरा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा आदि भी पहुंच गए। जिसे देखकर स्थानीय लोगों ने अपनी व्यथा सुनायी। इस दौरान विधायक व ध्वस्तीकरण टीम में नोकझोंक भी हुई। काफी जद्दोजहद के बाद आखिरकार विधायक के सख्त रुख और हस्तक्षेप के बाद टीम वापस लौटी।

बिल्डर के खिलाफ निकाली भड़ास: चिह्नित आठ परिवारों के अलावा श्याम होम्स कॉलोनी के लोगों का आरोप था कि जिस वक्त प्लांट खरीदकर अपनी जमापूंजी लगाई थी। उस वक्त भी कॉलोनी के बिल्डर दीपक चराया ने भूमि पर किसी भी प्रकार का विवाद होने की कोई जानकारी नहीं दी और धड़ल्ले से खरीद फरोख्त कर डाली। यदि बिल्डर सच्चाई बता देता तो शायद ध्वस्तीकरण का भय नहीं होता।

भूमाफियाओं की कराऊंगा जांच: विधायक

रुद्रपुर : विधायक शिव अरोरा ने बताया कि श्याम होम्स के बिल्डर व जमीन स्वामी के बीच आपसी विवाद है, जबकि भूमि की रजिस्ट्री व दाखिल खारिज भी हुई है। ऐसे में दोनों पक्षों ने न्यायालय को गुमराह भी किया है। जिसके वजह से बेबस लोग भयभीत हैं और कोई नोटिस भी जारी नहीं हुआ। इस प्रकार के भूमाफिया बहुत हैं। जिसको लेकर डीएम से वार्ता कर जांच कराई जाएगी और कठोर कार्रवाई करवाने का प्रयास किया जाएगा।

रिटायर्ड लेखा परीक्षक से 54.30 लाख की ठगी

संवाददाता, रुद्रपुर

- शेयर मार्केटिंग का झांसा देकर लगाया चूना
- साइबर क्राइम सेल ने किया मुकदमा दर्ज

अमृत विचार : वन निगम से सेवानिवृत लेखा परीक्षक से साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। शेयर मार्केटिंग का झांसा देकर लाखों की ठगी हुई है। वहीं साइबर क्राइम सेल ने मुकदमा दर्ज कर जांच भी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार नवाबी रोड हल्द्वानी निवासी वन विभाग से सेवानिवृत लेखा परीक्षक गंगा सिंह परिहार ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि व्हाट्सअप पर शेयर मार्केटिंग का प्रचार दिखा। जब उसे क्लिक किया तो 13 जून को एक अज्ञात कॉलर की कॉल आई, जो खुद को शेयर मार्केट का असिस्टेंट बता रहा था। उन्होंने बताया कि इस दौरान कॉलर ने ऑनलाइन शेयर मार्केटिंग की जानकारी देते हुए दोगुना मुनाफा देने का प्रलोभन दिया। इसके बाद 10 जुलाई से पांच अगस्त तक कई खातों से 54.30 लाख रुपये बताए खाते में भेजे।

उन्होंने बताया कि जब कई दिनों बाद भी मुनाफा खाते में नहीं आया तो साइबर ठगी होने का एहसास हुआ और साइबर अपराधियों ने संपर्क करना बंद हो गया। शिकायतकर्ता ने साइबर क्राइम थाना सेल को लिखित शिकायती पत्र दिया। जिसके आधार पर साइबर सेल ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर साइबर क्राइम सेल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि रिटायर्ड लेखा परीक्षक से लाखों की साइबर ठगी प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर लिया है और खातों में ट्रांसफर रकम के खातों को खंगाला जा रहा है।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांध कर किया गोलीकांड का विरोध

स्कूल में छात्र द्वारा शिक्षक को गोली मारने का मामला, काशीपुर के निजी स्कूल रहे बंद, प्रशासन से शिक्षकों की सुरक्षा की मांग

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुंडेश्वरी रोड स्थित स्कूल में एक शिक्षक को कक्षा 9 के छात्र द्वारा गोली मारे जाने की घटना के विरोध में शहर के अधिकतर सीबीएसई और मान्यता प्राप्त विद्यालय बंद रहे। शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। इसके बाद प्रशासन के साथ हुई बैठक में शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

बुधवार को एक पब्लिक स्कूल में छात्र द्वारा शिक्षक को गोली मारने के बाद शिक्षकों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। गुरुवार को काशीपुर के समस्त सीबीएसई और मान्यता प्राप्त स्कूल बंद रहे। शिक्षकों ने घटना के विरोध में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। इसके बाद दोपहर में ऊधम सिंह नगर इंडिपेंडेंट स्कूल एसोसिएशन तत्वावधान में प्रशासन के साथ एक संवाद गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को अन्य संगठनों का भी समर्थन मिला। इस दौरान एक ज्ञापन सौंपकर प्राइवेट स्कूलों में शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित किये जाने की मांग की गई। कार्यक्रम में मौजूद महापौर दीपक बाली ने छात्र द्वारा शिक्षक को गोली मारे जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की निंदा करने से ही काम नहीं चलेगा बल्कि पूरे समाज को इस पर मंथन करना चाहिए, क्योंकि जिस तरह से सोशल मीडिया के चलते बच्चे हिंसक और आपराधिक गतिविधियों को देखकर गलत संगति की राह पर चल रहे हैं उसी का परिणाम है कि हमारी युवा शक्ति गलत दिशा में जा रही है। इस दौरान एक शिक्षिका द्वारा शांतिपूर्वक मार्च निकाले जाने पर प्रशासन द्वारा आपत्ति उठाने का संज्ञान लेते हुए बाली ने कहा कि इस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। आप मार्च निकालें, मैं और पूरा प्रशासन आपके साथ है। उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह ने कहा कि उक्त घटना हमारे संज्ञान में देर से आई। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की बात उच्चाधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी। एसपी काशीपुर अभय सिंह ने ज्ञापन में अंकित बिंदुओं पर कार्रवाई के लिए आश्वस्त करते हुए कहा कि पुलिस आपकी मदद के लिए है। किसी भी घटना की सूचना पुलिस तक अवश्य पहुंचाएं। समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही विद्यालयों में लगी शिकायत पेटिका के प्रति अभिभावकों और विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए इस ओर विशेष ध्यान दिये जाने का आह्वान किया गया। एडीएम कौस्तुभ मिश्रा ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का संज्ञान लिया गया है। उन्होंने घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि पुलिस इसकी जांच कर रही है। जांच के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। एडीएम ने इस दौरान उपस्थित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये। वहां पर मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, खण्ड शिक्षा अधिकारी धीरेन्द्र साहू, कोतवाली प्रभारी अमर चन्द्र शर्मा के अतिरिक्त एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग कुमार सिंह, उपाध्यक्ष पंकज भल्ला, सचिव ललित रौतेला, कोषाध्यक्ष विनीत सिंघल, मुक्ता सिंह, बीवी भट्ट, जसपाल सिंह चड्ढा, दिलप्रीत सिंह सेठी, राहुल पैगिया, गौरव गर्ग, सुशील शर्मा, जगदीश सिंह सैनी, केएस डसीला, सत्य प्रकाश भटनागर, जगजीत सिंह कोहली, गुंजन सुखीजा आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में बंद रहे सभी निजी स्कूल

बाजपुर : काशीपुर के कुंडेश्वरी क्षेत्र स्थित गुरुनानक स्कूल में गोली मारकर शिक्षक को घायल करने के विरोध में यहां भी अधिकतर निजी विद्यालयों में अवकाश रहा। वहीं उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ की स्थानीय शाखा की बैठक में घटना पर रोष प्रकट करते हुए शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल उठाए। गुरुवार को इंटरमीडिएट कॉलेज बाजपुर में खंडशिक्षा अधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ की स्थानीय शाखा की आपात बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य कैप्टन एसपी सिंह ने कहा कि यह हमला एक शिक्षक पर नहीं, बल्कि पूरे शिक्षक समाज पर हुआ है। ऐसे माहौल में शिक्षक अपने कर्तव्यों को ठीक से नहीं निभा पाएगा। वरिष्ठ प्रवक्ता रामाशंकर ने कहा कि कई छात्र स्कूलों में मोबाइल व हथियार एवं बाइक लेकर आते हैं और शासन-प्रशासन द्वारा उनकी कोई जांच नहीं करवाई जाती है, ऐसे माहौल में इनका मनोबल बढ़ जाता है और ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। प्रवक्ता हरपाल सिंह ने काशीपुर घटना की घोर निंदा की तथा ऐसे छात्रों को कठोर दंड देने की मांग की। वरिष्ठ प्रवक्ता प्रवीण कुमार अरोरा ने कहा कि शिक्षक के अधिकार सीमित कर दिए गए हैं, जबकि छात्रों को ज्यादा आजादी दी गई है, जिसके चलते कुछ विद्यार्थी विद्यालयों में दबंगई दिखाते हैं और कई विद्यालयों में शिक्षकों के लिए कार्य करना बहुत मुश्किल हो गया है। बैठक में योगेंद्र कुमार भक्त, धीरज सक्सेना, प्रदीप चंद्र जोशी, डा.रविंदर सिंह, जयप्रकाश यादव, पंकज सिंह फर्त्याल, जगदीश कुमार, सुनील कुमार, संजय कुमार सिंह, भूपेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे। बैठक का संचालन सचिव गजेंद्र प्रताप वत्सल ने किया।

आरोपी छात्र को भेजा बाल सुधार गृह

काशीपुर : शिक्षक को गोली मारने वाले आरोपी नाबालिग छात्र को पुलिस ने रुद्रपुर के किशोर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

शिक्षक की स्थिति में आया पहले से सुधार

काशीपुर : छात्र द्वारा गोली मारने से घायल शिक्षक की स्थिति में सुधार है। चामुंडा मंदिर स्थित कृष्णा अस्पताल में शिक्षक का इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के मुताबिक अब शिक्षक की स्थिति में पहले से सुधार आया है।

20 प्रतिशत स्कूल खुले होने पर जताई नाराजगी

काशीपुर : गुरुवार को पूरे सीबीएसई और मान्यता प्राप्त स्कूल बंद होने के आह्वान के बाद भी काशीपुर के 20 प्रतिशत स्कूल खुले रहे है। जिस पर गुरुनानक स्कूल के शिक्षकों ने नाराजगी व्यक्त की।

लेवड़ा नदी पर होगा दो नये पुलों का निर्माण

बाजपुर : अगले वर्ष जनता को लेवड़ा नदी में आने वाली बाढ़ से काफी हद तक राहत मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अनुरूप लेवड़ा नदी पर बनने वाले दो पुलों की राशि की प्रथम किस्त विभाग को दे दी गई है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य प्रारंभ होने की संभावना है। शासन द्वारा 18 अगस्त को जारी आदेश में मुख्यमंत्री की घोषणा संख्या 391/2024 के अंतर्गत बेरिया रोड पर 9 मीटर स्पान पुल के स्थान पर 15 मीटर स्पान का नया पुल बनाया जाएगा, जिसमें एक करोड़ 34 लाख 72 हजार रुपये की धनराशि व्यय होगी। इसी प्रकार उपरोक्त घोषणा के अंतर्गत ही चकरपुर धनसारा मार्ग पर लेवड़ा नदी के ऊपर पुरानी पुलिया के स्थान पर 15 मीटर स्पान का नया पुल बनाया जाएगा, जिसमें एक करोड़ 48 लाख 25 हजार रुपये की धनराशि खर्च होगी। उपरोक्त आदेश के तहत प्रारंभिक कार्यों के लिए 20 लाख रुपये का बजट विभाग में निहित किया गया है। लोक निर्माण विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार 25 सितंबर तक टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण करने वाली कंपनी का निर्धारण कर दिया जाएगा। अगली बरसात से पूर्व पुलों का निर्माण हो जाए, इसी प्रकार निर्माण अवधि की समयसीमा भी निर्धारित की जा रही है। भाजपा नेता गौरव शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लेवड़ा नदी के प्रति काफी गंभीर हैं और इस बार के हालातों को देखते हुए तत्काल पुलों की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। अन्य कार्य योजनाओं को भी अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

एसएसबी महानिरीक्षक ने किया निरीक्षण

संवाददाता, खटीमा

खटीमा से लगी नेपाल सीमा पर जायजा लेते एसएसबी के महानिरीक्षक अमित कुमार।

अमृत विचार: सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय रानीखेत के महानिरीक्षक अमित कुमार ने 57वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकियों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा दिया।

महानिरीक्षक कुमार ने इंडो-नेपाल सीमा स्थित सीमा चौकियों नारायण नगर, सिसैया और मेलाघाट का दौरा कर सीमा सुरक्षा के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। महानिरीक्षक कुमार ने स्थलीय निरीक्षण करते हुए जवानों को सीमा सुरक्षा में और अधिक सतर्कता एवं सक्रियता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने सीमा चौकी सिसैया में चल रहे निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने बताया कि एसएसबी अपने आदर्श वाक्य सेवा, सुरक्षा व बंधुत्व को आत्मसात करते हुए दिन-रात पहाड़ से लेकर तराई तक हर मौसम और हर परिस्थिति में राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित है। इस दौरान महानिरीक्षक अमित कुमार ने जवानों की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन की प्रशंसा की। इस अवसर पर क्षेत्रीय मुख्यालय पीलीभीत के उपमहानिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा, 57 बटालियन के कमांडेंट मनोहर लाल मौजूद रहे।

पूर्व दर्जा राज्यमंत्री को धमकी देने के प्रकरण में मुकदमा

रुद्रपुर : कांग्रेस नेता एवं पूर्व दर्जा राज्यमंत्री को गोली मारने की धमकी देने के प्रकरण में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब उस शख्स की तलाश में जुट गई है, जिसने जान से मारने की धमकी का कार्य किया। रामनगर निवासी पूर्व दर्जा राज्य मंत्री अरुण कुमार शुक्ला उर्फ किन्नू शुक्ला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए बताया था कि 18 अगस्त का जब वह गौशाला में सेवा कर रहे थे कि तभी अज्ञात व्यक्ति की कॉल आयी। इस दौरान कॉलर ने अभद्रता करते हुए गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी। शिकायती पत्र देने के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस नेता ने प्रेस वार्ता कर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीडीआर रिपोर्ट निकलवा रही है।

व्यापारी की रोकी गाड़ी, नेताओं का चढ़ा पारा

- प्रवर्तन कार्यालय में किया धरना प्रदर्शन, देर रात्रि तक समझाते रहे अधिकारी

संवाददाता, रुद्रपुर

राज्य कर प्रवर्तन कार्यालय में धरना देते व्यापारी नेता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: राज्य कर विभाग द्वारा व्यापारी की गाड़ी पकड़कर खड़ी किए जाने से भड़के व्यापारी नेताओं ने राज्य कर के प्रवर्तन कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद देर रात्रि तक राज्य कर अधिकारी समझाते रहे और आखिरकार गाड़ी छोड़ने के बाद ही व्यापारियों का गुस्सा शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार बुधवार की देर शाम राज्यकर विभाग की प्रवर्तन टीम काशीपुर बाइपास रोड पहुंची और एक व्यापारी की गाड़ी रोककर कागजातों की पड़ताल की। इसके बाद जांच के नाम पर टीम ने रामपुर रोड स्थित प्रवर्तन कार्यालय में जाकर खड़ी कर दी। इसकी भनक लगते ही व्यापारी नेता संजय जुनेजा, महामंत्री मनोज छाबड़ा और कोषाध्यक्ष संदीप राय व्यापारियों के साथ पहुंचे और कार्यालय के अंदर ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप था कि त्यौहार का सीजन करीब है और बाजार इलाके में अक्सर छोटी गाड़ियां सामान ढोने के लिए प्रयोग की जाती हैं। बावजूद प्रवर्तन की टीम गाड़ी रोककर बेवजह छोटे व्यापारियों को परेशान करती है और आर्थिक दंड लगाती है। इससे व्यापारियों को काफी आर्थिक नुकसान हो रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगाह किया कि यदि जल्द ही जीएसटी विभाग ने अपना रवैया नहीं बदला तो अनिश्चितकालीन बाजार बंद किया जाएगा। इस मौके पर दीपक बेहड, राजेश कामरा, पवन गाबा, राजकुमार सीकरी, सोनू खुराना, अंश अग्रवाल, पारस अरोड़ा, रजत सेठी, सतीश अरोड़ा, सोनू गाबा, मैहुल सेठी आदि मौजूद रहे।

आलिम हत्याकांड | **गिरफ्तारी नहीं हुई तो हो सकती है बड़ी कार्रवाई, पुलिस को है बस ध्वस्तीकरण के आदेश का इंतजार**

हत्यारोपियों के घरों को ढहाने की तैयारी शुरू

संवाददाता, रुद्रपुर

हत्यारोपियों के घरों के बाहर जेसीबी के साथ तैनात पुलिस। ● अमृत विचार

> जनपद में हत्याकांड हो या फिर कोई भी संगीन अपराध। उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आलिम हत्याकांड को लेकर पुलिस की कई टीमें यूपी के इलाकों में दबिश दे रही है। वहीं हत्यारोपियों की अवैध व वैध संपत्तियों की जांच हो रही है। जल्द ही हत्या के आरोपी गिरफ्त में नहीं आते हैं तो नियमानुसार हत्यारोपियों के घरों पर जेसीबी से ध्वस्तीकरण कर दिया जाएगा। ताकि अपराधियों को सबक सिखाया जा सके। **-मणिकांत मिश्रा**, एसएसपी, ऊधमसिंह नगर

अमृत विचार: किच्छा के दरऊ में हुए आलिम हत्याकांड को लेकर जहां पुलिस की कई टीमें हत्यारोपियों की तलाश कर रही है। वहीं अब पुलिस ने हत्यारोपियों के घरों के सामने जेसीबी और भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया है। माना जा रहा है कि पुलिस बस कुछ घंटों का और इंतजार कर रही है कि शायद हत्यारोपियों की गिरफ्तारी हो जाए। अन्यथा हत्यारोपियों के घरों को जमींदोज बनाने का पुलिस प्रशासन ने मन बना लिया है। अब देखना यह है कि क्या पुलिस हत्यारों को सलाखों के पीछे धकेल पाने में सफल होती है या फिर ध्वस्तीकरण कर सबक सिखाने में कामयाब होती है।

बताते चलें कि विगत दिनों किच्छा के गांव दरऊ में कार सवार बदमाशों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था। गोलीबारी में आलिम नाम के युवक की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि कुछ लोग घायल भी हो गए थे। हत्याकांड को लेकर जहां किच्छा का राजनीतिक माहौल भी बिगड़ने लगा था। वहीं हत्याकांड की वजह आपसी रंजिश और चुनावी रंजिश को माना जा रहा है। पिछले कई घंटों की मशक्कत के बाद भी नामजद हत्यारोपी पुलिस की पकड़ से कोसों दूर है। ऐसे में पुलिस ने मन बना लिया है कि जल्द ही हत्यारोपी पुलिस के सामने आकर सरेंडर कर दे या फिर पुलिस टीम को गिरफ्तार करने में सफलता मिल जाए। अन्यथा हत्यारोपियों के घरों में जेसीबी कभी भी गरज सकती है। कारण पुलिस प्रशासन ने नामजद आरोपियों के घरों के सामने कई जेसीबी के अलावा पुलिस फोर्स तैनात कर दिया है।

दरऊ फायरिंग मामले में क्षतिग्रस्त कार स्वामी ने दर्ज कराया मुकदमा

किच्छा : कोतवाली अंतर्गत दरऊ क्षेत्र में चुनावी एवं पारिवारिक रंजिश के चलते खुलेआम हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने दर्जन भर आरोपियों के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में ग्राम दरऊ, कोतवाली किच्छा निवासी साजिद खान ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उसकी पुत्री अर्शी ने ग्राम सभा दरऊ द्वितीय से बीडीसी का चुनाव लड़ा था तथा जीत दर्ज की थी। चुनाव में ग्राम निवासी रियासत खान की पत्नी अजमी तीसरे स्थान पर आई थी। बताया कि 18 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे दरऊ चौराहे स्थित पेट्रोल पंप पर वह अपनी कार में तेल डलवाने के लिए जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे ग्राम दरऊ निवासीगण अरबाज खान, कासिम, सिराज, वासर अहमद, राहत, वैजाद, एजाज एवं अजीमो शान ने हथियारों से लैस होकर हमला बोल दिया।

अस्पताल की लापरवाही पर फूटा गुस्सा

संवाददाता, सितारगंज

- मरीजों और गर्भवती महिलाओं ने खोली पोल
- भाजपा नेताओं ने जताई नाराजगी कैबिनेट मंत्री तक पहुंची शिकायत

अमृत विचार: उपजिला चिकित्सालय सितारगंज में गुरुवार को मरीजों और गर्भवती महिलाओं का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। वार्ड नंबर 12 के टीबी मरीज आरिफ अंसारी की शिकायत पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल अस्पताल पहुंचे, जहां मरीजों और परिजनों ने इलाज व दवा वितरण में हो रही गंभीर अनियमितताओं की पोल खोल दी।

मरीजों ने बताया कि अस्पताल से मुफ्त दवा न देकर बाहर की महंगी दवाइयां लिखी जाती हैं। लैब कर्मी रिपोर्ट देने में टालमटोल करते हैं और पैसों की मांग करते हैं। डॉक्टर बाहरी जांच कराने पर ज़ोर डालते हैं। इसी बीच बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने अस्पताल प्रशासन को घेर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक माह से अस्पताल में गायनी डॉक्टर नहीं है। तैनात दोनों महिला चिकित्सक मेडिकल अवकाश पर हैं, जिससे प्रसव पूर्व देखभाल और इलाज के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाध्यक्ष ने तुरंत क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को फोन पर मामले से अवगत कराया। इसके बाद सीएमओ ने आश्वासन दिया कि अब से डॉक्टर द्वारा लिखे हर पर्चे की स्कैनिंग की जाएगी और बाहर की दवा या जांच लिखने वाले डॉक्टर पर सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही कल से महिला चिकित्सक की तैनाती भी सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया गया। कमल जिंदल ने कहा कि अस्पताल में जो स्थितियां देखी गईं, वे बेहद चिंताजनक हैं। जनता को मुफ्त दवा और इलाज मिलना चाहिए, लेकिन यहां मरीजों को बाहर भेजा जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की परेशानी असहनीय है। यदि व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं तो संगठन स्तर पर कठोर कदम उठाए जाएंगे।सभासद पति अविनाश बाल्मीकि ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही सरकार की छवि धूमिल कर रही है। यदि तुरंत सुधार नहीं किए गए तो जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर सभासद प्रतिनिधि साने आलम, सभासद पति अविनाश वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत

खटीमा : गोसीकुआं गांव में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि दो आवारा पशुओं की भी करंट लगने से मौत हो गई है। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना मृतक के शव का दाह संस्कार कर दिया गया। खबर वायरल होने पर मौके पर पहुंची पुलिस को बताया कि मृतक का संस्कार कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि छुट्टा जानवरों से फसल बचाने के लिए तार लगाया गया था और जैसे ही व्यक्ति ने तार को लाइन से जोड़ने का प्रयास किया उसे करंट लग गया और उसकी मौत हो गई। उसी दौरान तार की चपेट में आए दो छुट्टा जानवरों की भी करंट से मौत हो गई।

चाकू के साथ गिरफ्तार

काशीपुर : पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक चाकू बरामद किया। पुलिस ने आरोपी का आर्म्स एक्ट के तहत चालान किया है। बीते दिन उपनिरीक्षक देवेन्द्र सिंह सामंत ने टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान शुगर फैक्ट्री गेट के पास बने सिक्योरिटी रूम की आड़ में खड़े एक संदिग्ध को पकड़ कर उसकी तलाशी ली। उसके पास से एक चाकू बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नईम निवासी फसियापुरा बताया। उसने बताया कि वह छोटी-मोटी चोरी करने के लिए अपने पास चाकू रखता है और पहले भी चोरी में जेल जा चुका है।

काशीपुर में पूर्व प्रधान को दिनदहाड़े गोली मारी

बच्ची के खून का सैंपल देकर बाइक से घर लौट रहा था पूर्व प्रधान, पुलिस कर रही जानलेवा हमले के कारणों की पड़ताल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : घर से बाइक पर चार साल की बेटी के साथ गांव के ही क्लीनिक आये ग्राम ढकिया नंबर एक के पूर्व प्रधान को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। पीछे से दो गोली लगने से पूर्व प्रधान घायल हो गये। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं घायल पूर्व प्रधान के भतीजे गौरव की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

गुरुवार की सुबह करीब दस बजे ग्राम ढकिया नं. एक निवासी पूर्व प्रधान 45 वर्षीय श्याम सिंह अपनी चार वर्षीय बेटी के साथ गांव के ही एक क्लीनिक में बाइक से बेटी के खून की जांच कराने को सैंपल देने आया था। सैंपल देने के बाद जैसे ही वह क्लीनिक के बाहर निकला और बेटी को बैठाकर जैसे ही बाइक मोड़ी तो अज्ञात हमलावरों ने सड़क के पास अमरूद के बाग से पूर्व प्रधान पर दो गोली चला दी।

घटनास्थल पर मौजूद पूर्व प्रधान की बाइक।

गोली लगने के बाद घायल पूर्व प्रधान।

एक गोली पूर्व प्रधान के दांये कंधे के नीचे और दूसरी गोली बायीं ओर रीढ़ की हड्डी के पास लगी। गोली लगते ही पूर्व प्रधान बाइक समेत नीचे गिर गये। गोली की आवाज सुनते ही क्लीनिक संचालक ने बाहर आकर पूर्व प्रधान को उठाकर क्लीनिक के बाहर बैठाया और क्लीनिक में मौजूद एक युवक को घर भेजकर परिजनों को जानकारी दी। सूचना पर मौके पर आये परिजन घायल पूर्व प्रधान को कार से एक निजी अस्पताल ले गये। जहां से डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है।

गांव में किसी से भी नहीं है पूर्व प्रधान की रंजिश : पूर्व प्रधान श्याम सिंह को गोली लगने के मामले में ग्रामीणों का कहना है कि श्याम सिंह की गांव में किसी से भी रंजिश नहीं है। श्याम सिंह का व्यवहार सरल और मधुर था। लेकिन हमलावरों ने उन्हें गोली क्यों मारी यह उन्हें भी समझ में नहीं आ रहा है।

हमलावरों में से एक के नाबालिग होने का भी शक

काशीपुर : पूर्व प्रधान को गोली मारने के मामले में गांव के कुछ लोगों का कहना है कि हमलावरों में से एक नाबालिक भी शामिल हो सकता है। हालांकि पुलिस जांच में अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

धरपकड़ के लिए चार टीमें गठित

काशीपुर : पुलिस ने पूर्व प्रधान को गोली मारने वाले आरोपियों की धरपकड़ के लिए चार टीमें गठित की है। जो उत्तराखंड समेत निकटवर्ती यूपी के क्षेत्रों में दबिश दे रही हैं।

गोली लगने के बाद पूर्व प्रधान ने कहा गाड़ी में आया करंट

काशीपुर : पूर्व प्रधान श्याम सिंह गांव के क्लीनिक में अपनी बेटी को दिखाने गये थे। जब वह बेटी की दवा लेकर वापस लौटते समय बाइक पर बैठे। इसी दौरान हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी। लेकिन पूर्व प्रधान को गोली लगने का एहसास नहीं हुआ। क्लीनिक में मौजूद लोगों के अनुसार गोली लगने के बाद पूर्व प्रधान बेटी समेत जमीन पर गिर गए और उन्होंने कहा कि उनकी बाइक में करंट आया है। लेकिन जब उन्होंने देखा तो पूर्व प्रधान को दो गोली लगी थी।

खनन या भूमि विवाद से जोड़कर देखा जा रहा पूरा मामला

काशीपुर : ग्राम ढकिया नंबर एक निवासी पूर्व प्रधान को गोली मारने की घटना को खनन या भूमि विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं पुलिस किसी पुराने मामले में पूर्व प्रधान द्वारा समझौता कराने से भी जोड़कर देख रही है। हालांकि पुलिस अभी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंची है।

पुलिस की जांच में सभी एंगल शामिल

काशीपुर : ग्राम ढकिया नंबर एक निवासी पूर्व प्रधान काफी लंबे समय से खनन कार्य से जुड़े हैं। सूत्रों के अनुसार उनके नाम से खनन घाट तो है साथ ही खनन के लिये कुछ खेत भी लिए हैं। वहीं गांव में जमीन को लेकर भी विवाद चल रहा है। हालांकि उनका विवाद कभी सामने नहीं आया है। ऐसे में पुलिस दोनों की एंगल पर जांच कर रही है। जबकि बताया जा रहा है कि ग्राम नूरपुर निवासी एक व्यक्ति से पूर्व प्रधान का लेन-देन चल रहा है। बुधवार को वह व्यक्ति पूर्व प्रधान के घर आया था।

> पुलिस के पास घटना को लेकर अहम सुराग लगे हैं। घटना के खुलासे के लिये पुलिस की चार टीमें लगाई गई हैं। शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा।
> -अभय सिंह, एएसपी, काशीपुर।

पुलिस ने तीन घरों के डीवीआर लिए कब्जे में

काशीपुर : पूर्व प्रधान को गोली मारने के मामले में पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। इस दौरान पुलिस ने क्लीनिक संचालक समेत गांव के तीन घरों के सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर कब्जे में लिये। जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

सुमित का थलसेना कैंप के लिए चयन

खटीमा : अलक्ष्या पब्लिक स्कूल के छात्र सुमित सिंह ने अपनी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर थलसेना कैंप में चयनित होकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुमित 78 यूके बटालियन एनसीसी हल्द्वानी की ओर से ऑब्जेक्टिकल ट्रेनिंग श्रेणी के अन्तर्गत थल सेना कैंप में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। अलक्ष्या स्कूल से विगत तीन वर्षों से लगातार थल सेना कैंप के लिए कैडेट्स चयनित हो रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय बोहरा ने सुमित की प्रशंसा की। सुमित को प्रबंध निर्देशक मधुसूदन दास गोस्वामी, उपाध्यक्ष जया चुफाल गोस्वामी, राजेश गोस्वामी, प्रबंधक विनोद बोहरा, उप प्रधानाचार्य विनोद चंद, एनसीसी अधिकारी दिनेश चन्द्र चिल्कोटी, पीआई जगदीश सावंत, दीपक भट्ट, संदीप कुशवाहा, कल्याण सिंह बिष्ट, दीपा बिष्ट, मीना वल्दिया, हरीश खोलिया, सीमा भट्ट, सीता राजपूत, मनीष कुमार, किशन मेहता, विकाश पाण्डेय, तनुजा गहतोड़ी, दीक्षा देउपा, पवन चौहान आदि ने बधाई दी है।

बोलेरो में खैर के 17 गिल्टे ले जा रहे तीन तस्कर धरे

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : कलकत्ता चौकी पुलिस ने अवैध रूप से खैर प्रजाति की बेशकीमती लकड़ी की तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को बोलेरो गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस टीम ने बरामद बोलेरो गाड़ी से खैर के 17 गिल्टे बरामद कर कब्जे में ले लिए। फिलहाल पुलिस ने वाहन को सीज करते हुए पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। चौकी प्रभारी ओमप्रकाश नेगी के नेतृत्व में पुलिसकर्मी यशपाल आर्य एवं अमित कुमार की टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चौकी अंतर्गत क्षेत्र में बोलेरो को रोक लिया। पुलिस ने बोलेरो गाड़ी में सवार तीन संदिग्ध लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में अपना नाम पता ग्राम टांडा, हमीरपुर निवासी रमेश पाल, ग्राम नजीमाबाद कोतवाली किच्छा निवासी तारा सिंह एवं दिनेश पाल बताया। तलाशी के दौरान पुलिस ने गाड़ी से करीब एक लाख रुपए कीमत के खैर प्रजाति के 17 गिल्टे बरामद कर कब्जे में ले लिए। पकड़े गए आरोपियों द्वारा बिना वैध परमिट के लकड़ी की तस्करी की जा रही थी। पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा उधम सिंह नगर से अवैध लकड़ी की तस्करी कर नजीमाबाद क्षेत्र में अवैध रूप से गिल्टों को बेचने की कोशिश की जा रही थी।

छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

किच्छा : ग्राम चुटकी देवरिया स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में महिला कल्याण विभाग द्वारा जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर चाइल्ड हेल्पलाइन की केंद्र समन्वयक चांदनी रावत, काउंसलर स्मिता एवं सुपरवाइजर गौरव कुमार द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम, बाल विवाह, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के अधिकार अधिनियम तथा नशे का सेवन करने से जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों द्वारा पूछे गए सवालों का भी समन्वयक चांदनी रावत एवं काउंसलर स्मिता द्वारा जवाब देकर बच्चों की शंकाओं का समाधान किया गया।

निर्माणाधीन गौशाला का किया निरीक्षण

हल्दी में निर्माणाधीन गौशाला का निरीक्षण करते जिपं अध्यक्ष मौर्या।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: हल्दी घेरा में निर्माणाधीन गौशाला का उपजिलाधिकारी तुषार सैनी और जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या ने निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों का जायजा लेते हुए गुणवत्तापरक निर्माण कार्य करने और जल्द से जल्द पूरा करने को कहा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल गौशाला के निर्माण कार्य को सितंबर में पूरा करने के निर्देश हैं। गौशाला का कार्य पूरा होने पर क्षेत्र की जनता को घूम रहे आवारा पशुओं से निजात मिलेगी। इस मौके पर राजपाल सिंह, सागर सिंह धामी, ब्लॉक प्रमुख पति रविंद्र राणा, ग्राम प्रधान सोमनाथ मौर्य, देवेंद्र सिंह रिंकू मौजूद रहे।

बैंक ऑफ बदौड़ा की मुख्य शाखा में लगी आग, सारा सामान जला

- शार्ट सर्किट से बुधवार देर रात बैंक में लगी आग
- अग्निशमन विभाग ने बमुश्किल आग पर पाया काबू

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : महाराणा प्रताप चौक स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा में देर रात आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर स्टेशन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर मशक्कत के बाद काबू पाया। आग से बैंक मैनेजर के केबिन में रखा सामान जल गया।

बुधवार की देर रात करीब 11.30 बजे एमपी चौक के पास बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा के अंदर अचानक आग लग गई। आग की

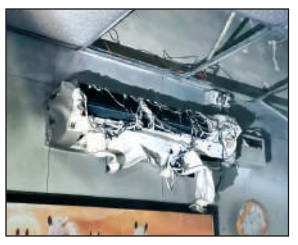
आग लगने से जला एसी।

सूचना लोगों ने फायर स्टेशन को दी। सूचना पाकर मौके पर फायर व पुलिस टीम पहुंच गई। वहां देखा कि ब्रांच से धुआं निकल रहा था। वहां पुलिस ने संपर्क कर बैंक प्रबंधक को मौके पर बुलाया और ताला खुलवाया। जिसके बाद फायर यूनिट ने मोटर फायर इंजन से दो हौज की एक लाइन बिछाकर पंपिंग कर आग बुझाने का कार्य आरंभ किया। फायर कर्मियों ने बताया कि बैंक के अंदर धुआं इतना फैल गया था कि अग्निशमन कार्य करने में परेशानी हो रही थी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर रुककर पंपिंग की गई, जिसके बाद आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया और फैलने से रोका गया। बताया कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन आग के कारण बैंक मैनेजर का केबिन व उसमें रखा सामान एसी, कंप्यूटर, फर्नीचर, दस्तावेज समेत कई सामान जल गया। वहीं आग लगने का कारण स्विच बोर्ड में शार्ट सर्किट बताया गया है। फायर यूनिट टीम में चालक संदीप शर्मा, फायरमैन अर्जुन सिंह, फायरमैन आकाश गैरोला, फायरमैन सनी कुमार, नीतू नाथ आदि शामिल रहे।

इरशाद बने जमनी वाले दादा मियां दरगाह कमेटी के अध्यक्ष

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार : जामा मस्जिद व कब्रिस्तान कमेटी की आमसभा में सर्वसम्मति से लिए गए महत्वपूर्ण फैसले के तहत वार्ड दो निवासी इरशाद अली को हजरत जमनी वाले दादा मियां दरगाह कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष पद की घोषणा होते ही सभा स्थल बधाई और मुबारकबाद के नारों से गूंज उठा।

इस दौरान नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई, जिसमें इकरार बाबा को कार्यकारिणी अध्यक्ष, बाली अहमद व आदिल अंसारी को खजांची, शहाबुद्दीन इदरीश को उपाध्यक्ष, राजू स्टूडियो, शकील अंसारी व सद्दाम अल्वी को सदस्य, शमशेर अली उर्फ पप्पल हाजी जी को सलाहकार तथा एडवोकेट दानिश अंसारी को कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया। ऐतिहासिक फैसले के साक्षी बने कब्रिस्तान स्थित मदरसे का सभागार पूरी तरह खचाखच भरा रहा। इस अवसर पर जामा मस्जिद खजांची मंजूर अहमद, इसाक अहमद, सगीर अहमद चक्की वाले, तस्लीम आड़ती, जाकिर अंसारी, जामा मस्जिद रजिस्टर्ड अध्यक्ष, कब्रिस्तान कमेटी अध्यक्ष इश्तियाक अंसारी, एडवोकेट मोहम्मद रफी, मुख्तियार अहमद, साबिर अंसारी, इलियास अंसारी, इसरार खान आदि मौजूद रहे।

जमनी वाले दादा मियां दरगाह कमेटी के अध्यक्ष इरशाद का स्वागत करते लोग।

निधि गोस्वामी का एमबीबीएस में चयन

निधि गोस्वामी का स्वागत करतीं रेखा पासी।

बाजपुर : जीनियस ग्लोबल अकादमी की एक और पूर्व छात्रा निधि गोस्वामी पुत्री राजेश गिरी (मूल निवास ब्लाक नारसन) हरिद्वार ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर एबीबीएस में चयन प्राप्त किया है। निधि गोस्वामी ने 12वीं की परीक्षा जीनियस ग्लोबल अकादमी से वर्ष 2020 मे 89 .2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की थी। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय की निर्देशिका रेखा पासी व प्रधानाचार्य योगेश सक्सेना ने छात्रा को सम्मानित किया तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के निर्णय की सराहना

बाजपुर, अमृत विचार : गुरुवार को जैन मंदिर बाजपुर में समाज की बैठक हुई, जिसमें उत्तराखंड सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण (यूएसएएमई) के गठन के निर्णय की सराहना की गई तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के सभी अल्पसंख्यक समाज को समान रूप से शिक्षा का लाभ मिलेगा तथा जैन, सिख, ईसाई, बौद्ध एवं पारसी समाज अपनी सांस्कृतिक व धार्मिक शिक्षा शिक्षा संस्थानों की स्थापना कर सकेंगे तथा प्राकृत, पाली भाषा व गुरुमुखी जैसी लिपियों का शैक्षिक विकास हो सकेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह पुष्कर धामी के इस निर्णय की जैन समाज सराहना एवं आभार व्यक्त करता है।

मूर्तिकार सुपाक का आकस्मिक निधन

दिनेशपुर : मूर्तिकार सुपाक मंडल (52) का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर परिजनों में कोहराम मचा है। बुधवार को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। निधन का समाचार सुनते ही उनके निवास वार्ड-आठ में शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। नगर के मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में विधायक अरविंद पांडेय, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रकांत मंडल, नपं पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, भाजपा नेता हिमांशु सरकार आदि थे।

प्याऊ वाटर कूलरों की सफाई की उठाई मांग

- नगरपालिका अध्यक्ष सुखदेव सिंह को लिखा पत्र

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार : बरसात के मौसम में गंदे पानी से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसी बीच नगर के जागरूक नागरिक सतेंद्र कुमार ने नगरपालिका अध्यक्ष सुखदेव सिंह व अधिशासी अभियंता प्रतिभा कोहली को पत्र लिखकर नगर क्षेत्र के मुख्य चौराहों पर लगाए गए प्याऊ वाटर कूलरों और टैंकों की नियमित सफाई कराने की मांग की है।

उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि वर्तमान में प्याऊ वाटर कूलरों की सफाई समय पर नहीं हो रही है, जिससे टैंकों में गंदगी व कीटाणुओं के प्रवेश का खतरा मंडरा रहा है। बारिश के मौसम में मच्छर, कीट-पतंगों और बैक्टीरिया के पनपने की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में पीने का पानी दूषित होने पर लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने पूर्व में जल निगम की टंकी में बंदर मिलने की घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि सफाई नियमित न हुई तो सितारगंज में भी इस तरह की घटना दोहराई जा सकती है, जो जनहित के लिए बेहद खतरनाक होगी। उन्होंने नगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि नगर के सभी प्याऊ वाटर कूलर और टैंकों की संपूर्ण सफाई और स्वच्छता दो दिनों के भीतर सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके।

तैयारी

मझरा-प्रभु स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में खुली बैठक का आयोजन

प्रकट उत्सव समिति की कार्यकारिणी गठित

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : मझरा-प्रभु स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में गुरुवार को समाज की खुली बैठक आयोजित हुई, जिसमें समाज के सभी बुजुर्गों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बैठक में गहन विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अशोक कुमार को अध्यक्ष, अनिल वाल्मीकि को महामंत्री, राजेश कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कृष्णा अवतार प्रेमी को उपाध्यक्ष, अनिल कुमार उपमंत्री, विनोद वाल्मीकि को कोषाध्यक्ष, मंगल सेन को उपकोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा रंजीत लाल प्रेमी, चंद्रजीत प्रेमी, होरी लाल वाल्मीकि, इंद्रजीत चुनारा, राजू वाल्मीकि, प्रमोद राजहंस, यशपाल राजहंस को संरक्षक बनाया गया है। इस मौके पर गौतम चुनारा, अभिषेक वाल्मीकि, राजू मेसी, रोहित कुमार, मुकेश कुमार, विजेंद्र कुमार, सुमित कुमार, ध्रुव कुमार, पप्पू, उमेश, गांधी, अर्जुन, सोमपाल, राजेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद रहे। बताया गया कि सितंबर माह में महर्षि भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में नगर में भवय शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न देवी-देवाताओं की मनोरम झांकियां प्रदर्शित होंगी। शोभायात्रा कार्यक्रम में श्री दक्षिणेश्वरी कालीपीठ मंदिर के मुख्य पुजारी महंत विकासनाथ महाराज बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे, शोभायात्रा की तिथि जल्द तय की जाएगी।

बाजपुर में नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते समाज के लोग। ● अमृत विचार

महिलाओं को दिया सिलाई का प्रशिक्षण

जसपुर : उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत इंपार्ट संस्था ने ग्राम पंचायत मेघावाला में सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव की पंचायत घर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उद्योग केंद्र के विकास अधिकारी सूर्यकांत सिंह ने किया। इस दौरान इंपार्ट संस्था के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जिला उद्योग केंद्र की ओर से मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत प्रशिक्षण दिए जाने की योजना है। योजना के तहत स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए एमएस ई-पोर्टल पर फॉर्म भरकर लाभार्थी को 10 लाख रुपये तक तथा विनिर्माण क्षेत्र में 25 लाख रुपये का रोजगार दिया जाएगा। 25 प्रतिभागियों को सिलाई प्रशिक्षण के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

स्वास्थ्य शिविर में बांटीं गई निशुल्क दवाइयां

जनजाति प्राथमिक विद्यालय ठोठूपुरा में लगे शिविर में जानकारी देते पराविधिक कार्यकर्ता।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर के तत्वाधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। गुरुवार को उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंह नगर सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देश पर जनजाति प्राथमिक विद्यालय ठोठूपुरा में प्रधानाध्यापक जीत सिंह की अध्यक्षता में विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने वृद्धों के लिए विधिक सेवाओं व नालसा हेल्पलाइन नंबर-15100 की जानकारी दी।

केआईटीएम में हुआ मिशन संवाद कार्यक्रम

खटीमा : मिशन संवाद के तहत एसपी क्राइम निहारिका तोमर और सीओ विमल रावत की मौजूदगी में पुलिसकर्मियों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। केआईटीएम ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स में आयोजित कार्यशाला में पुलिसकर्मियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, माइंड फुलनेस और तनाव प्रबंधन के उपायों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को मानसिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में प्रेरित किया। पुलिसकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए विशेषज्ञों से सवाल जवाब किए। संवाद कार्यक्रम भारत का पहला ऐसा ऐप-आधारित कार्यक्रम है जो पुलिस अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों को मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण संबंधी सहयोग उपलब्ध कराता है।

ब्रीफ न्यूज

प्रशासन की कार्रवाई से रुका बाल विवाह

टनकपुर, अमृत विचार : चम्पावत जिले में प्रशासन की सतर्कता और चाइल्ड हेल्पलाइन की सक्रिय भूमिका से चम्पावत के एक ग्राम में होने जा रहा बाल विवाह समय रहते रोक दिया गया। 17 वर्षीय किशोरी का विवाह दिल्ली निवासी 27 वर्षीय युवक के साथ तय था। सूचना पर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने तुरंत कार्रवाई कर स्पष्ट किया कि विवाह के लिए बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालक की 21 वर्ष अनिवार्य है।

मदरसे में मासूम से कुकर्म, इमाम गिरफ्तार

हरिद्वार : मदरसे में पढ़ने गए सात साल के मासूम से मस्जिद के इमाम द्वारा कुकर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़ित बच्चे के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य प्रभावी धाराओं में अभियोग दर्ज कर आरोपी इमाम गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, रुड़की के थाना झबरेड़ा क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने गुरुवार को थाने पर सूचना दी कि उसका सात वर्षीय पुत्र मदरसे में पढ़ने गया था। आरोप है कि इस दौरान इमाम नासिर पुत्र नसीर निवासी सुल्तानपुर कुन्हारी थाना लक्सर जिला हरिद्वार उसे मस्जिद में पढ़ने के दौरान अपने कमरे में ले गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

क्लस्टर के विरोध में सड़कों पर आए अभिभावक, जुलूस निकाला

योजना के तहत जीजीआईसी और उच्चतर विद्यालय जलना हो रहे हैं बंद

- लमगड़ा में रैली निकाल सरकार के खिलाफ जताया विरोध
- पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति में इस प्रकार का निर्णय सही नहीं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यायल जलना को क्लस्टर योजना में शामिल करने के फैसले पर अभिभावकों ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को नाराज अभिभावकों ने क्षेत्र में जुलूस निकाल सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जल्द क्लस्टर योजना के फैसलने को वापस नहीं लेने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

इस मौके पर अभिभावकों ने कहा कि सरकार के क्लस्टर योजना का निर्णय ग्रामीणों और छात्रों के लिए सही नहीं है। कहा कि इस नीति का सीधा असर बच्चों

लमगड़ा में क्लस्टर योजना के विरोध में जुलूस निकालते अभिभावक। ● अमृत विचार

की पढ़ाई पर पड़ेगा। सरकार और प्रशासन को जनविरोधी नियम को वापस लेना होगा। बताया कि पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति में इस प्रकार का निर्णय किसी प्रकार से सही नहीं है। अगर आदेश को वापस नहीं लिया गया तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। यहां प्रदर्शन करने वालों में प्रधान मीना डसीला, जिला पंचायत सदस्य रजनी फर्त्याल बीडीसी सदस्य ललित बिष्ट, नीमा ढैला, ललिता ढैला, नवल रावत, गौरव कपकोटी, मोहित फर्त्याल, गोविंद सिंह, राजेंद्र बिष्ट, विनोद कुमार, सुंदर बिष्ट, हिमानी ठाकुर, दीपा देवी, शोभा देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणा मौजूद रहे।

समायोजन पर भड़का लोगों का गुस्सा

अल्मोड़ा : राम सिंह धौनी राउमावि झालडुंगरा को समायोजित पर लोगों ने नाराजगी जताई है। मामले में ग्रामीणों ने प्रधानाचार्य के माध्यम से मुख्य शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा कि झालडुंगरा इस अति दुर्गम क्षेत्र का एकमात्र शिक्षण संस्थान है। पपोली, धुरका, कुरी, बयाली, सेरी आदि गांवों के बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। पहले ही उन्हें स्कूल आने के लिए चार से पांच किलोमीटर पैदल आना पड़ता है। समायोजन होने के बाद उन्हें 15 किमी की दौड़ लगानी पड़ेगी। ग्रामीणों ने जल्द समायोजन के फैसले को वापस लेने की मांग उठाई। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में चंदन सिंह बगड़वाल, विमला आर्या, गोविंद सिंह बगड़वाल, कलावती बगड़वाल, बिशन सिंह मनराल, दीपक आर्या, धन सिंह गैड़ा, मोहन नाथ, धनी राम, कमला आदि थे।

अनूठी पहल: निर्विरोध निर्वाचित प्रधानों को डीएम से मिला सम्मान

- डीएम पिथौरागढ़ का प्रधानों से ग्रामवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान

संवाददाता, पिथौरागढ़

जिपं. सभागार में निर्विरोध चुने प्रधानों को सम्मानित करते डीएम विनोद गोस्वामी।

अमृत विचार : जनपद पिथौरागढ़ में एक अनूठी पहल के तहत त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में निर्विरोध निर्वाचित ग्राम प्रधानों का सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम जिला पंचायत सभागार में गुरुवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जनपद की 82 ग्राम पंचायतों में निर्विरोध चुने गए प्रधानों में से 72 प्रधान उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने मुनाकोट विकासखंड के ग्राम सिरड़ की ग्राम प्रधान पूजा कापड़ी (सबसे युवा), मुनस्यारी विकासखंड के ग्राम दरकोट के प्रधान मनोहर सिंह (सबसे बुजुर्ग) एवं ग्राम लास्पा की प्रधान कविता (सबसे दूरस्थ ग्राम) सहित दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि, निर्विरोध निर्वाचित प्रतिनिधि समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग की मिसाल हैं। पंचायत स्तर पर सामाजिक सद्भाव एवं विकास की गति को बढ़ाने में उनकी भूमिका अहम है। प्रशासन चाहता है कि इनके अनुभवों और सुझावों को सुनकर योजनाओं को धरातल पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों से अपने-अपने ग्राम में आवश्यक सुविधाओं की प्राथमिकताएं प्रशासन को उपलब्ध कराने के आग्रह के साथ ग्रामवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान किया। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी ने जिलाधिकारी की इस पहल को नवाचार की दृष्टि से अद्भुत पहल माना जो न कि राज्य बल्कि पूरे देश में एक मिसाल बनेगी और सुशासन के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। वहीं, ग्राम प्रधानों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल राज्य, बल्कि देश में अपनी तरह की अनूठी पहल है, जो जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में प्रेरक कदम है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नबियाल, मुख्य कृषि अधिकारी अमरेन्द्र चौधरी, मुख्य शिक्षा अधिकारी हरक राम कोहली, एसडीएम मुनस्यारी वैभव कांडपाल, बेरीनाग आशीष जोशी, जिला पंचायती राज अधिकारी हरीश आर्या सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कंडाली की महिलाओं का पुलिस के खिलाफ कलक्ट्रेट में प्रदर्शन

- बेगुनाहों को गिरफ्तार करने का लगाया आरोप

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : कनालीछीना विकासखंड के कंडाली गांव की महिलाओं ने कलक्ट्रेट पहुंचकर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने पंचायत चुनाव के दौरान मितड़ा में हुई मारपीट के मामले में पुलिस पर बेगुनाहों को गिरफ्तार करने का आरोप लगाते हुए उन्हें जल्द रिहा करने की मांग की।

कंडाली की महिलाएं ग्राम प्रधान भावना दिगारी के नेतृत्व में कलक्ट्रेट पहुंचीं और पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बीते पंचायत चुनाव में मितड़ा में कुछ लोगों के बीच मारपीट हुई। एक

कलक्ट्रेट में प्रदर्शन करतीं कंडाली गांव की महिलाएं। ● अमृत विचार

पक्ष की तहरीर पर बगैर जांच और विवेचना के ही पुलिस ने बेगुनाहों को गिरफ्तार किया है। गांव के युवक हिमांशु दिगारी को भी पुलिस ने बगैर दोष के ही गिरफ्तार कर बंदीगृह में डाला है जोकि गलत है। पहले पुलिस को मामले की गहनता से जांच कर आरोपियों की पहचान करनी चाहिए। अपनी नाक बचाने के लिए पुलिस बेगुनाहों पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने डीएम को ज्ञापन देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर ऐसा करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। चेतावनी देते हुए कहा जल्द हिमांशु दिगारी को रिहा नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरेंगी। प्रदर्शन करने वालों में गायत्री दिगारी, आशा, निर्मला, सावित्री, हंसा, कंचन, उमा दिगारी आदि शामिल रहीं।

दुष्कर्म के आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

टनकपुर : शारदा घाट निवासी महिला ने वहीं पर रहने वाले एक युवक पर उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत की है। पुलिस ने मामला पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। एसएसआई पूरन सिंह तोमर ने बताया कि शारदा घाट निवासी एक महिला ने उसकी 32 वर्षीय विवाहिता पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। कहा है कि कुछ दिन पूर्व आरोपित ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की थी। अधिक रक्तस्राव होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसएसआई ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपित 25 वर्षीय युवक करन कश्यप, निवासी शारद घाट के विरूद्ध बीएनएस की धारा 64 के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। जांच एसआई हिमानी गहतोड़ी कर रही हैं।

माहरा के साथ धरने पर बैठे कार्यकर्ता

- कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठा मुकदमा करने पर जताई नाराजगी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : कांग्रेस ने द्वाराहाट में ब्लॉक प्रमुख चुनाव के दौरान मारपीट और फायरिंग के विवाद पर कार्यकर्ताओं पर झूठा मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाया है। गुरुवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया। वहीं, चुनाव के दौरान पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

तहसील परिसर में धरने पर बैठे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि अपहृत लोगों के मामले में यदि तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर ली जाती तो हालात बिगड़ने तक बात नहीं पहुंचती। आरोप लगाया कि पुलिस सत्ता के इशारों पर

द्वाराहाट में धरना प्रदर्शन करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा व अन्य कार्यकर्ता।

कठपुतली की तरह काम कर रही है। कहा कि जिस राज्य का गठन लंबे आंदोलन और संघर्ष के बाद हुआ हो, वहां का युवा पुलिस की ज्यादती को बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं, द्वाराहाट थानाध्यक्ष पर भी पीड़ित पक्ष की प्राथमिकी को तीन दिन तक लटकाते रहने का आरोप भी लगाया। विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि सत्ता का दुरुपयोग कर आम जनता, महिलाओं, युवाओं और कर्मचारियों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। खुला उल्लंघन किया जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख आरती किरौला, नगर पंचायत अध्यक्ष संगीता आर्या, प्रकाश अधिकारी, नारायण रावत, निर्मल रावत, पूर्व प्रदेश सचिव जगत रौतेला, पूर्व नपं अध्यक्ष विनोद जोशी, हीरा रावत, हेम मठपाल, भुवन लहरी, कमल साह, सुनील कांडपाल, भारत भूषण, बीआर आगरी, नंदराम नरेंद्र बिष्ट, नवीन मैंनाली, दिनेश आर्या, जगदीश सिंह बिष्ट, सुनील साह, प्रताप रावत, दीपक कुमार, जीवन सिंह आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस पर अराजकता फैलाने का आरोप

अल्मोड़ा : भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम भट्ट ने ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर क्षेत्र में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व कांग्रेस नेशनल हाईवे जाम कर जनता को सात घंटे तक परेशान करती रही। वहीं चुनाव के दिन भाजपा प्रत्याशी के घर पर जानलेवा हमला किया गया। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है, लेकिन मुख्य आरोपी अभी फरार हैं। भट्ट ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग उठाई।

चार निरीक्षक और 15 उपनिरीक्षकों के तबादले

संवाददाता, अल्मोड़ा

- त्रिस्तरीय चुनाव के बाद एएसएपी ने किया बड़ा फेरबदल
- एसएसपी ने नियुक्ति स्थलों पर तैनाती लेने के दिए निर्देश

अमृत विचार : जनपद में तीन थाने अब कोतवाली में उच्चीकृत हो चुके हैं। जहां कोतवालों की तैनाती कर दी है। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने जिले में चार निरीक्षक और 15 उपनिरीक्षकों के तबादले किए है। वहीं, सभी को तय नियुक्ति स्थलों पर तैनाती लेने के निर्देश दिए गए हैं।

एसएसपी ने पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक विनोद जोशी को द्वाराहाट थाने का एसओ बनाया है। जबकि निरीक्षक अशोक कुमार को चौखुटिया, पीआरओ रहे मदन मोहन जोशी को सोमेश्वर तो देवेंद्र नेगी को शिकायत प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया है। वहीं, एसएसआई अजेंद्र प्रसाद को देघाट, सुनील सिंह बिष्ट को धौलछीना, कश्मीर सिंह को सल्ट, एसआई दिनेश नाथ महंत को दन्या, अवनीश कुमार को भतरौंजखान, राहुल राठी को पीआरओ और एएनटीएफ प्रभारी, विजय नेगी को द्वाराहाट और सतीश चंद्र कापड़ी को एसएसआई कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, इसके एसआई बलबीर सिंह को सल्ट थाने में अटैच, बृजमोहन भट्ट को चौकी प्रभारी ताड़ीखेत, मनोज कुमार को प्रभारी बेस चौकी, सरोज कंबोज को सल्ट थाने में अटैच, मीना आर्या को द्वाराहाट कोतवाली में अटैच तो एसआई हेमा कार्की को लालकुर्ती का चौकी प्रभारी बनाया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार उप्रेती के पिता का निधन

अल्मोड़ा : वरिष्ठ पत्रकार निर्मल उप्रेती के पिता बाल कृष्ण उप्रेती का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बीते बुधवार को नगर के कपीना मोहल्ले स्थित अपने आवास में उन्होंने अंतिम सांस ली। गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। पत्रकार उप्रेती के पिता के निधन पर जिला सूचना अधिकारी सत्यपाल सिंह, सुंदर कुमार गौतम, नसीम अहमद, हरीश भंडारी, सुरेंद्र रावत, मनोज सिंह पवार, शिवराज कपकोटी, संतोष बिष्ट, मोहित अधिकारी, अभिषेक साह, पवन नगरकोटी, हेमंत, संजय नयाल, शुभम जोशी, रमेश जोशी, जगमोहन बिष्ट, कमलेश कनवाल, किशन आदि ने शोक संवेदना प्रकट की।

बाल कृष्ण उप्रेती।

एसएसजे विवि और श्री अनामय न्याय के बीच हुआ एमओयू

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : एसएसजे विवि और श्री अनामय न्यास, कौसानी के साथ आध्यात्मिक-वैदिक अध्ययन, वैदिक पाठ्यक्रमों के संचालन को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। एमओयू के बाद उत्तराखंड के आध्यात्मिक एवं वैदिक ज्ञान को लेकर देश-विदेश के विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

मौके पर कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि एमओयू होने से वैदिक विज्ञान के पाठ्यक्रमों के संचालन, ध्यान और एकाग्रता से संबंधित ज्ञान प्रसार, वैदिक विज्ञान को लेकर आनलाइन कार्यक्रम के आयोजन होंगे। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को वैदिक ज्ञान के प्रशिक्षण मुहैय्या

एमओयू दिखाते एसएसजे विवि के कुलपति और श्री अनामय न्यास के निदेशक।

कराने, चेतना आधारित शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करने, ध्यान को लेकर कार्यशाला आयोजन करने, भावातीत ध्यान पर सत्र और जोतिष, वास्तु जैसे पाठ्यक्रमों को लेकर व्याख्यान आयोजित कराने, कार्पोरेट प्रशिक्षण आदि को लेकर भविष्य में कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। श्री अनाशक्ति न्यास के निदेशक आशुतोष उर्स ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ हुए इस एमओयू में विवि के साथ मिलकर आध्यात्मिक और वैदिक क्षेत्र में कार्य किया जाएगा।

यहां कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट, डॉ. ललित चंद्र जोशी, विपिन चंद्र जोशी, गोविंद मेर, तरविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

शर्मनाक: 20 हजार में किया नवजात का सौदा

संवाददाता, टनकपुर

- पोल खुलने पर घर वालों ने काटा हंगामा, पुलिस के हस्तक्षेप से चार दिन बाद मां को मिली बच्ची

अमृत विचार : घसियारा मंडी के एक व्यक्ति ने 20 हजार रुपये में अपनी नवजात बच्ची को बेच डाला।

मामले का पता चलने पर आरोपी के भाईयों ने हंगामा कर कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस के प्रयास से नवजात को चार दिन बाद उसकी असली मां से मिलवाया गया। बताया गया कि, 16 अगस्त की रात महिला को निजी अस्पताल ले जाया गया। उसने रात में बच्ची को जन्म दिया लेकिन कुछ घंटे बाद ही आरोपी पिता ने 20 हजार में नवजात का सौदा हल्द्वानी के एक व्यक्ति से कर दिया।

उधर, महिला जब बिना बच्ची के घर वापस आई तो घर पर भाई और रिश्तेदारों ने हंगामा कर दिया। आरोप है कि बच्ची का पिता काफी नशे में था और उसने अस्पताल में दलाल के जरिए हल्द्वानी के एक व्यक्ति से 20 हजार में बच्ची को बेचने का सौदा करवा दिया।

बच्ची खरीदने वाले शख्स ने पिता से अंगूठे का निशान और 10 रुपये के स्टांप पेपर पर सौदा लिखवा भी लिया। इस मामले में उप निरीक्षक बुद्धि बल्लभ पांडे ने बताया कि पुलिस कार्यवाही के बाद हल्द्वानी से नवजात को ले जाने वाला परिवार यहां पहुंचा और उन्होंने नवजात को उसकी मां को सौंप दिया। उन्होंने बताया टिंकू के दो पुत्र और एक पुत्री पहले से हैं।

आयोजन | राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम आयोजित

आपदा से बचाव के बारे में दी विस्तृत जानकारी

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशन में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता और विद्यार्थियों को आपदा की स्थिति में सुरक्षित रहने के उपाय सिखाने के उद्देश्य से एनडीआरएफ टनकपुर टीम द्वारा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। एनडीआरएफ की टीम ने बच्चों को आपदा की स्थिति में बचाव और राहत कार्यों की बुनियादी जानकारी दी। विद्यार्थियों को भूकंप, आग, बाढ़ तथा अन्य आकस्मिक आपदाओं के समय सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक तकनीकें और

टनकपुर में एनडीआरएफ टीम ने चलाया स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम। ● अमृत विचार

प्राथमिक उपचार के तरीके भी सिखाए गए।

टीम ने बच्चों को मॉक ड्रिल कराकर आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित स्थान तक पहुंचने, घबराहट से बचने और एक-दूसरे की सहायता करने के व्यावहारिक तरीके समझाए। इस दौरान उन्हें यह भी बताया गया कि आपदा की स्थिति में प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम कैसे काम करती है तथा आमजन को किस प्रकार सहयोग करना चाहिए। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेन्द्र पटवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को न केवल आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि उनमें आपदा प्रबंधन को लेकर जागरूकता और आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। उन्होंने विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। एनडीआरएफ टनकपुर टीम का यह प्रयास विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को यह संदेश दिया गया कि आपदा से पहले सतर्कता और प्रशिक्षण ही आपदा प्रबंधन का सबसे सशक्त साधन है।

समस्याओं को लेकर अभाविप का प्रदर्शन

टनकपुर: राजकीय महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को महाविद्यालय प्रांगण में प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि लंबे समय से राजकीय महाविद्यालय टनकपुर को पीजी का दर्जा दिलाने की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। छात्रों ने एमएससी व एमकाम की पढ़ाई तत्काल शुरू करने, बीएम व एमए में विषयों की संख्या बढ़ाने, एनसीसी यूनिट स्थापित करने समेत अन्य मांगें उठाई। कहा कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वह आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में नगर मंत्री सनी यादव, राजेंद्र सिंह, मिलन सिंह मल्ल, विक्रम भंडारी, प्रियंका आदि शामिल थे।

क्षतिग्रस्त मार्ग का निरीक्षण किया

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : ऐरोली-किलकोट के ग्रामवासियों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर रानीखेत-पंतकोटुली मोटर मार्ग क्षतिग्रस्त होने पर ठेकेदार की लापरवाही की शिकायत की। जिस पर संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात ने क्षतिग्रस्त मोटर मार्ग का मौके पर निरीक्षण किया।

ग्रामवासियों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट को दिए ज्ञापन में कहा कि रानीखेत पंतकोटुली मोटर मार्ग विगत कुछ समय से अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो चुका है। लगातार वर्षा एवं भूस्खलन के कारण मार्ग की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। आसपास के घरों में पानी भर रहा है। और मार्ग के किनारे खड़े वाहनों पर बड़े-बड़े पेड़ गिरने का भी गंभीर खतरा बना हुआ है। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों के साथ हुई बैठक में

क्षतिग्रस्त पतकोटली मार्ग का निरीक्षण करतीं संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात।

कहा कि उक्त मार्ग के लिए टेंडर पारित हो चुका है। परंतु संबंधित ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। कार्य प्रारंभ तो किया गया, किंतु उसे अधूरा छोड़ दिया गया है। जिससे मार्ग की स्थिति और अधिक खतरनाक हो गई है। ठेकेदार की इस उदासीनता से क्षेत्रवासियों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामवासियों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट से कहा कि संबंधित ठेकेदार को तत्काल कार्य पूर्ण करने हेतु बाध्य किया जाए तथा उसकी लापरवाही पर आवश्यक दंडात्मक कार्यवाही की जाए। ताकि आम जनता को शीघ्र राहत मिल सके। ऐसा न होने पर समस्त ग्रामवासी उग्र आन्दोलन के लिए बाध्य होंगे। इस पर नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य ऐरोड़ हिमांशु कुमार और संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात ने मोटर मार्ग का मौके पर निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही। इस दौरान ग्राम प्रधान राजेन्द्र चंद्र, सौरभ बिष्ट, जीतन जयाल, अजय चौहान आदि थे।

आप अपना जीवन दूसरों के लिए नहीं जी सकते। आपको वही करना होगा जो आपके लिए सही है, भले ही इससे आपके कुछ प्रियजनों को ठेस पहुंचे।

–निकोलस स्पार्क्स, अमेरिकी कथाकार

शुचिता के लिए संशोधन

सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के शोर-शराबे को दरकिनार करते हुए तीन अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक सफलतापूर्वक पेश किए। इनमें सबसे अधिक विवाद संविधान के 130वें संशोधन से संबंधित पूर्व चर्चित विधेयक को लेकर हुआ। जिन प्रावधानों के तहत यह विधेयक लाया गया है, सरकार उनका उद्देश्य राजनीतिक शुचिता और लोकतांत्रिक मर्यादा का संरक्षण बताती है, परंतु विपक्ष के मन में गहरे संदेह हैं। विपक्ष ने इस संशोधन विधेयक का संसद के भीतर और बाहर विरोध किया। उन्होंने इसे राजनीतिक साजिश बताते हुए जानबूझकर जल्दबाजी में लाने का आरोप लगाया। हालांकि, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इसे संयुक्त सदस्यीय समिति के पास भेजा जाएगा। 31 सदस्यीय समिति में विपक्ष के प्रतिनिधि भी होंगे, जिन्हें बहस के दौरान अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलेगा। यदि कुछ आशंकाओं को छोड़ दिया जाए तो संविधान में प्रस्तावित ये संशोधन स्वागत योग्य कहे जा सकते हैं। संशोधन के बाद कोई भी नेता जिसे जेल की सजा मिली हो, चुनाव नहीं लड़ सकेगा। इससे पहले कई बार देखा गया है कि अपराधी घोषित व्यक्ति जेल में रहते हुए विधायक या सांसद बनता रहा। इससे आम जनता में राजनीति, राजनेताओं और लोकतांत्रिक चयन प्रणाली के प्रति नकारात्मक धारणा बनी। अब यदि कोई नेता 177 दिन जेल में रहकर बाहर आता है तो वह मुख्यमंत्री नहीं रह सकेगा। प्रस्तावित कानून के अनुसार, यदि कोई मुख्यमंत्री, मंत्री या प्रधानमंत्री 30 दिन से अधिक जेल में रहता है तो उसे पद त्यागना होगा। 31वें दिन तक यदि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री की सलाह से उसे पदमुक्त नहीं किया गया तो उसे स्वतः पदच्युत मान लिया जाएगा। हालांकि, 130वें संविधान संशोधन विधेयक में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को हिरासत से रिहा होने के बाद पुनः पदस्थापित न किया जा सके। इसके लिए प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और जिम्मेदारियों से संबंधित अनुच्छेद 75 में भी संशोधन आवश्यक होगा, जिसे संयुक्त संसदीय समिति से पारित कराना होगा। सरकार को समर्थन देने वाले दोनों दल- तेलुगू देशम पार्टी और जनता दल यूनाइटेड, इस संशोधन के पूर्ण समर्थन में हैं, इसलिए यह विधेयक कानून का रूप ले सकता है, इसमें संदेह नहीं है। सरकार अपने उद्देश्य में भले सफल हो जाए, परंतु राजनीतिक शुचिता बहाल करने के महाउद्देश्य में कितनी सफलता मिलेगी, यह कहना कठिन है। विपक्षी दलों का कहना है कि नए कानून का दुरुपयोग कर केंद्र सरकार विपक्ष शासित राज्यों में केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से मनमानी गिरफ्तारी कर मुख्यमंत्रियों को पद से हटवा सकती है, जिससे राज्य सरकारें अस्थिर होंगी। बदले की राजनीति बढ़ेगी। विपक्ष ने इसे 'ब्लैकमेलिंग बिल' बताते हुए अलोकतांत्रिक और संघवाद के लिए घातक करार दिया है। विपक्ष के बयान ऐसे प्रतीत होते हैं, मानो वे स्वयं को स्थायी विपक्ष मान बैठे हों। यदि केंद्र सरकार विपक्ष की आशंकाओं का समुचित समाधान कर देती है तो इस विधेयक की मंशा पर सवाल उठाना कठिन हो जाएगा।

प्रसंगवश

जब विट्ठलभाई बने स्पीकर

लोकसभा स्पीकर के कक्ष में स्वाधीनता सेनानी विट्ठलभाई पटेल का एक चित्र टंगा है, जो हर स्पीकर को उनके कर्तव्यों और इस पद की शानदार परंपराओं का स्मरण कराता है। वे 22 अगस्त 1925 को, सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के पहले भारतीय प्रेसिडेंट (तब स्पीकर को यही कहा जाता था) चुने गए। उनकी शपथ 24 अगस्त 1925 को हुई। पटेल का चुना जाना सचमुच क्रांतिकारी था। 1925 तक सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली का प्रेसिडेंट या तो वायसराय होता था या उसका कोई नामित व्यक्ति। 1919 के एक्ट (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड रिफॉर्म्स) ने असेंबली के लिए चुने हुए प्रेसिडेंट की व्यवस्था की थी, जिसका मकसद था ब्रिटिश भारत में धीरे-धीरे स्वशासन की शुरुआत करना। उस समय सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में 145 सदस्य थे। 104 चुने हुए और 41 नामित, जिनमें ब्रिटिश अधिकारी, जमींदार और बड़े व्यापारी शामिल थे।

22 अगस्त 1925 तक दिल्ली बहुत छोटा सा शहर था, लेकिन लोग उत्सुक थे कि असेंबली का प्रेसिडेंट कौन बनेगा? असेंबली भवन में गहमा-गहमी थी। मुकाबला स्वराज पार्टी के नेता विट्ठलभाई पटेल और सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के वरिष्ठ सदस्य दीवान बहादुर टी रंगाचारी के बीच था। रंगाचारी को ब्रिटिश समर्थक माना जाता था। विट्ठलभाई पटेल का नाम मोतीलाल नेहरू, खान बहादुर सरफराज हुसैन खान, टीसी गोस्वामी, डी बेलवी और अन्य ने प्रस्तावित किया। वहीं, रंगाचारी का नाम श्रीमती कामिनी कुमार चंद्रा, प्रिंस अकरम हुसैन बहादुर और खान बहादुर मोहम्मद इस्माइल ने रखा। जोरदार प्रचार के बाद वोटिंग हुई, जिसमें विट्ठलभाई पटेल को 56 वोट और रंगाचारी को 54 वोट मिले। इस तरह, पटेल सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के पहले भारतीय प्रेसिडेंट चुने गए। बता दें कि यही देश की आजादी के बाद भारतीय संसद कहलाई। उन्होंने चुनाव के बाद स्वराज पार्टी से नाता तोड़ लिया और पहले ही दिन बधाई के जवाब में कहा, "अब मेरा संबंध किसी पार्टी से नहीं है। अब मैं सब दलों के साथ हूं।"

विवेक शुक्ला
लेखक

शहीद-ए-आजम भगत सिंह और बीके दत्त ने 8 अप्रैल, 1928 को पब्लिक सेफ्टी बिल (क्रांतिकारी गतिविधियों को रोकने के लिए) और ट्रेड डिस्प्यूट्स बिल (मजदूरों की हड़ताल पर रोक के लिए) के खिलाफ सदन में गैर-घातक बम फेंके। जब क्रांतिकारियों ने बम फेंके और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ नारे लगाए, तब विट्ठलभाई पटेल सदन में मौजूद थे। उन्होंने कार्यवाही को 11 अप्रैल 1928 तक स्थगित कर दिया। 29 अगस्त 1928 को विट्ठलभाई पटेल ने असेंबली में हंगामा खड़ा कर दिया। उस दिन वायसराय लॉर्ड इरविन असेंबली को संबोधित करने आए। उस समय तक परंपरा थी कि जब वायसराय असेंबली में आते थे, तब अध्यक्ष अपनी कुर्सी छोड़ देते थे और वायसराय उस पर बैठते थे, जो ब्रिटिश शासन की सर्वोच्चता का प्रतीक था, लेकिन उस दिन पटेल ने इस परंपरा को तोड़ा और असेंबली की स्वायत्तता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के रूप में वे सदन की संप्रभुता और गरिमा के प्रतीक हैं, इसलिए वे अपने स्थान पर बने रहेंगे। पटेल के इस कदम से संवैधानिक संकट पैदा हो गया। आखिरकार, वायसराय के लिए एक अलग कुर्सी स्पीकर की कुर्सी के दाईं ओर रखा गया। लॉर्ड इरविन ने उसी कुर्सी से अपना भाषण दिया, जबकि विट्ठलभाई पटेल स्पीकर अपने स्थान पर बैठे रहे। विट्ठलभाई पटेल ने इस पद पर रहते हुए निष्पक्षता, साहस और राष्ट्रवादी भावना का परिचय दिया।

विट्ठलभाई ने अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता से यह सुनिश्चित किया कि भारतीय नेताओं की आवाज को दबाया न जाए। उनके कार्यकाल में असेंबली ने कई बार ब्रिटिश सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए, जो स्वतंत्रता संग्राम को गति देने में सहायक सिद्ध हुए। पटेल ने अपने समूचे कार्यकाल (1925 से 1930) के दौरान सदस्यों को सेंट्रल लेजिस्लेटिव अंसेबली में जेलों में बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई और दमनकारी कानूनों को रद्द करने की मांग के अलावा साइमन कमीशन का विरोध करने का मौका दिया।

ऑनलाइन गेमिंग सरकार का शिकंजा और जिम्मेदारी

अरविंद रावल
लेखक

भारत सरकार ने आनलाइन गेमिंग के बहाने हो रही सट्टेबाजी के भंवरजाल से युवा पीढ़ी को निकालने के लिए मानसून सत्र के दौरान प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ आनलाइन गेमिंग बिल 2025 लेकर आई है। यह बिल लोकसभा से पास भी हो गया है। डिजिटल प्लेटफार्मों पर खेलों की आड़ में चलने वाली सट्टेबाजी पर नकेल कसने की मांग लंबे समय से की जा रही है। सरकार को इस कानून से राजस्व की हानि होगी, लेकिन सिर्फ राजस्व के लिए देश की युवा पीढ़ी को सट्टेबाजी के खेल में नहीं झोंका जा सकता है। ऑनलाइन सट्टेबाजी रोकने के लिए बनाए गए कानून के तहत वही गेम आएंगे, जिनमें सीधे तौर पर बैंकों के जरिए रुपयों का लेन-देन होता है।

इस तरह के आनलाइन गेम को खेलते हुए पहले पैसा लगाया जाता है, जीतने के बाद वह पैसा सीधे बैंक अकाउंट में आ जाता है। गेम खेलने के लिए बड़े दावे और वादे वाले विज्ञापन सोशल मीडिया और टीवी पर दिखाए जाते हैं। इसमें बताया जाता है कि आप घर बैठे लाखों और करोड़ रुपये तक जीत सकते हैं। बस आपको कुछ देर के लिए फलां गेम खेलना होगा। दिखाए जा रहे विज्ञापन में आम तौर पर विनर मिडिल और लोवर मिडिल क्लास का कोई युवा या महिला होती है। यह सब कुछ बहुत समझदारी से प्लान किया जाता है।

बेरोजगार युवाओं और महिलाओं के पास समय ही समय है। वही आनलाइन गेम्स के टार्गेट ग्रुप्स होते हैं और यह आसानी से इसमें फंस भी जाते हैं। अकसर ऐसी खबरें आती हैं कि किसी बच्चे या युवा ने अपने पिता का लाखों रुपये आनलाइन गेम में बर्बाद कर दिया। जब इस बारे में पिता को पता चला तब तक वह लुट चुका होता था।

सरकार ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 से रीयल मनी गेम्स पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। युवाओं में शार्टकट से अमीर बनने की चाहत को समझने और रोकने की जिम्मेदारी परिवार को भी निभानी होगी।

सरकार द्वारा कानून लाए जाने से आनलाइन गेमिंग खिलाने वाली कंपनियों को धक्का लगेगा। सरकार की सख्ती को देखते हुए निश्चित ही अब वह सट्टेबाजी की दुकान समेटकर किसी नए स्वरूप में पैसा कमाने का तौर तरीका खोजने में जुट जाएंगे, इसलिए परिवार और समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह युवाओं को इस ओर जाने से रोकें। परिवार में उन्हें यह संस्कार दिया जाना जरूरी है कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। शार्ट कट तरीके से पैसा कमाना कुछ समय के लिए आसान लग सकता है, लेकिन पूरी जिंदगी इस पर नहीं टिकी रह सकती है।

उन्हें यह भी समझाने की जरूरत है कि सट्टेबाजी न सिर्फ अवैध है, बल्कि देश और समाज के साथ उनके लिए भी वह घातक है। भले कोई गेम सट्टेबाजी जैसा न दिखे। हो सकता है कि आने वाले दिनों में यह आनलाइन गेम नए स्वरूप में सामने आएं। आनलाइन गेम विजेताओं को देश या विदेश में घुमाने का वादा करें। सामान्य तरीके से इसमें पैसों का लेनदेन न दिखाई दे, लेकिन सवाल वही है कि कोई क्यों किसी को मुफ्त में यह सब-कुछ देना चाहता है!

सरकार ने आनलाइन गेमिंग को दो श्रेणियों में बांट दिया है। एक वह जिन आनलाइन खेलों में कोई पैसा नहीं लगता है और दूसरा वह खेल जिसे ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से खेला जाता है। सरकार ने पैसों से संबंधित खेले जाने वाले खेलों पर नकेल लगाकर तीन साल की सजा या एक करोड़ का जुर्माना लगाने का प्राविधान किया है।

सरकार ने डिजिटल प्लेटफार्मों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आनलाइन गेमिंग चलाने वाले लोगों की निगरानी के लिए अलग से तंत्र के गठन का भी नियम बनाया है। इससे पहले देश की सर्वोच्च अदालत तक भी ऐसे मामले पहुंचने लगे थे। इसके बाद सरकार ने गंभीरता से मंथन कर आनलाइन गेम की आड़ में की जाने वाली सट्टेबाजी को रोकने के लिए ऐसा कानून बनाने का फैसला किया। यह बिल लोकसभा से पास हो गया है। उम्मीद है कि राज्यसभा से भी यह पास हो जाएगा। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद ही जल्द ही यह कानून के रूप में मान्य हो जाएगा।

आनलाइन गेम एक फैशन बन गया है। घर ही नहीं, गली-चौराहों पर बड़ी संख्या में देर रात तक युवा आन लाइन गेम खेलते मिल जाते हैं। मेज पर मोबाइल रखकर चारों तरफ कुर्सी डाले युवा आन लाइन लूडो खेलते हुए जगह-जगह नजर आते हैं। आनलाइन लूडो, शतरंज या रम्मी खेलने के लिए पहले कुछ पैसे लगाने होते हैं। इसके बाद इस उम्मीद में युवा पैसे हारते जाते हैं कि एक दिन वह बड़ी रकम जीत जाएंगे।

बात समझने की यह है कि हमें भले यह लगे कि दूसरी तरफ भी कोई दूसरा व्यक्ति खेल रहा है, लेकिन ऐसा होता नहीं। दूसरी तरफ एआई होता है, जो हर सेकेंड सैकड़ों चालें सोच-समझ रहा होता है। आनलाइन गेम को इस तरह से प्रोग्राम किया जाता है कि शुरुआत में व्यक्ति खुद को जीतता हुआ सा महसूस करता है। वह उत्साह में आगे बढ़ता जाता है और फिर सत्तर फीसदी गेम आगे बढ़ते न बढ़ते वह हारने लगता है। युवा गेम भले हार रहा होता है, लेकिन इस हार में भी वह रोमांच तलाश लेता है। इसे वह एक चैलेंज की तरह लेता है और जीतने की जी-जान से कोशिश करता है। ऐसा कम ही होता है कि कोई जीत सके। यह सारा प्रोग्राम युवाओं को एडिक्ट बना रहा है। आनलाइन गेम का उन्हें नशा सा हो जाता है। मौका मिलते ही वह खेलने बैठ जाते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि कानून आने के बाद इस गेम पर रोक लगेगी और युवा इससे मुक्त हो सकेंगे।

आमने सामने

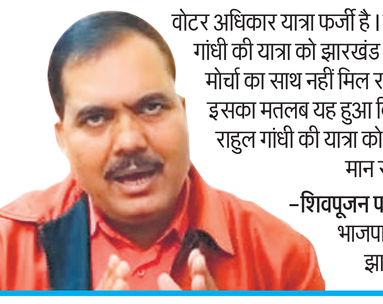

वोटर अधिकार यात्रा फर्जी है। राहुल गांधी की यात्रा को झारखंड मुक्ति मोर्चा का साथ नहीं मिल रहा है। इसका मतलब यह हुआ कि वह राहुल गांधी की यात्रा को फर्जी मान रहे हैं।

–शिवपूजन पाठक, भाजपा नेता, झारखंड

राहुल गांधी के बिहार में आ जाने के बाद कांग्रेस, राजद, लेफ्ट, झामुमो में कोई अंतर नहीं है। राहुल गांधी की यात्रा हो तो फर्जी, मोदी जी की हो तो एकता-अखंडता की यात्रा हो जाएगी।

राधाकृष्ण किशोर, वित्त मंत्री, झारखंड

नेपाल: राजनीति में अपरिहार्य कोइराला परिवार

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल की राजनीति में कभी कोइराला परिवार का दबदबा था। राजा के शासन से लेकर लोकतंत्र बहाली तक इस परिवार के चार प्रधानमंत्री हुए। कहना न होगा कि एक ही वंश के चारों प्रधानमंत्रियों का मिजाज भिन्न था और सभी की कार्यशैली भी अलहदा थी। कोइराला जाति से कान्यकुब्ज ब्राह्मण होते हैं। चूंकि यह परिवार पहाड़ का निवासी है, इसलिए इन्हें पहाड़ी ब्राह्मण भी कहा जाता है। राजशाही के जमाने में इस परिवार के पहले प्रधानमंत्री मातृका प्रसाद कोइराला हुए। मातृका प्रसाद 16 नवंबर 1951 से 14 अगस्त 1952 और फिर 15 जून 1953 से 11 अप्रैल 1955 तक ऐसे समय प्रधानमंत्री रहे, जब राजशाही अपने निरंकुशता के चरम पर थी। कोइराला परिवार के यह पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो बस नाम के प्रधानमंत्री थे, लेकिन उसके बाद जब इनके छोटे भाई वीपी कोइराला प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने तत्कालीन नरेश महेंद्र की नाक में दम कर दिया। वे मात्र 18 माह ही प्रधानमंत्री रहे, लेकिन इनके इस कार्यकाल को लोकतंत्र की स्थापना काल के रूप में याद किया जाता है।

प्रधानमंत्री वीपी कोइराला अपेक्षाकृत लोकतांत्रिक थे, इसीलिए उनका राजा महेंद्र से लंबे समय तक टकराव चला। बहुदलीय लोकतंत्र की लड़ाई में उन्हें 18 महीने जेल में रहना पड़ा। वे कई महीनों तक भूमिगत भी रहे। उन्हें निर्वासित जीवन भी व्यतीत करना पड़ा। वीपी कोइरालला नेपाल के ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्होंने 1960 में ही राजशाही की चूलें हिलाकर रख दी थीं। उनका जीवन अधिकांशतः जेल, निर्वासन और बीमारियों से जूझते हुए बीता। वीपी कोइराला के बाद इनके छोटे भाई गिरिजा प्रसाद कोइराला प्रधानमंत्री हुए। वे नेपाल के चार बार प्रधानमंत्री थे। उन्होंने राजशाही के वक्त का नेपाल और लोकतांत्रिक नेपाल दोनों को करीब से देखा। वे 1991 से लेकर 2008 तक, यानी लोकतंत्र बहाली तक नेपाल के प्रधानमंत्री रहे। वे लंबे समय तक पार्टी के अध्यक्ष भी रहे।

नेपाल की सिसायत में कोइराला परिवार अपरिहार्य स्थिति में रहा है। राजशाही से लेकर लोकशाही तक इस परिवार के चार प्रधानमंत्री हुए। इन सभी का राज घराने से गाहे-बगाहे टकराव भी होता रहा।

गिरिजा प्रसाद कोइराला को नेपाल का महात्मा गांधी भी कहा गया है। वे स्वर्गीय नरेश वीरेंद्र विक्रम शाह के काफी करीब रहे। वे सदैव ही भारत-नेपाल के बीच प्रगाढ़ संबंध के हिमायती रहे। गिरिजा प्रसाद कोइराला का भारत से भी नजदीक का संबंध रहा है। स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला का मिजाज अपने बड़े भाई वीपी कोइराला से भिन्न रहा। लोकतांत्रिक नेपाल का समर्थक होते हुए भी इनका तेवर राजा के प्रति कभी आक्रामक नहीं रहा।नेपाल की राजनीति में गिरिजा प्रसाद कोइराला के शांति स्वभाव के नाते इन्हें लोग प्यार से गिरिजा बाबू भी कहते थे।

गिरिजा प्रसाद कोइराला के बाद 2014 में सुशील कोइराला नेपाल के 37वें और लोकतांत्रिक नेपाल के छठवें प्रधानमंत्री हुए। सुशील कोइराला गिरिजा प्रसाद कोइराला के बुआ के लड़के थे। इस तरह इन्हें भी कोइराला परिवार के सदस्य के रूप में जाना जाता है। उनकी पहचान वरिष्ठ राजनितिज्ञ और लोकतांत्रिक योद्धा के रूप में है। वे पार्टी के अध्यक्ष भी रहे। प्रधानमंत्री रहते हुए उनकी सादगी की चर्चा खूब रही। वे सरकारी खजाने का एक भी पैसा अपनी सुविधाओं पर खर्च नहीं करते थे। नेपाल के लोगों को उस समय घोर आश्चर्य हुआ जब 2015 में नया संविधान लागू होने के बाद हुए आम चुनाव में उन्हें मौजूदा प्रधानमंत्री और एमाले नेता केपी शर्मा ओली से हार जाना पड़ा। चुनाव हारने के कुछ दिन बाद ही फेफड़े के संक्रमण की वजह से उनका निधन हो गया। सुशील कोइराला का मानना था कि नेपाल जैसे गरीब देश में केवल व्यक्तिगत आजादी और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी ही पर्याप्त नहीं है। वे कहते थे कि लोकतांत्रिक समाजवाद ही नेपाल के पिछड़ेपन का समाधान है। कोइराला परिवार की अंतिम शख्सियत सुशील कोइराला के बाद इस परिवार में राजनीतिक शून्यता आ गई। आज इस परिवार के एक मात्र सदस्य शेखर कोइराला नेपाल की राजनीति में सक्रिय हैं और नेपाली कांग्रेस में अपनी हैसियत बढ़ाने को संघर्षरत भी हैं। शेखर कोइराला पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला के चचेरे भाई हैं। शेखर कोइराला वर्तमान में प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं।

नेपाल में मौजूदा ओली सरकार नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में है। शेखर कोइराला के हाल में दिए सरकार पर जमीन कब्जाने संबंधी बयान से ओली सरकार असहज हुई है। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर भी कोइराला परिवार का कब्जा रहता था। इस परिवार के सुशील कोइराला नेपाली कांग्रेस के आखिरी अध्यक्ष रहे हैं। इस समय इस पार्टी के अध्यक्ष पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा हैं। नेपाल की राजनीति में चर्चा है कि शेखर कोइराला पार्टी के अध्यक्ष पद को हासिल करने की चाह रखते हैं, ताकि नेपाली कांग्रेस पर एक बार फिर कोइराला परिवार का वर्चस्व कायम हो सके।

सामयिकी

सेविंग बढ़ाने की भूलभुलैया में फंसा मध्यम आय वर्ग

भारत का मध्यवर्ग मेहनती है, महत्वाकांक्षी है और भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित भी रहता है, लेकिन जब बात रिटायरमेंट की आती है तो यथार्थ बेहद कड़वा साबित होता है। कारण यह नहीं कि वे बचत नहीं करते, बल्कि यह है कि उनकी बचत और निवेश की दिशा अकसर गलत होती है। रिटायरमेंट जीवन का वह पड़ाव है, जब इंसान दशकों की मेहनत के बाद आराम और मानसिक शांति की उम्मीद करता है, लेकिन हमारे समाज में यह अक्सर अधूरा सपना रह जाता है। भारतीय मध्यवर्ग अपनी मेहनत की कमाई को मुख्य रूप से तीन जगहों पर लगाता है- सोना, जमीन और शादी-ब्याह। ये तीनों ही निवेश परंपरागत रूप से सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं।

सोना घर में सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, लेकिन व्यवहारिक तौर पर यह न तो नियमित आय देता है, न ही महंगाई को मात देने वाला रिटर्न। जमीन को 'संपत्ति का राजा' समझा जाता है, लेकिन इसमें तरलता की भारी समस्या है। जरूरत पड़ने पर इसे तुरंत नकदी में बदल पाना मुश्किल है। शादी-ब्याह भारतीय मध्यवर्ग का सबसे बड़ा 'नॉन-प्रोडक्टिव निवेश' है। बच्चों की शादियों में जितना खर्च होता है, वह अक्सर रिटायरमेंट की पूंजी से कहीं ज़्यादा होता है।

राजीव सिंह
आर्थिक सलाहकार

इस तर्कहीन प्राथमिकता के कारण 50-55 की उम्र आते-आते व्यक्ति के पास पर्याप्त रिटायरमेंट फंड नहीं होता। महंगाई मध्यवर्ग की जमा-पूंजी की सबसे बड़ी दुश्मन है। आज अगर कोई व्यक्ति 10 लाख रुपये बचाकर सुरक्षित महसूस करता है, तो 20 साल बाद वही रकम शायद 2-3 लाख रुपये की क्रय शक्ति के बराबर ही रह जाएगी। औसतन भारत में स्वास्थ्य और शिक्षा महंगाई दर 10-12% के आसपास रहती है, जबकि साधारण बचत खाते या एफडी मुश्किल से 6-7% ब्याज देते हैं। यानी, पारंपरिक बचत साधन महंगाई को मात नहीं दे पाते। ऐसे में सिर्फ एफडी या पीपीएफ पर निर्भर रहना आत्मघाती रणनीति है।

भारतीय मध्यवर्ग की सबसे बड़ी चुनौती है सामाजिक जिम्मेदारियों का जाल। बच्चों की पढ़ाई और कोचिंग फीस, शादी-ब्याह का भारी खर्च, बुजुर्ग माता-पिता का स्वास्थ्य, बेरोजगार रिश्तेदारों की मदद, आम तौर पर मध्यवर्ग इन चीजों पर पैसे खर्च करता है। इन सबके बीच रिटायरमेंट की योजना हमेशा पीछे छूट जाती है। जो पैसा लंबी अवधि के लिए निवेश में जाना चाहिए, वह सामाजिक दबाव और दिखावे में खर्च हो जाता है। निजी क्षेत्र में पेंशन की परंपरा लगभग खत्म हो चुकी है। सरकारी नौकरियों में भी नई भर्तियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम उपलब्ध नहीं है। इस बीच स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई ने हालात और विकट बना दिए हैं।

रिटायरमेंट के बाद एक गंभीर बीमारी जीवन भर की पूंजी को निगल सकती है। निजी क्षेत्र में तो पेंशन का अस्तित्व ही नहीं है। वहां पीएफ (PF) और ग्रेच्युटी ही कर्मचारी का सहारा हैं। दूसरी ओर स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई ने स्थिति और कठिन बना दी है। गंभीर बीमारी (कैंसर, हार्ट अटैक, किडनी फेल्योर) पर लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। यदि स्वास्थ्य बीमा नहीं है तो पूरी जीवनभर की जमा-पूंजी कुछ महीनों में खत्म हो सकती है। पहले माता-पिता यह मानकर चलते थे कि बुढ़ापे में बच्चे सहारा बनेंगे, लेकिन नई पीढ़ी की प्राथमिकताएं अलग हैं। वे नौकरी के लिए शहर बदलते रहते हैं। जीवनशैली पर ज़्यादा खर्च करते हैं। अपने माता-पिता की तुलना में आर्थिक रूप से स्वतंत्र रहना चाहते हैं। इस बदलते सामाजिक ढांचे में 'बच्चे ही सहारा होंगे' का भरोसा खतरनाक भ्रम साबित हो सकता है। रिटायरमेंट संकट का एक बड़ा पहलू महिलाओं से जुड़ा है। बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यबल से बाहर रहती हैं। जो महिलाएं काम करती भी हैं, वे अक्सर शादी या मातृत्व के कारण करियर ब्रेक ले लेती हैं। घर की वित्तीय योजना में महिलाओं की भागीदारी कम होती है, जिससे रिटायरमेंट फंडिंग का बोझ पुरुष पर ही रह जाता है, इसलिए वृद्धावस्था में महिलाएं अकसर आर्थिक असुरक्षा का अधिक शिकार होती हैं।

सोशल फोरम

कुछ यूं आईं थीं सर्दियां

शहर में उस बरस सर्दियों की आमद यूं हुई थी, मानो किसी बिसरे हुए खत ने फलक पर अपनी पहली स्याही गिराई हो। कुहरे ने जब आसमान को छुआ था, तो दुपहर अपनी पहचान खो बैठी थी। हवा में एक ऐसी खुनकी (ठंडक) थी, जैसे वक्त को किसी ने रजाई में लिटाकर आधे ख्वाब में छोड़ दिया हो। गली के मोड़ पर वही जानी-पहचानी, कुछ अपनी सी चाय की टपरी थी। टूटे-फूटे बोर्ड पर धुंधली लिखावट और भीतर से उठती भाप में घुलती इलायची की खुशबू। वो दुकान, जहां हर हफ्ते कोई अलसाई दुपहर हमारी खामोशियों की गवाह बनती थी। उसके हाथों में भाप से लबरेज गिलास ठहरता और मैं उसे तका करती। जैसे कोई ठिठुरी हुई नज्म, जिसे आंखों में लपेटकर रूह की तहों में छुपा लेना हो।

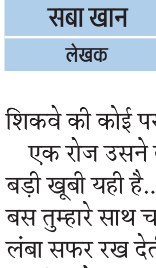

सबा खान
लेखक

जब वो चाय में इलायची तलाश करता, तो लगता जैसे रिश्तों की तहदार मिठास में कोई वायदा छुपा बैठा हो, जिसे वो उंगलियों से टटोलकर पा लेना चाहता हो और जब इलायची न मिलती, तो उसके होंठों पर इक मुस्कुराहट तिर आती, जैसे कोई पुराना वायदा आज भी खुद के पूरे हो जाने से इनकार कर रहा हो। मगर उसके लहजे में शिकवे की कोई परछाईं तक न होती।

एक रोज उसने कह दिया था– "जानती हो? तनहाई की सबसे बड़ी खूबी यही है... कि ये कभी चीखती नहीं। शोर नहीं करती। बस तुम्हारे साथ चाय पीती है और आंखों की गहराईयों में एक लंबा सफर रख देती है।" मैं गर्दन झुकाकर मुस्कुरा दी थी। मगर उस दिन के बाद हर चाय में मुझे भी एक गैरमौजूद सा हमसफर साथ बैठा महसूस होने लगा।

उसके जाने के बाद, मैं तमाम मौसमों में उधर से गुज़री... गुजरती रही। चाय पीती रही। सर्दियों के मौसम में जब भी सर्द हवा गर्दन को छूती, महसूस होता जैसे किसी ने पीछे से मफलर डाल दिया हो। हवा की चुभन बदन में नहीं, दिल में उतर आती। आज भी जब बादल सूरज को छुपा लेते हैं, मैं उसकी कही बात दोहरा लेती हूं–"जैसे कोई अपना... बस एक लम्हा मांग कर चला गया हो।" उस पल सर्दी सिर्फ हवा में नहीं, आवाज में भी उतर आती है। मैंने चाय पीना तो नहीं छोड़ा, मगर अब हर प्याले में इलायची नदारद होती। वही इलायची, जिस पर कभी हम दोनों मुस्कुरा लिया करते थे।

–फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि से खतरे में हिमालय

जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ने से पहाड़ों पर ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इसके चलते हिमालय में आपदाओं का दौर शायद ही थम पाए, हालिया शोध इसी ओर इशारा कर रहे हैं। वर्ष 1811 से आज तक किए गए वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हिमालय क्षेत्र की जलवायु निरंतर गतिशील रही है। तापमान में निरंतर वृद्धि, आद्रता में कमी, बादलों की ऊंचाई, वर्षा व बर्फबारी में कमी और वायु प्रदूषण में उछाल ने हिमालय को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसकी सबसे बड़ी वजह ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना है, जो वैश्विक ताप बढ़ा रही है और जलवायु परिवर्तित कर रही है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण पिछले दिनों उत्तरकाशी के धराली, जम्मू-कश्मीर और हिमांचल प्रदेश में आई आपदाएं हैं।

कार्बन डाइऑक्साइड व मीथेन की मात्रा में निरंतर दर्ज हो रहा उछाल

हिमालय क्षेत्र के वातावरण में सर्वाधिक परिवर्तन 1960 से 70 के दशक से देखा जा रहा है। इसका नतीजा है कि मैदानी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की मात्रा 422 पीपीएम तक पहुंचने लगी है। एरीज की हालिया शोध से पता चलता है कि मध्य हिमालय में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा 2.66 पीपीएम प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है, जबकि मीथेन 9.53 पीपीबी प्रति वर्ष की दर से उछाल पर है।

बादल फटने, ग्लेशियर पिघलने से बढ़ता जा रहा बाढ़ का खतरा

- जलवायु परिवर्तन से हिमालय के पर्वतीय राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ग्लेशियर भी तेजी से पिघल रहे हैं। इस कारण ऊंचे पर्वतों में झीलें बनने लगी हैं, जिनके टूटने से अचानक बाढ़ आ जाती है। ऐसी ही स्थिति बादल के फटने से भी बनती है। यह ऐसा बदलाव है, जिसकी पहले किसी ने कल्पना नहीं की थी। बाढ़ और उसके साथ बहकर आने वाले मलबे के प्रभाव से बड़े क्षेत्र में जान माल के खतरे के साथ कृषि भूमि बह जाती है। वन संपदा का नुकसान भी उठाना पड़ता है।

पिघल रहे ग्लेशियर दरक रहे पहाड़ और बढ़ती जा रही है कुदरत की मार

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान के शोध भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं

ग्लेशियर एक किमी पीछे खिसक चुके, जारी है सिकुड़ने का दौर

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल की वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ प्रियंका श्रीवास्तव का हालिया शोध ग्रीनहाउस गैसों में तेजी से वृद्धि को उजागर करता है तो डा नरेंद्र सिंह के पिछले 18 वर्षों का अध्ययन हिमालय क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन को गंभीरता से लेने का संकेत देता है। हिमालय में मीथेन और कार्बनडाई ऑक्साइड गैसों में तेजी से वृद्धि होने का मतलब तापमान में वृद्धि है, जो बर्फ पिघलाने में सहायक हैं। पिछले दो दशक में एरीज के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध बताते हैं कि हिमालय के ग्लेशियर एक किमी पीछे खिसक चुके हैं और इनके सिकुड़ने का दौर निरंतर जारी है।

वर्षा के पैटर्न में बदलाव से दिनों में आने लगी कमी

डा नरेंद्र सिंह के अनुसार पांच दशकों में जून-जुलाई के महीनों में किए शोध से पता चला है कि तापमान बढ़ने से वर्षा के दिनों की संख्या में कमी आई है। पहले मानसून वर्षा के दिनों की संख्या लगभग 120 दिन मानी जाती थी। इस दौरान औसतन 100 दिन तक वर्षा होती थी, लेकिन अब दिनों की संख्या लगभग 30 से 50 प्रतिशत कम हो चली है। अब कम समय में वर्षा अधिक होती है। जिस कारण वर्षा की मात्रा तो लगभग सामान्य रहती है, लेकिन दिनों में कमी आ चुकी है।

मानसून और पश्चिमी विक्षोभ की बारिश में आएगी कमी

- तापमान में निरंतर वृद्धि का सबसे बड़ा असर हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ेगा, जिनके पिघलने की संभावना से इंकार नहीं है। इससे मानसूनी बारिश की मात्रा में कमी आएगी और शीतकाल में होने वाली पश्चिमी विक्षोभ की वर्षा भी प्रभावित होगी। इस कारण हिमालय से निकलने वाली नदियों का जल कम हो जाएगा, जिसका असर 30 करोड़ आबादी पर पड़ेगा, जो हिमालय की नदियों पर निर्भर हैं।

15 से दो हजार मीटर की ऊंचाई पर फटते बादल

- हालिया शोध से पता चलता है कि बादल फटने की घटनाएं 15 सौ से दो हजार मीटर की ऊंचाई पर होती हैं। इसके लिए काफी हद तक ऊंचे खड़े पहाड़ जिम्मेदार होते हैं, जो नमी से भरे बादलों को आगे बढ़ने से रोक लेते हैं। इससे पानी से भरे बादल भारी टूटने लगते हैं, जिससे एक ही स्थान में घंटे भर में 100 मिमी तक बारिश हो जाती है। ग्लेशियर 25 सौ मीटर से अधिक की ऊंचाई में झीलों को जन्म देते हैं। जब झील के पानी का घनत्व बढ़ने लगता है तो वह टूट जाती हैं और तबाही का बड़ा कारण बनती हैं।

07 डिग्री तक बढ़ जाएगा वैश्विक तापमान इस सदी के अंत तक

- एरीज के वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान सात डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसका बड़ा असर उत्तरी गोलार्ध में रहेगा। इससे न्यूनतम तापमान 4 से 6 डिग्री और अधिकतम तापमान 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है। पिछले ढाई दशक में ग्रीन हाउस गैसों के कारण वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच चुका है।

बादलों की ऊंचाई भी बढ़ने लगी

पर्वतीय क्षेत्रों में बादल पांच साल पहले 60 से 100 मीटर की ऊंचाई पर उड़ा करते थे, लेकिन अब 100 से 200 मीटर की ऊंचाई पर रहने लगे हैं। नैनीताल व मुक्तेश्वर के पर्वतीय क्षेत्रों में यह बदलाव देखा गया है। इस कारण इन क्षेत्रों में बर्फबारी अब बहुत कम हो गई है और भविष्य में बंद हो सकती है।

लेखक
नरेंद्र सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक एरीज

लेखिका
डॉ प्रियंका श्रीवास्तव

नए उत्पाद
गैजेट

रेडमी 15 तीन आकर्षक रंगों में हुआ लॉन्च

- रेडमी ने भारत में नया स्मार्टफोन रेडमी 15 लॉन्च किया है। यह तीन रंगों मिडनाइट ब्लैक, फ्रॉस्टेड व्हाइट और सैंडी पर्पल में उपलब्ध है। इस फोन में 144Hz हाई रिफ्रेश रेट डिस्प्ले, 7000mAh बैटरी और स्नैपड्रैगन 6s जेन 3 चिपसेट जैसे फ्लैगशिप लेवल फीचर्स मिलते हैं। 6GB और 8GB RAM ऑप्शन के साथ आए इस फोन की शुरुआती कीमत 14,999 रुपये है। रेडमी 15 की खास बात इसकी 7000mAh बैटरी है। इस बड़ी बैटरी को चार्ज करने के लिए 33W फास्ट चार्जिंग और 18W रिवर्स चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है। फोन में 6.9 इंच का फुल HD+ LCD डिस्प्ले है। इसमें वेट टच 2.0 टेक्नोलॉजी है, जिससे पानी या पसीने से गीली अंगुलियों से भी स्क्रीन को आसानी से ऑपरेट किया जा सकता है। रेडमी 15 5G में 50MP डुअल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें AI बेस्ड डायनामिक शॉट, AI इरेजर और AI स्काई इनहान्समेंट जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 8MP फ्रंट कैमरा है।

सेनहाइजर के ओपन ईयर या हाफ इन ईयर बड्स

ईयरबड्स के रबर टिप्स की वजह से इन्हें इस्तेमाल करने वाले लोगों को आसपास का शोर लगभग सुनाई नहीं देता है। इसी दिक्कत का समाधान करते हैं, सेनहाइजर कंपनी के ओपन ईयर या हाफ इन ईयर डिजाइन वाले बड्स। कंपनी ने इन्हें Accentum Open नाम से पेश किया है। इन बड्स को कंपनी की वेबसाइट से 9,990 रुपये में खरीदा जा सकता है। ओपन ईयर या हाफ इन ईयर डिजाइन वाले ये बड्स बिना रबर टिप वाले हैं। यह बड्स म्यूजिक लवर्स को काफी पसंद आएंगे। कंपनी का दावा है कि इनमें 28 घंटे का बैकअप मिलता है। एक बार चार्ज होने पर बड्स 6.5 घंटे तक चल सकते हैं। इन बड्स का कर्वी डिजाइन इन्हें रखरखाव में आसान बनाता है। इन्हें टाइट जींस के पॉकेट में भी आसानी से रखा जा सकता है। इन बड्स में वॉल्यूम कंट्रोल और मल्टी कनेक्टिविटी का फीचर होने से वॉल्यूम घटा और बढ़ा सकते हैं। इन्हें एक साथ दो डिवाइस से कनेक्ट किया जा सकता है।

लॉवा लॉन्च करेगा गेमिंग स्मार्टफोन

लॉवा नया गेमिंग स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है। इसके लिए स्मार्टफोन में कई नए फीचर शामिल किए गए हैं। लॉवा ने नए स्मार्टफोन के टीजर में गेमिंग की झलक दिखाई है। इस स्मार्टफोन की डिस्पले 6.67 इंच की रहेगी, जो 120Hz रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करने में सक्षम है। इसमें MediaTek Dimensity 7300 का प्रोसेसर दिया जा सकता है। इसके अलावा मेन कैमरा 64MP का AI मैट्रिक्स और गेमबूस्ट मोड दिया जा सकता है। यह गेम के परफॉर्मेंस और अनुभव को बढ़ाएगा। इस स्मार्टफोन में 5,000mAh की बैटरी हो सकती है। कीमत की बात करें तो यह 15 हजार रुपये मे लॉन्च होगा।

एआई की मदद से सौ दिन में सरसों की फसल तैयार, 35% ज्यादा पैदावार

आमतौर पर सरसों की फसल 120 से 130 दिन में तैयार होती है, लेकिन एआई की मदद से वैज्ञानिक आधार पर खेती करके सरसों की फसल को 100 दिन में तैयार किया जा सकता है। यही नहीं कम से कम एक तिहाई ज्यादा पैदावार के साथ एफिड्स और आल्टरनेरिया ब्लाइट जैसे कीटों की समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है। यह बात सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मोदीपुरम के तीन छात्रों अक्षत गुप्ता, गोविंद त्यागी और जया बिंदल ने अपने शोध से साबित कर दिखाई है। परंपरागत खेती प्रणाली लंबे समय से सरसों की खेती का आधार रही है। इसमें जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और कीट प्रतिरोध किसानों के लिए बड़ी समस्या है। इन्हीं दिक्कतों का समाधान तीनों छात्रों ने अपने वैज्ञानिक शोध में खोजा है। उन्होंने सरसों की DMH-1, पूसा सरसों-29, NRCHB-506 किस्म लेकर शोध शुरू किया। खेती में एआई आधारित सिंचाई प्रबंधन, जीपीएस, ड्रोन सेंसर का उपयोग किया और मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगाकर पहली फसल 100 दिन में हासिल कर दिखाई।

गोविंद त्यागी।

अक्षत गुप्ता

जया बिंदल।

25 डिग्री तापमान सबसे उपयुक्त

- 10 से 25 डिग्री सेंटीग्रेड का ठंडा तापमान सरसों फूलने के लिये आदर्श है। बीज पकने के समय सूखा मौसम उपयुक्त होता है। फूलने के समय पाले से बचाव आवश्यक है। मिट्टी अच्छी जल निकासी वाली दोमट या बलुई दोमट मिट्टी, PH 6.0–7.5 के साथ उपयुक्त है। जैविक पदार्थ से भरपूर मिट्टी उत्पादकता बढ़ाती है।
- **डिजिटल कृषि अपनाई :** छात्रों ने फार्म प्रबंधन सॉफ्टवेयर के माध्यम से फसल निगरानी और इनपुट प्रबंधन किया और मोबाइल ऐप्स से वास्तविक समय कीट अलर्ट, मौसम अपडेट और कृषि सुझाव हासिल किए।

इस तरह की बुवाई और कटाई

- छात्रों ने सीड ड्रिल द्वारा 30×10 सेमी की उचित दूरी पर समान बुवाई की। कम्बाइन हार्वेस्टर अपनाकर कटाई में नुकसान कम और श्रम लागत बचाई। स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, माइक्रो-सिंचाई तकनीक अपनाई। ड्रिप सिंचाई से कम पानी से मिट्टी की नमी बनाए रखी।

जलवायु परिवर्तन के खतरे घटाए

- अनियमित वर्षा और तापमान में बदलाव सरसों की फसल में फूल और बीज बनने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। नई प्रणाली से जलवायु परिवर्तन के इन खतरों पर भी नियंत्रण पाया गया। सरसों की यह आधुनिक खेती प्रणाली पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक प्रथाओं का संतुलित मिश्रण जैसी है।

मुनाफे भरा सौदा

- शोध छात्रों का दावा है कि सटीक खेती, स्मार्ट सिंचाई और एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाकर किसान अधिक उत्पादकता, कम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ बेहतर मुनाफा पा सकते हैं। सरसों की खेती को बदलते कृषि परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने में यह काम सहायक है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2690, राज श्री 1840, फ़ॉर्चून कि. 2230, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13किग्रा 1960, जय जवान 1945, सचिन 2020, सूरज 1945, अवसर 1880, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1850, क्लासिक (किग्रा) 2065, मोर 2135, चक्र टिन 2435, ब्लू 2080, आशीर्वाद मस्टर्ड 2540, स्वास्तिक 2630
किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000–17000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 7000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400–600, मखाना 900–1100
चावल (प्रतिकु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350
दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800–13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7700 मलका दाल 7600–7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 9000–10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000–11000, चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200–9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800–10300, अरहर कोरी छोटी 10300
चीनी डालमियां 4360, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4280, धामपुर 4360किग्रा

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 5700, मसूरी– 4800 बासमती– 9400, परमल– 3850
दाल दलहन : काला चना– 7900, साबुत चना दाल– 7300, मूंग साबुत– 9500 राजमा– 12100–14000, दाल उड़द– 9000, साबुत मसूर दाल– 7400, मसूर दाल– 7320, उड़द साबुत– 8200, काबुली चना– 10500, अरहर दाल– 11200 लोबिया/करमानी– 9100

आईपीओ से पहले शेयरों की हो सकेगी खरीद-बिक्री

सेबी की आईपीओ लाने वाली कंपनियों के लिए नया मंच लाने और शेयर वायदा कारोबार की अवधि बढ़ाने की योजना

मुंबई, एजेंसी

- **आईपीओ आवंटन एवं सूचीबद्ध होने के बीच विनियमित तरीके से शेयर व्यापार करने की मिलेगी अनुमति**
- **सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सार्वजनिक रूप से गुरुवार को दी जानकारी**

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने गुरुवार को कहा कि बाजार नियामक एक विनियमित मंच पेश कर सकता है, जहां आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने वाली कंपनियां सूचीबद्ध होने से पहले कुछ खुलासे करने के बाद कारोबार कर सकेंगी। यह नया मंच निवेशकों को आईपीओ आवंटन एवं सूचीबद्ध होने के बीच तीन दिन की अवधि में विनियमित तरीके से शेयर का व्यापार करने की अनुमति दे सकता है।

यह पहल मौजूदा अनियमित 'ग्रे मार्केट' की जगह ले सकती है, जो वर्तमान में इस अवधि के दौरान संचालित होता है। पांडेय ने साथ ही कहा कि नियामक शेयर वायदा कारोबार की अवधि एवं परिपक्वता में सुधार लाने पर विचार कर रहा है। इससे ऐसे उत्पादों में व्यापार पर अंकुश लगेगा, जहां वित्त वर्ष 2024-25 में 91 प्रतिशत व्यक्तिगत व्यापारियों को घाटा हुआ था। पांडेय ने 'फिक्की कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस' 2025 में कहा कि निवेशकों के लिए निवेश संबंधी निर्णय लेने को सूचीबद्ध होने से पहले की जानकारी अक्सर पर्याप्त नहीं होती है। पांडेय ने एक पहल का संकेत देते हुए कहा, एक विनियमित मंच प्रायोगिक आधार पर जहां आईपीओ लाने की तैयारी कर रही कंपनियां कुछ खुलासों के बाद व्यापार करने का विकल्प चुन सकती हैं। यदि इस पहल को क्रियान्वित किया जाता है तो इससे अनियमित मंचों जिन्हें अक्सर 'ग्रे मार्केट' कहा जाता है, उन पर असूचीबद्ध शेयर के व्यापार पर अंकुश लग सकेगा। वर्तमान में, आईपीओ के बोली लगना बंद होने और बाजारों में इसके खुलने में कम से कम तीन कारोबारी दिनों का अंतराल होता है और इस अवधि के दौरान 'ग्रे मार्केट' में व्यापार होता है। गैर-सूचीबद्ध क्षेत्र जो कि अधिकतर अनियमित बना हुआ है, निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। हालांकि, इसमें कई निवेशकों के लिए काफी जोखिम है।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारतीय आईपीओ बाजार 2025 तक 48 मुख्य कंपनियों की सूचीबद्धता के साथ काफी सक्रिय हो गया है। उल्लेखनीय है कि अगस्त माह में 11 कंपनियों ने अपनी आरंभिक शेयर बिक्री शुरू की। अगले सप्ताह कुछ और कंपनियां भी आईपीओ लाने वाली हैं। 'प्री-आईपीओ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' पर डिपॉजिटरी के साथ कोई चर्चा होने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं जो भी कह रहा हूं, वह केवल सैद्धांतिक है।

यह नया मंच निवेशकों को आईपीओ आवंटन एवं सूचीबद्ध होने के बीच तीन दिन की अवधि में विनियमित तरीके से शेयर का व्यापार करने की अनुमति दे सकता है। यह पहल मौजूदा अनियमित ग्रे मार्केट की जगह ले सकती है, जो वर्तमान में इस अवधि के दौरान संचालित होता है। शेयर वायदा कारोबार के संबंध में सेबी नकदी शेयर बाजारों को गहरा करने के तरीकों की तलाश कर रहा है। साथ ही लंबी अवधि के उत्पादों के माध्यम से वायदा-विकल्प की गुणवत्ता को भी बढ़ा रहा है।

पांडेय ने कहा, हम वायदा-विकल्प उत्पादों के परिपक्वता खाके और सुधार के तरीकों पर हितधारकों के साथ परामर्श करेंगे, ताकि वे हेजिंग (जोखिम प्रबंधन रणनीति) और दीर्घकालिक निवेश के लिए बेहतर सेवा प्रदान कर सकें।

कार्वी के निवेशकों के लिए दावा करने का समय बढ़ाया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को ग्राहकों की प्रतिभूतियों एवं कोष के निपटान में चूक करने वाली कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) के निवेशकों के लिए दावे दाखिल करने की समयसीमा दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने 23 नवंबर, 2020 को ब्रोकिंग फर्म केएसबीएल को चूककर्ता घोषित कर दिया था। इसके बाद निवेशकों को अपने दावे दाखिल करने के लिए कहा गया था और इसकी अंतिम तिथि दो जून, 2025 तय की गई थी। बाजार नियामक ने अब इस समयसीमा को बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2025 कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि जिन निवेशकों ने अभी तक दावा दर्ज नहीं कराया है, वे अंतिम तिथि से पहले दावा दाखिल कर दें। निवेशकों की सुविधा के लिए एनएसई का टोल–फ्री नंबर 1800 266 0050 और ईमेल भी उपलब्ध है।

भारतीय हस्तशिल्प, हथकरघा के निर्यात को नए मुकाम तक ले जाने की जरूरत: गिरिराज

नई दिल्ली, एजेंसी

- **केंद्रीय कपड़ा मंत्री बोले- महिला कारीगरों की मासिक आय 15-20 हजार तक पहुंचाने के प्रयास जारी**

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को हथकरघा और हस्तशिल्प के निर्यात को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि महिला कारीगरों की मासिक आय को न्यूनतम 15 से 20 हजार रुपये तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सिंह ने यहां कपड़ा मंत्रालय की तरफ से विकसित शिल्प परिसर 'द कुंज' का उद्घाटन करने के बाद कहा कि देश में करीब एक करोड़ लोग हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

मंत्री ने कहा, ''शिल्प परिसर 'कुंज भवन' देशभर के शिल्पियों के लिए अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का एक मंच होगा। हमारा लक्ष्य है कि महिला कारीगरों (शिल्प दीदी) की मासिक आय कम से कम 15 से 20 हजार रुपये हो सके।'' उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हथकरघा एवं हस्तशिल्प के निर्यात को और बढ़ावा देना समय की जरूरत है। 'कुंज भवन' की परिकल्पना भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा की विविध धरोहर को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने के लिए एक सांस्कृतिक एवं खुदरा गंतव्य के रूप में की गई है।

वस्त्र निर्यात 12.18 अरब डॉलर रहा

वित्त वर्ष 2025–26 की अप्रैल–जुलाई अवधि में देश का कुल वस्त्र निर्यात 12.18 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 11.73 अरब डॉलर की तुलना में 3.87 प्रतिशत अधिक है।

जेवर हवाईअड्डे के 20 किमी के दायरे में निर्माण से पूर्व एनओसी लेना जरूरी

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर प्रशासन ने कहा है कि नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के 20 किलोमीटर तक के दायरे में अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त किए बिना कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

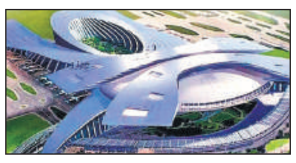

बुधवार को कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मेधा रूपम ने जेवर में बनने वाले हवाई अड्डे के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा जलभराव को रोकने के लिए ठोस उपाय अपनाने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने कहा, विमान संचालन में कोई बाधा न आए, इसके लिए पक्षियों और आवारा जानवरों की गतिविधियों पर नियंत्रण होना चाहिए। ड्रोन और लेजर जैसी गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाए और ग्रामीण इलाकों में इसके बारे में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। जिलाधिकारी ने रेखांकित किया कि हवाई अड्डे का सुरक्षित संचालन और आपदा प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कृषि, ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 0.77 एवं 1.01%

नई दिल्ली। कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 0.77 प्रतिशत व 1.01 प्रतिशत रह गई जो जून में क्रमशः 1.42 और 1.73% थी। श्रम मंत्रालय ने कहा कि कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जुलाई 2025 में 1.23 अंक बढ़कर 135.31 हो गया जबकि ग्रामीण श्रमिकों का सूचकांक 1.30 अंक बढ़कर 135.66 पर पहुंच गया। कृषि श्रमिकों के लिए खाद्य सूचकांक में जुलाई 2025 में 1.94 अंक और ग्रामीण श्रमिकों के लिए 2.16 अंक की वृद्धि हुई।

बीएफएसआई क्षेत्र में 2.5 लाख नौकरियां होंगी सृजित

मुंबई, एजेंसी

- **2025-26 में नियुक्तियों में 8.7 प्रतिशत और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की वृद्धि का अनुमान**

भारत का बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा (बीएफएसआई) क्षेत्र मजबूत वृद्धि के लिए तैयार है। 2025-26 में नियुक्तियों में 8.7 प्रतिशत और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की वृद्धि का अनुमान है, जिससे करीब 2.5 लाख स्थायी नौकरियां उत्पन्न होंगी। गुरुवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में यह वृद्धि छोटे व मझोले श्रेणी के शहरों में बढ़ती मांग के दम पर हो रही है, जो महानगर केंद्रित भर्ती से स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। कार्यबल समाधान प्रदाता एडेको इंडिया ने रिपोर्ट में कहा, बीएफएसआई क्षेत्र में प्रतिभाशाली लोगों की बढ़ती मांग के दम पर देश के छोटे व मझोले शहर शक्तिशाली इंजन के रूप में उभर रहे हैं, जहां लगभग 48 प्रतिशत नई नौकरियां सृजित हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में भर्तियों में 27 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

स्थानीय भाषा में दक्षता एवं जमीनी स्तर पर बिक्री का अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों के अब चयनित होने की संभावना 2.5 गुना अधिक है और उन्हें 10-15 प्रतिशत अधिक वेतन मिलेगा। इस बीच, बैंकों ने बिक्री एवं संबंधि अधिकारियों, डिजिटल उत्पाद प्रबंधकों और ऋण जोखिम विश्लेषकों के लिए भर्ती बढ़ा दी है, जो इस वर्ष पारंपरिक बीएफएसआई भर्ती में सबसे अधिक मांग वाली भूमिकाएं हैं। रिपोर्ट से पता चला कि वित्त एवं बीमा कंपनियां तेजी से वित्तीय योजनाकारों, निवेश सलाहकारों, डिजिटल अंडरराइटर्स और दावा स्वचालन विशेषज्ञों आदि की मांग कर रही हैं। इसमें कहा गया कि इससे इंदौर, कोयम्बटूर, नागपुर और गुवाहाटी जैसे बाजारों में नियुक्तियों में 15-18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं सूरत, जयपुर, लखनऊ और भुवनेश्वर में 11-13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

राष्ट्रीय

एसआईआर पर हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र

लोकसभा की 31 फीसदी और राज्यसभा में 39 प्रतिशत ही निपटाया जा सका कामकाज

नई दिल्ली, एजेंसी

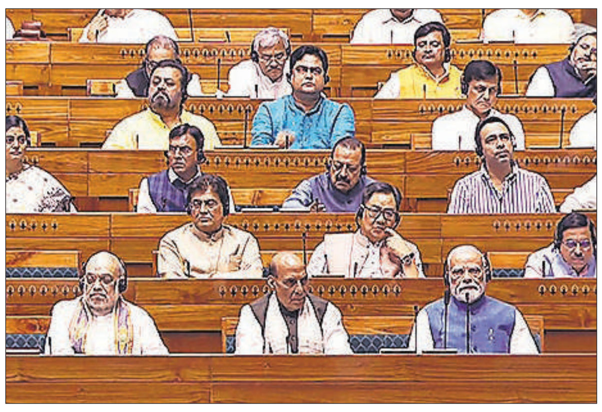

लोकसभा की कार्यवाही में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी व अन्य नेता।

संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया और इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लगातार गतिरोध बना रहा। इसके कारण लोकसभा की उत्पादकता जहां महज 31 घंटे प्रतिशत रही वहीं राज्यसभा में यह 39 फीसदी रही।

लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र के दौरान कार्यवाही में गतिरोध बनाए रखने पर विपक्षी दलों के प्रति निराशा प्रकट करते हुए कहा कि नियोजित तरीके से सदन के कामकाज में व्यवधान पैदा किया गया जो लोकतंत्र और सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। इसी प्रकार राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश ने सत्र के दौरान लगातार बने गतिरोध पर निराशा जताते हुए कहा, सूचीबद्ध कार्यों पर सार्थक और सुचारू चर्चा सुनिश्चित करने के आसन के भरसक प्रयासों के बावजूद, यह सत्र दुर्भाग्यवश बार-बार व्यवधानों के कारण बाधित रहा, जिसके परिणामस्वरूप बार-बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे न केवल बहुमूल्य संसदीय समय की हानि हुई, बल्कि हमें लोक महत्व के कई मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर भी नहीं मिला। मानसून सत्र के दौरान कामकाज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे किंतु इस दौरान लोकसभा में केवल 37 घंटे और राज्यसभा में मात्र 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। सत्र के दौरान दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गये। इस दौरान सरकार ने लोकसभा में कुल 14 विधेयक पेश किए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के भारी हंगामे के बीच बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025', 'संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। इनमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए जाने और लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाए जाने का प्रावधान है। लोकसभा में जब गृह मंत्री इन तीनों विधेयकों को पेश कर रहे थे, उस समय विपक्ष के कुछ सदस्यों को उनके सामने कुछ कागज फाड़कर फेंकते देखा गया।

मोदी ने कांग्रेस नेतृत्व की असुरक्षा पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के मानसून सत्र के दौरान कार्यवाही के सुचारू रूप से नहीं चलने पर गुरुवार को निराशा जताई और कहा कि कांग्रेस के प्रतिभाशाली और युवा सांसद अपने नेतृत्व की असुरक्षा के कारण चर्चा में भाग नहीं ले पाते हैं। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कक्ष में विभिन्न दलों के नेताओं की पारंपरिक अनौपचारिक बैठक में यह टिप्पणी की। संसद के निचले सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद यह बैठक हुई। हालांकि, विपक्षी दलों के नेता इस बैठक से दूर रहे। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम नहीं लिया, जो बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर की कवायद के खिलाफ अपनी पार्टी (कांग्रेस) के विरोध–प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं, हालांकि उनकी (मोदी की) टिप्पणी स्पष्ट रूप से उन पर लक्षित थी। मोदी ने ऑनलाइन गेमिंग के संवर्धन और विनियमन विधेयक का उल्लेख किया, जो सभी रियल–मनी खेलों पर प्रतिबंध लगाता है और जिसे लोकसभा एवं राज्यसभा ने शोर–शराबे के कारण बिना चर्चा के पारित कर दिया।

जल्द ही कोई हमारी धरती से, हमारे रॉकेट से अंतरिक्ष की यात्रा करेगा: शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आईएसएस की सफल यात्रा से उत्साहित अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बताए प्रत्यक्ष अनुभव**

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की सफल यात्रा से उत्साहित भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि जल्द ही कोई हमारे अपने कैप्सूल से, हमारे रॉकेट से, हमारी धरती से अंतरिक्ष की यात्रा करेगा। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आईएसएस मिशन का प्रत्यक्ष अनुभव बेहद अनमोल और किसी भी प्रशिक्षण से कहीं बेहतर था।

उन्होंने कहा कि भारत आज भी सारे जहां से अच्छा दिखता है। ये शब्द पहली बार भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने 1984 में अपने अंतरिक्ष मिशन के दौरान कहे थे। अपने 'एक्सिओम-4' मिशन को लेकर शुक्ला ने कहा कि आईएसएस मिशन से हासिल अनुभव भारत के 'गगनयान' मिशन के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा और उन्होंने पिछले साल अपने (एक्सिओम-4) मिशन के दौरान बहुत कुछ सीखा। उन्होंने कहा, आपने चाहे कितना भी प्रशिक्षण लिया हो, लेकिन उसके बाद भी, जब आप रॉकेट में बैठते हैं और इंजन चालू होता है तथा आप उड़ान भरते हैं, तो मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही अलग एहसास होता है। शुक्ला ने कहा, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इस दौरान कैसा महसूस होगा। रॉकेट में सवार होने से लेकर धरती पर वापस लौटने पर उसके समुद्र में उतरने तक का अनुभव अविश्वसनीय था। यह इतना रोमांचक और अद्भुत था कि मेरे पास इसे बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।

संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष विभाग लगभग 70 वर्षों से अस्तित्व में है और आधिकारिक तौर पर इसरो की स्थापना 1969 में हुई थी। उन्होंने कहा, आखिर यह सब पिछले कुछ वर्षों में ही क्यों हुआ, पिछले पांच-छह दशकों में ऐसा क्यों नहीं हो सका। हमने उन रणनीतियों पर अमल करना शुरू कर दिया है, जिनका पालन बाकी दुनिया कर रही है। अब हमारे मानक वैश्विक मानक हैं, हमारी रणनीतियां वैश्विक हैं और जिन मानदंडों पर हम खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं, वे भी वैश्विक हैं।

भारत के 'गगनयान' मिशन के चालक दल में शामिल ग्रुप कैप्टन प्रशांत बी नायर ने कहा, अब से कुछ महीनों बाद दिवाली आने वाली है। यही वह समय है, जब राम जी ने अयोध्या में प्रवेश किया था। अभी यहां अगर मैं खुद को लक्ष्मण कह सकूं तो... भले ही मैं उम्र में 'शुक्ला' से बड़ा हूं, फिर भी मैं किसी दिन इस राम का लक्ष्मण बनना पसंद करूंगा।

कोचों में पानी की कमी की एक लाख शिकायतें

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कैग ने संसद के दोनों सदनों में पेश की गई रिपोर्ट में दी जानकारी**

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय रेलवे को वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कोचों में शौचालयों और वॉश बेसिन में पानी की अनुपलब्धता के संबंध में कुल 1,00,280 शिकायतें प्राप्त हुईं। संसद के दोनों सदनों में पेश रिपोर्ट में बताया गया है कि 33,937 यानी 33.84 प्रतिशत मामलों में इन शिकायतों के समाधान में अपेक्षित समय सीमा से अधिक वक्त लगा।

यह ऑडिट रिपोर्ट 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए भारतीय रेलवे में लंबी दूरी की ट्रेनों में स्वच्छता और सफाई के निष्पादन ऑडिट का विवरण देती है। इसमें अधिक यात्री यातायात को देखते हुए उच्च स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया गया है, क्योंकि यह सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ-साथ समग्र सौंदर्यबोध को प्रभावित करता है।

लंबी दूरी की ट्रेनों में बायो-टॉयलेट की सफाई के संबंध में, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 96 चुनिंदा ट्रेनों में 2,426 यात्रियों से बातचीत करते हुए एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया था। सर्वेक्षण में शामिल यात्रियों में संतुष्टि का स्तर पांच जोन में 50 प्रतिशत से अधिक था, जबकि दो जोन में यह 10 प्रतिशत से कम था। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, 2022-23 के दौरान रेल में कोचों में शौचालयों और वॉश बेसिन में पानी की अनुपलब्धता के संबंध में कुल 1,00,280 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 33,937 मामलों (33.84 प्रतिशत) में, समस्या के समाधान में लगने वाला समय अपेक्षित समय सीमा से अधिक था।

डिब्बों में पानी की उपलब्धता का ऑडिट करने वाले कैग ने पानी की कमी के बारे में अक्सर होने वाली सार्वजनिक शिकायतों को उजागर किया, जिनका कारण अक्सर अपर्याप्त पानी भरना या निर्दिष्ट वॉटरिंग स्टेशनोंपर पानी न भरना होता है।

कुत्तों को उठाने संबंधी अधिसूचना की याचिका पर तत्काल सुनवाई नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **एमसीडी की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दी जानकारी**

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को आवारा कुत्तों को उठाने के संबंध में एमसीडी द्वारा जारी अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने एक वकील द्वारा इस संबंध में आवेदन दायर किए जाने का उल्लेख करने के बाद तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। आवेदन में कहा गया था कि एमसीडी ने कोर्ट द्वारा आदेश सुरक्षित रखे जाने के बावजूद अधिसूचना जारी की।

शीर्ष अदालत द्वारा पारित 11 अगस्त के निर्देशों पर रोक लगाने के अनुरोध वाली अंतरिम अर्जी पर अपना आदेश सुरक्षित रखते हुए 14 अगस्त को न्यायालय ने कहा था दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की पूरी समस्या स्थानीय अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण है। तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे जल्द सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाना शुरू करें।

जाम से जूझे चालक

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में गुरुवार को भूस्खलन के बाद कीरतपुर–मनाली राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। राहत कार्य के बाद यह मार्ग एक तरफ से यातायात के लिए खोला गया। दिनभर वाहन चालक जाम से जूझते रहे। एजेंसी

वर्ल्ड ब्रीफ

खाई में गिरी तीर्थयात्रियों की बस, एक की मौत

सांबा/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में बृहस्पतिवार को माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर जा रहे तीर्थयात्रियों की बस जम्मू-पठानकोट राजमार्ग से फिसलकर खाई में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 39 लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जटवाल में हुई जब उत्तर प्रदेश से कटरा जा रहे तीर्थयात्रियों की बस का टायर फट गया और वह एक छोटे पुल के पास राजमार्ग से फिसल गई। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान अमरोहा निवासी 45 वर्षीय इकबाल सिंह के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद एक बचाव अभियान शुरू किया गया और घायलों को सांबा के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

फिजी के पीएम राबुका यात्रा पर भारत आएंगे

नई दिल्ली। फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका आगामी रविवार को भारत की तीन दिन की यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि उनके साथ उनकी पत्नी सुलुएती राबुका भी आएंगी। फिजी के प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री रातू अटोनियो लालबालावु और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। राबुका की प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली भारत यात्रा होगी। वह 25 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। राबुका का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। राबुका भारतीय विश्व मामलों की परिषद में 'शांति का महासागर' विषय पर व्याख्यान भी देंगे।

यांगून में महसूस किए भूकंप के तेज झटके

यांगून। म्यांमार के यांगून शहर में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। म्यांमार के मौसम विज्ञान एवं जल विज्ञान विभाग ने बताया कि स्थानीय समयानुसार लगभग पूर्वाह्न नौ बजकर 28 मिनट पर कुछ सेकेंड तक झटके महसूस किए। भूकंप का केंद्र यांगून क्षेत्र के कुंगयांगून शहर से लगभग 28 मील दक्षिण-पूर्व में 16.08 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 96.22 डिग्री पूर्वी देशांतर पर जमीनी स्तर से 28 किमी की गहराई पर स्थित था।

श्रीलंका के पूर्व पुलिस प्रमुख हिरासत में

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व पुलिस प्रमुख देशबंधु तेनाकून को बृहस्पतिवार को 27 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पांच महीने में यह दूसरी बार है, जब उन्हें हिरासत में लिया गया है। तेनाकून को 2022 में आर्थिक संकट, भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ अरागलया जन विद्रोह को दबाने में उनकी भूमिका के लिए बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बृहस्पतिवार सुबह कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया।

बेटे की हत्या करके अमेरिका से भागी महिला भारत में गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल एक महिला को छह वर्षीय बेटे की हत्या के आरोप में भारत में गिरफ्तार किया गया है।

एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में टेक्सास में कानून प्रवर्तन सहयोगियों, अमेरिकी न्याय विभाग और भारतीय अधिकारियों का आभार जताया। सिंडी रोड्रिगेज सिंह मुकदमे से बचने के लिए 2023 में अमेरिका से भाग गई थी। एफबीआई ने सिंह की गिरफ्तारी या सूचना पर 250,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 2.47 करोड़ रुपये) के इनाम की घोषणा की थी। फॉक्स न्यूज' के अनुसार एफबीआई ने सिंह को भारत में भारतीय अधिकारियों और इंटरपोल के सहयोग से गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार उसे अमेरिका लाया गया है और टेक्सास के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। मार्च 2023 में, टेक्सास के अधिकारियों ने सिंडी रोड्रिगेज सिंह के दिव्यांग बेटे नोएल रोड्रिग्ज-अल्वारेज की खोजबीन की, जिसे अक्टूबर 2022 के बाद से नहीं देखा गया था।

- **एफबीआई के मोस्ट वांटेड की टॉप टेन सूची में थी शामिल, ढाई लाख डॉलर का घोषित था इनाम**

भारतीय अर्थव्यवस्था में कितनी जान फूंकेगा रूस का सस्ता कच्चा तेल

यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले भारत का कच्चे तेल का रूस से आयात एक प्रतिशत से भी कम था। युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाना शुरू किया और अब यह उसकी कुल जरूरत के एक-तिहाई से भी ज्यादा तक पहुंच चुका है। खाड़ी देशों की तुलना में चूंकि भारत रूस से काफी सस्ता तेल खरीद रहा है, लिहाजा इससे उसे भारी लाभ भी हो रहा है, यह बात अलग है कि अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर उसके सामने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बहरहाल, भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा स्थिति को मजबूत किया है, यह अलग बात है कि भारत में तेल के घरेलू दाम ज्यादा नहीं घटे हैं लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था को महंगाई और चालू घाटे को नियंत्रित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला है।

रूस और खाड़ी देशों के तेल की कीमतों में अंतर

- रूस और खाड़ी देशों के तेल की कीमतों में अंतर है, रूस का तेल आमतौर पर रियायती दरों पर उपलब्ध है।
- न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट कहती है, रूस की ओर से भारत को प्रति बैरल 20-30 डॉलर तक छूट दी जा रही है।
- रूस से आयात बढ़ने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुधरी है, क्योंकि इससे स्रोतों में विविधता लाने में मदद मिली है।

दो साल... 25 अरब डॉलर की बचत

- द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2022 और 2023 में में भारतीय कंपनियों को सस्ते तेल के आयात से 20 से 25 अरब डॉलर तक की बचत हुई है।

तेल आयात में वृद्धि

- वर्ष 2022 में यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने से पहले रूस से भारत का तेल आयात मात्र 0.2 प्रतिशत था।
- युद्ध के बाद यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के बाद भारत ने रूस से रियायती दरों पर आयात में भारी वृद्धि की।
- अब भारत रूस से प्रतिदिन 1.8 मिलियन बैरल तेल खरीद रहा है जो रूस के कुल निर्यात का 37% है।

भारत की जरूरत

- भारत कच्चे तेल की कुल जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है।
- यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस से जरूरत का 40 प्रतिशत तेल आयात कर रहा है।
- पहले अमेरिका और इराक-सऊदी अरब जैसे खाड़ी देश भारत को तेल देते थे।

भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- माना जा रहा है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी से भारत में मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।
- ऊर्जा लागत में कमी से उद्योगों और उपभोक्ताओं को लाभ हो सकता है, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है।
- भारत के रूस से काफी रियायती दरों पर तेल खरीदने से चालू व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।
- सरकार ने टैक्स घटाने की बजाय अतिरिक्त लाभ से राज कोषीय घाटा नियंत्रित किया और सब्सिडी बोझ कम किया।

रूस से और उम्मीदें

- भारत रूस से तेल आयात जारी रखने के लिए और अधिक रियायतें चाहता है, जैसे भुगतान में आसानी, परिवहन और बीमा लागत में कमी और लंबी अवधि के लिए रियायती दरों पर तेल की आपूर्ति। भारत इस आयात के साथ रूस से निवेश और रिफाइनरी व एलएनजी टर्मिनल्स में तकनीकी सहयोग भी चाहता है।

इस आयात में ये जोखिम भी

- रूस पर अत्यधिक निर्भरता से भविष्य में अमेरिका और यूरोप से राजनीतिक दबाव बढ़ने का जोखिम है।
- भुगतान के लिए युआन-दिरहम और रुपये-रूबल का मैकेनिज्म अपनाना पड़ रहा है, इसका असर डॉलर पर।

शांति की कोशिशों के बीच रूस का यूक्रेन पर साल का सबसे बड़ा हमला

यूक्रेन के पश्चिमी इलाकों को 574 ड्रोन और 80 मिसाइलों से बनाया निशाना

कीव, एजेंसी

यूक्रेन की वायु सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस ने इस साल यूक्रेन पर अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें 574 ड्रोन और 40 मिसाइलें दागी गईं। उसने बताया कि हमले ज्यादातर देश के पश्चिमी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए।

अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने कहा कि रूस ने पश्चिमी यूक्रेन में एक प्रमुख अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता पर हमला किया। उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी। यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से, देश के पूर्व और दक्षिण में युद्धक्षेत्र की अग्रिम पंक्ति से दूर हैं। माना जाता है कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों द्वारा प्रदान की गई अधिकांश सैन्य सहायता वहीं पहुंचाई और संग्रहीत की जाती है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दागे गए ड्रोन की संख्या के लिहाज से यह रूस का इस साल का तीसरा सबसे बड़ा हवाई हमला था और मिसाइलों के लिहाज से आठवां सबसे बड़ा हवाई हमला था। ये हमले अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध विराम के नए प्रयासों के बीच हुए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य रूस के पड़ोसी देश पर आक्रमण के बाद शुरू हुई तीन साल पुरानी जंग में शांति समझौते तक पहुंचना है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह ऐसे अंजाम दिया गया मानो बिल्कुल भी कुछ बदल ही नहीं रहा हो। उन्होंने कहा कि मास्को ने युद्ध समाप्त करने के लिए सार्थक वार्ता की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। उन्होंने इस हमले की प्रतिक्रिया में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कड़ा दबाव बनाने का आग्रह किया, जिसमें सख्त प्रतिबंध और शुल्क (टैरिफ) लगाना शामिल हैं। इससे पहले, ज़ेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन यह समझने के लिए बैठकें करेगा कि उसके सहयोगी किस प्रकार की सुरक्षा गारंटी देने को तैयार हैं, क्योंकि उसे संकेत मिले हैं कि अमेरिका युद्ध की समाप्ति के लिए फिर सक्रिय चर्चा शुरू करेगा।

यूक्रेन के फायर पॉइंट्स गुप्त कारखाने में तैयार की जा रही है फ्लेमिंगो क्रूज मिसाइल।

ईरान के साथ वीजा मुक्त यात्रा समझौता समाप्त

कीव। यूक्रेन सरकार ने ईरान के साथ राजनयिक या सेवा पासपोर्ट वाले नागरिकों के लिए वीज़ा-मुक्त यात्रा संबंधी समझौता समाप्त कर दिया है। यूक्रेन की संसद में मंत्रिपरिषद के स्थायी प्रतिनिधि तारास मेलनिचुक ने यह जानकारी दी है। श्री मेलनिचुक ने बुधवार को टेलीग्राम पर कहा, यूक्रेन सरकार और इस्लामी गणराज्य ईरान सरकार के बीच राजनयिक और सेवा पासपोर्ट वाले नागरिकों के लिए वीज़ा-मुक्त यात्रा संबंधी समझौता समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह समझौता 15 मार्च, 1993 को कीव में हुआ था।

स्टार्टअप कंपनियों में बन रहे रूस में अंदर तक मार करने के लिए ड्रोन

कीव। पिछले साल सितंबर में जब यूक्रेन ने रूस में आयुध डिपो पर हमला किया तो इससे दुश्मन के क्षेत्र में अंदर तक प्रहार करने के यूक्रेन के दृढ़ संकल्प और रक्षा उद्योग की ताकत का पता चला। यह क्षण विशेष रूप से उस महिला के लिए संतुष्टिदायक था जो इस मिशन को पूरा करने के लिए 1,000 किमी से अधिक की उड़ान भरने वाले ड्रोन के निर्माण के लिए जिम्मेदार थी। इसके बाद कई महीनों तक रूस के पास विनाशकारी 'ग्लाइड बम' हमले जारी रखने के साधन नहीं थे। हालांकि हाल ही रूस ने महिला के गृह नगर खार्किव को निशाना बनाकर ऐसा हमला किया। फायर प्वाइंट में निर्माण इकाई की प्रमुख इरीना तेरेख ने कहा, इस समय युद्ध के मैदान में हवाई हमले ही हमारा एकमात्र वास्तविक लाभ है। हमारे पास उनके जितने सैन्यकर्मी या धन नहीं है। तेरेख ने दर्जनों डीप-स्ट्राइक ड्रोनों का निरीक्षण करते हुए यह बात कही। इन ड्रोन का हाल ही में उत्पादन पूरा हुआ है। यूक्रेन की सेना जल्द ही इन ड्रोन का इस्तेमाल हथियार डिपो, तेल रिफाइनरियों और क्रेमलिन की युद्ध मशीनरी व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण अन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए करेगी। रूस के खिलाफ लड़ाई और पश्चिमी सहयोगियों से मिले सीमित सैन्य सहायता के बल पर, यूक्रेन तेजी से रक्षा नवाचार का एक वैश्विक केंद्र बन गया है।

अमेरिका से खटास के बीच भारत और रूस संबंधों को नए मुकाम पर ले जाने की तैयारी

मॉस्को, एजेंसी

भारत और रूस ने अपने द्विपक्षीय व्यापार को 'संतुलित और टिकाऊ तरीके' से बढ़ाने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गैर-शुल्क (टैरिफ) बाधाओं एवं नियामक अड़चनों को तेजी से दूर करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

दोनों देशों द्वारा रूस को भारतीय निर्यात बढ़ाने सहित द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने का यह संकल्प, व्यापार और टैरिफ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती दूरी के बीच लिया गया है। जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, हमारा मानना है कि भारत और रूस के बीच संबंध द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के सबसे प्रमुख संबंधों में से एक रहे हैं। उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक स्थिति, जन भावनाएं और नेतृत्व संपर्क इसके प्रमुख प्रेरक बने रहेंगे। जयशंकर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नवंबर या दिसंबर में होने वाली भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को मॉस्को पहुंचे।

बातचीत में, जयशंकर और लावरोव ने आतंकवाद से निपटने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। जयशंकर ने कहा, आतंक के मुद्दे पर, हमने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, मैंने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने के भारत के दृढ़ संकल्प और सीमा पार आतंकवाद से अपने नागरिकों की रक्षा करने के हमारे संप्रभु अधिकार से अवगत कराया।

जयशंकर की टिप्पणियों से ऐसा प्रतीत हुआ कि उनकी बातचीत का मुख्य केंद्र द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना है। विदेश मंत्री ने कहा, हमने रूस को भारत के निर्यात को बढ़ाने सहित, संतुलित और टिकाऊ तरीके से द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने की अपनी साझा महत्वाकांक्षा की पुष्टि की। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और समझा जाता है कि उन्होंने भारत-रूस संबंधों को और विस्तारित करने के तरीकों पर चर्चा की।

रूसी समकक्ष लावरोव के साथ जयशंकर।

- **जयशंकर की रूसी विदेश मंत्री लावरोव के साथ चर्चा, राष्ट्रपति पुतिन से भी मुलाकात**

हथियारों की तस्करी में तीन फलस्तीनी गिरफ्तार

बेरूत। लेबनान में सीरिया से हथियारों की तस्करी में फलस्तीन के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लेबनान की सेना ने कहा कि आतंकवादी समूहों को निशाना बनाकर चलाए गए अभियान में दक्षिणी शहर सैदा के प्रवेश द्वार पर इन लोगों को पकड़ा गया। इन लोगों पर ऐन अल-हेलवे शरणार्थी शिविर के अंदर कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

चीन ने ताइवान पर जयशंकर की टिप्पणियों को लेकर जताई हैरानी

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने बृहस्पतिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस सप्ताह चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत के दौरान 'एक-चीन' नीति से संबंधित कथित टिप्पणियों पर भारत द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण पर 'आश्चर्य' व्यक्त किया।

भारत ने मंगलवार को कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नई दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, हम भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैं। वह जयशंकर की टिप्पणियों पर भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं।

यह स्पष्टीकरण तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है। चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को 'तथ्यों के साथ असंगत' पाता है। माओ ने कहा, ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमज़ोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। उन्होंने दावा किया, मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ़ एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीनी प्रवक्ता ने कहा कि चीन को उम्मीद है कि भारत 'एक-चीन' के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा।

- **कहा- कुछ लोग चीन की संप्रभुता कमजोर कर संबंधों को बाधित करने की कर रहे हैं कोशिश**

हिंसा के मामले में पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को दी जमानत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने नौ मई को हुई हिंसा से संबंधित आठ मामलों में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी।

कानून प्रवर्तन प्राधिकारियों द्वारा इस्लामाबाद में खान को हिरासत में लिए जाने के बाद उनके समर्थकों ने नौ मई 2023 को तोड़फोड़ और हिंसा की थी। दंगों में कथित भूमिका के लिए खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कई नेताओं के खिलाफ कई मामले दर्ज किए थे। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने खान के वकील सलमान सफदर और पंजाब राज्य की ओर से विशेष अभियोजक जुल्फिकार नकवी की दलीलें सुनने के बाद खान को जमानत दे दी। प्रधान न्यायाधीश आफरीदी की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति शफी सिद्दीकी और न्यायमूर्ति मियांगुल औरंगजेब शामिल थे। खान की पार्टी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कोर्ट के फैसले को इमरान खान की जीत करार दिया जबकि उनके अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता जुल्फिकार बुखारी ने कहा कि खान को अब केवल एक मामले में जमानत की जरूरत है।

- **पूर्व पीएम को रिहाई के लिए एक और मामले में जमानत की जरूरत**

नागरिक धोखाधड़ी मामले में ट्रंप पर जुर्माने का फैसला खारिज

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क की एक अपीलीय अदालत ने नागरिक धोखाधड़ी मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जुर्माना लगाने के फैसले को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया।

पांच न्यायाधीशों के पैनल ने न्यूयॉर्क राज्य के उस मुकदमे में अपना फैसला सुनाया, जिसमें ट्रंप पर ऋण हासिल करने के लिए अपनी निवल संपत्ति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया गया था। यह फैसला ट्रंप के बतौर राष्ट्रपति व्हाइट हाउस में वापसी करने के सात महीने बाद आया है।

भारत मूल्यवान लोकतांत्रिक साझेदार संबंधों में गिरावट को रोके अमेरिका

न्यूयॉर्क, एजेंसी

रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा है कि भारत के साथ संबंधों में आ रही गिरावट को रोकना अमेरिका की प्राथमिकता होनी चाहिए और नयी दिल्ली को एक मूल्यवान स्वतंत्र व लोकतांत्रिक साझेदार के रूप में देखा जाना चाहिए।

बुधवार को न्यूजवीक पत्रिका में एक लेख में भारतीय-अमेरिकी नेता ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने ऐसे समय में यह बात कही है जब भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। हेली ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति के लक्ष्यों में चीन को रोकना और ताकत के बल पर शांति स्थापित करना शामिल है, जिसके मद्देनजर अमेरिका और भारत संबंधों को पुनः पटरी पर लाने से अधिक महत्वपूर्ण कुछ उद्देश्य नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि इसके लिए, भारत के साथ एक मूल्यवान स्वतंत्र व लोकतांत्रिक साझेदार की तरह व्यवहार किया जाना चाहिए न कि चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी की तरह। हेली ने कहा कि भारत अब तक रूस से तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों से बचता रहा है जबकि वह मॉस्को के सबसे बड़े ग्राहकों में से एक है।

- **रिपब्लिकन सहयोगी निक्की हेली ने दी डोनाल्ड ट्रंप को सलाह**

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 अगस्त, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष अमावस्या 11.35 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

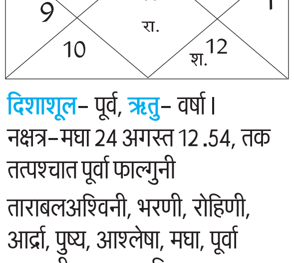

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वर्षा।

नक्षत्र-मघा 24 अगस्त 12.54, तक तत्पश्चात पूर्वा फाल्गुनी

ताराबलअश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलवृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ

मेष आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। धीरे-धीरे रुके हुए काम पूरे होते जाएंगे। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में विपरीत हालात बनने पर आपको अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से उसे संभालना होगा।

वृष राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। शासन से अच्छी मित्रता होने का लाभ मिलेगा। नए अनुबंधों से ऊंचा पद प्राप्त हो सकता है। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलने की आशा है।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में मूल्यवान वस्तु और जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखना होगा। कोई चीज खोने या चोरी होने की संभावना है। व्यापार के मामले में रुके कार्य पूरे हो सकते हैं। यात्रा का योगा है। प्रतियोगिता में सफलता मिलने से प्रसन्नता होगी।

कर्क आज का दिन उत्तम रहने वाला है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में की गई यात्राएं सफल होंगी। जीवन में सफलता मिलेगी। कोई शुभ समाचार मिल सकता है। संतान सुख के योग हैं।

सिंह नौकरी करने वालों के लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में मधुर वाणी से सम्मान में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को शिक्षा और प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी। आंखों से जुड़ी कोई समस्या परेशान कर सकती है।

कन्या आज का दिन अच्छा रहेगा। आज अकल्पनीय सफलता प्राप्त हो सकती है। मन प्रसन्न रहेगा। कानूनी विवाद से छुटकारा मिल सकता है। संतान से खुशी देने वाला समाचार मिल सकता है।

तुला आर्थिक और व्यापार के मामले में दिन बेहतरीन रहेगा। पैसों से जुड़े लेन-देन से निजात मिल सकती है। व्यापार के मामले में धन लाभ के योग हैं। घर-परिवार में खुशी देखने को मिलेगी। कार्यस्थल पर विरोधियों से सावधान रहें।

वृश्चिक राशि से अष्टम नवम त्रिग्रही योग चल रहा है। शरीर से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सेहत सही न होने का प्रभाव कामकाज पर भी पड़ सकता है। थोड़ी सुस्ती महसूस करेंगे। अनुभवी व्यक्ति की सलाह लाभदायक हो सकती है।

धनु आज लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। विरोधी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों का दिन अनुकूल रहेगा। किसी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से धन लाभ और सहयोग होने के योग हैं।

मकर दिन पारिवारिक और आर्थिक मामलों में अच्छा रहने वाला है। अधीनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा। इससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामले में सफलता हासिल करेंगे। घर में किसी प्रिय मेहमान का आगमन हो सकता है।

कुंभ कठिनाइयों भरा दिन है। कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बुद्धिमानी से काम करें। हानि की भी संभावना है। आज जोखिम भरा कार्य करने से बचें। अनावश्यक विवादों से भी दूरी बनाकर रखें।

मीन कार्यस्थल पर जरूरी दस्तावेजों और मूल्यवान वस्तुओं को संभालना जरूरी है। इनके चोरी या गुम होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में कोई भी फैसला सोच-समझकर लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

सुडोकू-76

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1	7					2	
	3	6			5	8		
9			7		2			6
		4						
	5	1				7	9	
			1			2		8
5			3		7			1
		8				6	5	
	6					3	4	

सुडोकू - 75 का हल

2	7	1	8	6	9	4	5	3
4	8	9	2	5	3	7	1	6
5	6	3	4	1	7	9	8	2
9	2	6	5	3	4	1	7	8
7	5	4	1	8	2	6	3	9
1	3	8	9	7	6	2	4	5
6	9	7	3	4	8	5	2	1
3	1	2	7	9	5	8	6	4
8	4	5	6	2	1	3	9	7

चिन्नास्वामी स्टेडियम कई ऐतिहासिक लम्हों का गवाह रहा है। मैचों की मेजबानी की अनुमति लेने जैसी चीज पहले कभी नहीं हुई। हमारे महाराजा कप की भी मेजबानी छीन ली गई जो अच्छी बात नहीं है।

–वेंकटेश प्रसाद, पूर्व तेज गेंदबाज

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
हल्द्वानी, शुक्रवार, 22 अगस्त 2025

हाईलाइट

राष्ट्रीय स्क्वाश की मेजबानी करेगा दिल्ली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप का आयोजन 23 से 28 अगस्त तक होगा। इसकी सात साल बाद शहर में वापसी हुई है। प्रतियोगिता में 25 राज्यों के 300 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसकी कुल इनामी राशि आठ लाख है। प्रतियोगिता की मेजबानी मेजर ध्यान चंद स्टेडियम करेगा। भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ के महासचिव साइरस पोंचा ने कहा कि इस साल की चैंपियनशिप के लिए उत्साह अभूतपूर्व है। हमारे छह खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 100 में हैं और सभी इसमें भाग ले रहे हैं। हमारे शीर्ष खिलाड़ियों के खेलने से हमें कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद है और यह प्रतियोगिता देश भर के कई और खिलाड़ियों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

नेशंस कप के लिए 25 खिलाड़ी ले रहे ट्रेनिंग

बेंगलुरु। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने अपने खिलाड़ियों को रिलीज करने से इनकार कर दिया है, जिसके बाद भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच खालिद जमील के पास ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में होने वाले सीएएफए नेशंस कप से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलाए 35 में से 25 खिलाड़ी ही बचे हैं। यह शिविर 16 अगस्त को 22 खिलाड़ियों के साथ शुरू हुआ था, लेकिन छह दिन के बाद भी 11 खिलाड़ी इसमें शामिल नहीं हुए हैं। कुछ दिन पहले तीन खिलाड़ी शामिल हुए थे ,लेकिन इनमें से एक मूल 35 खिलाड़ियों में शामिल नहीं है। भारत अपने पहले मैच में 29 अगस्त को हिसोर में सह मेजबान ताजिकिस्तान से भिड़ेगा।

ऑस्ट्रेलिया से भारतीय हॉकी टीम 1-3 से हारी

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 15 से 21 अगस्त तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई चार मैचों की मैत्री सीरीज में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा है। पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले गए सीरीज के अंतिम और चौथे मैच में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से मेजबान टीम ने यह सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को खेले गए पहले मैच में मेजबान टीम से 1-4 से हार के साथ की और अगले दिन दूसरे मैच में भारतीय टीम को 0-3 से हार मिली। हालांकि, भारतीय हॉकी टीम ने तीसरे मैच में वापसी की और ऑस्ट्रेलिया पर 3-2 से जीत हासिल करके अपनी हार का सिलसिला तोड़ दिया। ।

विशाल ने 400 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

चेन्नई। तमिलनाडु के विशाल थेनारासु कयालविझी ने गुरुवार को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष 400 मीटर स्पर्धा में 45.12 सेकेंड के समय से राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। विशाल ने ने 45.21 सेकेंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया जो मोहम्मद अनस ने 2019 में बनाया था। इससे पहले विशाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 45.57 सेकेंड था जो उन्होंने मई में दक्षिण कोरिया में 2025 एशियाई चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहने के दौरान बनाया था। विशाल हालांकि 44.85 सेकेंड के विश्व चैंपियनशिप के स्वत: क्वालीफिकेशन समय से चूक गए। तमिलनाडु के अनुभवी राजेश रमेश 46.04 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि हरियाणा के विक्रांत पांचाल ने 46.17 सेकेंड के समय से तीसरा स्थान हासिल किया।

प्रेस्टविज का कहर, भारत ए की पारी लड़खड़ाई

- भारत ए महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 93 रन पर पांच विकेट गंवाए

ब्रिस्बेन, एजेंसी

भारत की विश्व कप टीम में जगह बनाने में नाकाम रही शेफाली वर्मा ने आठ चौके जड़कर 35 रन की पारी खेली, लेकिन भारत ए ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ महिला क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित पहले दिन 93 रन तक पांच विकेट गंवा दिए।

भारत ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। नंदिनी कश्यप और धारा गुर्जर खाता खोलने में नाकाम रहीं, जिससे शुरुआती दो ओवर में भारत का स्कोर दो विकेट पर छह रन रहा। दोनों विकेट जॉर्जिया प्रेस्टविज (25 रन पर 3 विकेट) ने चटकाए। तेजल हस्बनिस (9) भी अधिक देर नहीं टिक सकीं। उन्हें सियाना जिंगर ने आउट किया जबकि इससे पहले जॉर्जिया ने 11वें ओवर में शेफाली को बोल्ड किया। राघवी बिष्ट (नाबाद 26) और तनुश्री सरकार (13) ने कुछ देर के लिए विकेटों का पतन रोका। मेटलन ब्राउन ने तनुश्री को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। एलेन बोर्डन फील्ड पर पहले दिन 23.2 ओवर का खेल हो पाया। खेल खत्म होने पर राधा और राघवी पिच पर थीं।

पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भारत को स्वर्ण

शिमकेंट (कजाकिस्तान), एजेंसी

एशियन चैंपियनशिप

भारत के रुद्रांक्ष पाटिल, अर्जुन बाबूता और किरण जाधव ने गुरुवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में 10 मीटर एयर राइफल पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय तिकड़ी ने 1892.5 अंक हासिल किए, जिसमें पाटिल 632.3 अंकों के साथ क्वालीफाइंग राउंड में शीर्ष पर रहे और व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई।

अर्जुन ने 631.6 अंक के साथ प्रिलिमिनरी स्टेज में चौथा स्थान पाया और पदक राउंड में जगह बनाई। लेकिन 628.6 अंकों के साथ दसवें स्थान पर रहे किरण फाइनल से चूक गए। चीन ने 1889.2 अंकों के साथ रजत, जबकि दक्षिण कोरिया ने 1885.7 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुषों की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में, पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष चौथे स्थान पर रहकर पोडियम से चूक गए। जबकि अर्जुन बाबूता पांचवें स्थान पर रहे। कजाकिस्तान के इस्लाम सतपायेव ने स्वर्ण जीता, जबकि चीन के लू डिंगके और दक्षिण कोरिया के हाजुन पार्क ने व्यक्तिगत पोडियम स्थान पाया।

महाद्वीपीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में यह भारत का दूसरा सीनियर स्वर्ण पदक था, इससे पहले बुधवार को अनंतजीत सिंह नरुका ने पुरुष स्कीट का खिताब जीता था। भारत के सीनियर निशानेबाजों ने शिमकेंट में एक रजत और चार कांस्य जीते हैं, जिससे कुल पदकों की संख्या सात हो गई है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते हैं। वह 25 मीटर स्पर्धा में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

स्कीट स्पर्धा में मानसी ने स्वर्ण और यशस्वी ने रजत जीता

शिमकेंट। भारतीय निशानेबाज मानसी रघुवंशी ने गुरुवार को एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप की महिला जूनियर स्कीट स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि हमवतन यशस्वी राठौर ने रजत पदक जीता। जूनियर पुरुष स्कीट फाइनल में भारत के हरमेहर सिंह लाली ने 53 अंक से रजत पदक जीता जबकि ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया ने 43 अंक से कांस्य पदक प्राप्त किया। कजाखस्तान के आर्टयोम सेडेलनिकोव ने स्वर्ण पदक हासिल किया। मानसी फाइनल में 53 अंक बनाकर चैंपियन बनीं जबकि यशस्वी ने 52 अंक बनाकर कजाखस्तान की लिडिया बशारोवा (40) को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में भाग ले रही अन्य भारतीय निशानेबाज अग्रिमा कंवर (15) फाइनल में छठे और अंतिम स्थान पर रहीं। मानसी ने पांच दौर में 106 अंक से दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई जबकि बशारोवा ने 112 अंक से क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान पाया। यशस्वी 102 अंक से क्वालीफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहीं और अग्रिमा ने भी 101 अंक से कट हासिल किया। इससे पहले ईशान सिंह लिब्रा (116), हरमेहर सिंह लाली (115) और ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया (110) ने क्रमश: पहले, तीसरे और पांचवें स्थान पर रहते हुए पुरुष जूनियर स्कीट के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। ईशान फाइनल में 14 अंक से छठे स्थान पर रहे।

एशिया कप में पाकिस्तान से खेलेगा भारत

खेल मंत्रालय ने अनुमति दी लेकिन द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिता पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बनाई गई नई नीति में पाकिस्तान पर विशेष ध्यान

खेल मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान किसी भी द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिता में नहीं खेलेंगे, लेकिन भारतीय टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा। मंत्रालय ने भारत की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में नई नीति का अनावरण किया, जिसे पाकिस्तान पर विशेष ध्यान रखकर बनाया गया है।

सूत्रों ने बताया कि यह नीति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। मंत्रालय की नीति अनुसार, पाकिस्तान से जुड़े खेल टूर्नामेंट के प्रति भारत का दृष्टिकोण उस देश के साथ व्यवहार करने की उसकी समग्र नीति को दर्शाता है। जहां तक एक-दूसरे के देश में द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं का संबंध है तो किसी भी खेल में भारत की टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी। और ना ही हम पाकिस्तान की टीमों को भारत में खेलने की अनुमति देंगे। हालांकि कई देशों के टूर्नामेंट पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

सूत्र ने कहा कि हम भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोकेंगे क्योंकि यह कई देशों का टूर्नामेंट है। लेकिन पाकिस्तान को द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय सरजमीं पर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हम उन्हें बहुपक्षीय टूर्नामेंट में खेलने से नहीं रोकेंगे क्योंकि हम ओलंपिक चार्टर का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि वैसे भी हमारे नहीं खेलने से पाकिस्तान को ही फायदा होगा। हमें उसे हराना है सीमा पर भी और खेल के मैदान पर भी। भारतीय टीम को कई देशों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान में खेलने जाने पर सूत्र ने कहा कि ऐसे हालात में हम फैसला लेंगे कि हमें जाना है या नहीं। जिस देश का मंत्री यह कहता कि हो कि हमारा ट्रक पत्थर से भरा है और भारत मर्सीडीज है और टकराने से नुकसान किसे होगा, ऐसे देश में हम अपने खिलाड़ियों को कैसे भेज सकते हैं। बिहार में अगले सप्ताह से होने वाले एशिया कप हॉकी से ओमान के भी नाम वापिस लेने के पीछे सुरक्षा कारणों के होने से इनकार करते हुए सूत्र ने कहा कि यह कोई वजह नहीं है। ओमान सुरक्षा कारणों से पीछे नहीं हटा है।

बीसीसीआई को आगामी चुनाव नए अधिनियम से कराना चाहिए : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय चाहता है कि बीसीसीआई सितंबर में होने वाले अपने चुनाव राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून के तहत कराए, लेकिन तब तक नए नियमों की अधिसूचना जारी नहीं होती है तो चुनाव सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वीकृत लोढा समिति की सिफारिशों के अनुसार भी कराए जा सकते हैं।

खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा कि वैसे तो चुनाव अधिनियम के अनुसार ही होने चाहिए, लेकिन अगर तब तक इसके नियमों की अधिसूचना जारी नहीं होती है तो वे लोढा समिति की सिफारिशों के तहत भी करा सकते हैं। एक बार नियमों की अधिसूचना जारी होने पर बीसीसीआई समेत सभी राष्ट्रीय महासंघों को इसके अनुसार चुनाव कराने होंगे। लोढा समिति की सिफारिशों के तहत पदाधिकारियों की आयुसीमा 70 वर्ष के भीतर रहनी चाहिए लेकिन नए अधिनियम में 70 से 75 वर्ष के बीच के उम्मीदवार भी चुनाव लड़ सकते हैं अगर अंतर्राष्ट्रीय महासंघ के नियम इसकी अनुमति देते हैं। आईसीसी के नियमों में पदाधिकारियों के लिये कोई आयु सीमा नहीं है। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी का कार्यकाल उनके 70 वर्ष का होने के साथ खत्म हो गया लेकिन बोर्ड ने अभी तक अंतरिम अध्यक्ष का ऐलान नहीं किया है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने सांवैधानिक संशोधन को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई के बीच अपने चुनाव कराए।

इस संशोधन के तहत भाजपा सांसद और पूर्व खेलमंत्री अनुराग ठाकुर को अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से रोक दिया। खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ ने चुनाव में अपना पर्यवेक्षक नहीं भेजा। मंत्रालय ने कहा कि हमने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि हमें नहीं लगता कि इन चुनावों में सही प्रक्रिया का पालन किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर को होनी है। सूत्र ने 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025' का भी स्वागत किया। सूत्र ने कहा कि बच्चों को बचाने और परिवारों को जीवित रखने के लिये यह बिल जरूरी था। युवा आनलाइन गेमिंग के आदी होकर अपना समय और पैसा बर्बाद कर रहे हैं।

इरानी-वावसोरी फिर बने मिश्रित युगल चैंपियन

अमेरिकी ओपन टेनिस

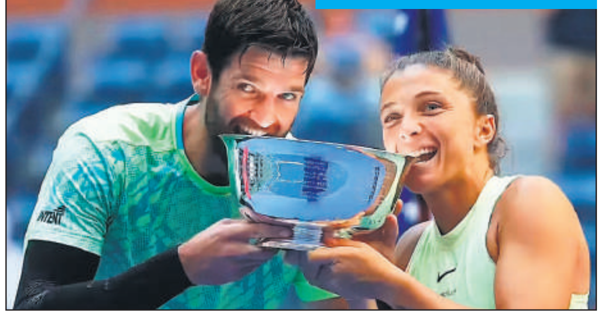

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- फाइनल में इगा स्वियातेक और कैस्पर रूड को हराया

सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी ने अपना प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार रात खेले गए फाइनल में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना मिश्रित युगल खिताब बरकरार रखा। इटली की इस जोड़ी ने फाइनल में इगा स्वियातेक और कैस्पर रूड को 6-3, 5-7 (10-6) से हराया।

उन्होंने दो दिनों में चार मैच जीतकर 10 लाख डॉलर की इनामी राशि हासिल की जो पिछले साल की पुरस्कार राशि से अधिक है। इरानी और वावसोरी उन कई खिलाड़ियों में थे जिन्होंने पहले इस नए प्रारूप की आलोचना की थी, लेकिन चैंपियन बनने के बाद उनके चेहरे पर मुस्कान थी। वावसोरी ने कहा कि मुझे लगता है कि इस कोर्ट में खेलना अद्भुत था और मैं इस माहौल के लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।

इससे पहले स्वियातेक और रूड की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले सेमीफाइनल में टाईब्रेकर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और जैक ड्रैपर को हराया। दूसरे सेमीफाइनल में इरानी और वावसोरी ने डेनियल कोलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को पराजित किया। अमेरिकी ओपन में एकल मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे।

रणजी से पहले रहाणे ने मुंबई की कप्तानी छोड़ी

मुंबई, एजेंसी

अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र से पहले गुरुवार को मुंबई के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि यह नया नेतृत्वकर्ता तैयार करने का सही समय है। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी हालांकि बल्लेबाज के रूप में टीम में बना रहेगा। रहाणे ने अभी तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 201 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 14000 से अधिक रन बनाए हैं। रणजी सत्र 15 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और मुंबई की टीम अपने पहले मैच में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगी। रहाणे ने एक्स पर लिखा, मुंबई की कप्तानी करना और चैंपियनशिप जीतना मेरे लिए सम्मान की बात है। आगे नए घरेलू सत्र को देखते हुए मेरा मानना है कि नए कप्तान को तैयार करने का यह सही समय है और इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैं एक खिलाड़ी के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हूं और एमसीए (मुंबई क्रिकेट संघ) के साथ अपना सफर जारी रखूंगा ताकि हमें और अधिक ट्रॉफी जीतने में मदद मिल सके। मैं आगामी सत्र में खेलने को लेकर उत्साहित हूं।

उनकी कप्तानी में मुंबई ने 2023-24 के सत्र में फाइनल में विदर्भ को हराकर रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता। उनकी कप्तानी में मुंबई ने ईरानी कप और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भी जीती थी।

रहाणे और पुजारा को भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद

रहाणे की कप्तानी में भारत ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक टेस्ट शृंखला जीती थी लेकिन राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की उनमें कोई दिलचस्पी नहीं है। इसके बावजूद यह बल्लेबाज राष्ट्रीय टीम में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों खेले हैं। रहाणे ने सबसे छोटे प्रारूप में भी अपने खेल को निखारा जिससे उन्हें आईपीएल 2025 में कोलकाता का कप्तान बनाया गया। रहाणे और एक अन्य सीनियर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा भारतीय टीम में वापसी करने की उम्मीद में अब भी घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं।

डी गुकेश और आर प्रज्ञाननंदा ने अपनी-अपनी बाजियां ड्रॉ खेलीं

सिंकफील्ड कप

- कारुआना और अरोनियन के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं प्रज्ञाननंदा

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

विश्व चैंपियन डी गुकेश को सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में अमेरिका के वाइल्ड कार्डधारी सैमुअल सेवियन ने ड्रॉ पर रोका जबकि उनके साथी भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने भी उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से अंक बांटे। प्रज्ञाननंदा ने लगातार दूसरी बाजी ड्रॉ खेली, लेकिन वह अमेरिका के फैबियानो कारुआना और अर्मेनियाई से अमेरिकी बने लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं।

दिन की एकमात्र निर्णायक बाजी में कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोजा को टूर्नामेंट में पहली हार का स्वाद चखाया। अरोनियन को फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव ने ड्रॉ पर रोका, जबकि एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ के साथ अंक बांटे। इस 3,75,000 डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी छह राउंड खेले जाने बाकी हैं। अभी प्रज्ञाननंदा, अरोनियन और कारुआना दो-दो अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। उनके बाद वेस्ली, फिरोजा, वाचियर-लाग्रेव, सेवियन और गुकेश का नंबर आता है जो उनसे आधा अंक पीछे हैं। डुडा एक अंक के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव ने अपने पहले तीन मैचों में आधा अंक हासिल किया है।

श्रुति, सारिका और काजल अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

समोकोव (बुल्गारिया), एजेंसी

भारत ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप की महिला स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें पहलवान श्रुति, सारिका और काजल ने गुरुवार को अपने भार वर्गों के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। ग्रीको रोमन पहलवान सूरज ने 60 किग्रा वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन प्रिंस (82 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में हार गए।

श्रुति ने महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में वायलेटा बिरियुकोवा पर जीत से शुरुआत की और फिर पोलैंड की अन्ना यात्स्केविच पर शानदार जीत दर्ज की। सारिका ने 53 किग्रा भार वर्ग में दबदबा बनाया। उन्होंने सेवल केयर को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। सारिका ने चीन की तियानयु सुन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में एक भी अंक नहीं गंवाया और जीत हासिल की। अब उनका मुकाबला यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से होगा।

काजल ने 72 किग्रा वर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता से एमिली मिहाइलोवा अपोस्टोलोवा को हराया। क्वार्टरफाइनल में किर्गिस्तान की कैयरकुल शारशेबायेवा को मात दी। अब स्वर्ण पदक के मुकाबले के लिए उनका सामना अमेरिकी पहलवान जैस्मीन डोलोरेस रॉबिन्सन से होगा। रीना (55) और प्रिया (76 किग्रा) फाइनल में पहुंच चुकी हैं। दोनों दिन के अंत में स्वर्ण पदक मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। तपस्या (57 किग्रा) पहले ही स्वर्ण और सृष्टि (68 किग्रा) रजत पदक जीत चुकी हैं।

एशिया कप

चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक आयोजित होगी प्रतियोगिता

भारतीय हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगीं सलीमा टेटे

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए गुरुवार को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बरकरार रखा गया। यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका विजेता 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा।

भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत पांच सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी और फिर छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी। भारत अपना अंतिम पूल मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा।

हॉकी इंडिया के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप के लिए हमने जो टीम चुनी है उसे लेकर हम उत्साहित हैं। सलीमा पिछले साल कप्तान नियुक्त होने के बाद से टीम का अभिन्न अंग रही हैं। हरेंद्र ने कहा कि यह टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम पर होगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी जिनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थोडम और इशिका चौधरी देंगी।

मिडफील्ड में नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिटा टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। अग्रिम पंक्ति में अनुभवी और उभरते सितारों का मिश्रण है जिसमें नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल शामिल हैं। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी सविता और सुशीला चानू टीम का हिस्सा नहीं हैं। ये दोनों एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में खेली थी।

महिला हॉकी टीम

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी, बिचु देवी खारीबाम **डिफेंडर :** मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी थोडम, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी **मिडफील्डर :** नेहा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, लालरेमसियामी, सुनेलिटा टोप्पो **फारवर्ड :** नवनीत कौर, रुतजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, दीपिका और संगीता कुमारी।